हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

2 सितम्बर, 2002

खण्ड 2, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 2 सितम्बर, 2002

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(1)1
तरांकित प्र न एवं उत्तर	(1)10
नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर	(1)42
अतरांकित प्र न एवं उत्तर	(1)48

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(1)53
राज्य मे सूखे की स्थिति सम्बन्धी	(1)53
विभिन्न मामले उठाना	(1)53
वाक आउट	(1)64
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(1)64
राज्य मे सूखे की स्थिति सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	(1)64
वक्तव्य	(1)65
नगर एवम ग्राम आयोजना मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(1)65
वाक आउट्स	(1)73
वक्तव्य	(1)65
नगर एवम ग्राम आयोजना मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	(1)65
सदस्यो का निलम्बन	(1)75
वाक आउट	(1)76
वक्तव्य	
नगर एवम ग्राम आयोजना मंत्री द्वारा उपरोक्त	(1)79

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)	
घोशणाए	(1)87
(क) अध्यक्ष द्वारा	(1)
(i) सभापतियो की सूची	(1)
(ख) सचिव द्वारा	(1)
राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिये गये बिलो सम्बन्धी	(1)87
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)88
सदन के मेज पर रखे गए पुन रखे गए कागज पत्र	(1)91
वि ोशधिकार मामलो के संबध मे वि ोशधिकारियो समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथ अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना	(1)93
(i) श्री रघुबीर सिंह कादयान, एम0एल0ए0 के विरूद्ध	(1)93
(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल, एम0एल0ए0 के विरूद्ध	
(iii) कैप्टन अजय सिंह यादव, एम0एल0ए0 के विरूद्ध श्री जगजीत सिंह सांगवान, एम0एल0ए0 के विरूद्ध	
(iv) श्री जय प्रका ा बरवाला, एम0एल0ए0 के विरूद्ध	

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 2 सितम्बर, 2002

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिह कादियान) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब आबिचुरी रैफरैसिज होगे।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा सारे सदन को सूचित करना चाहूगा कि पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बीच मे कुछ महान विभूतिया इस संसार को छोड कर चली गई है। कई राजनेता, कई समाजसेवी, तथा कई दे ा भक्त आज हमारे बीच मे नही रहे।

श्री कृश्ण कांत, भारत के उप–राश्ट्रपति

यह सदन भारत के उप राश्ट्रपति श्री कृश्ण कांत के 27 जुलाई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 28 फरवरी, 1927 को गांव कोट मोहम्मद खान, जिला अमृतसर मे स्वतन्त्रता सेनानी लाला अचिन्त राम और श्रीमती सत्यावति के परिवार मे हुआ। उनकी ि ाक्षा लाहौर के डी0ए0वी0 कालेज तथा बनारस हिन्दू वि वविधालय मे हुई, जहां

से उन्होने प्रौधोगिकी मे स्नातकोतर डिग्री प्राप्त की। 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय भाग लेने के कारण उन्हे दो साल के लिए जेल भेज गया। राजनीति मे प्रवे ा से पूर्व वह विज्ञान एवम औधोगिक अनुसंधान परिशद् नई दिल्ली मे एक वैज्ञानिक के रूप के कार्यरत रहे।

वह 1996 से 1977 तक हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1977 मे चण्डीगढ से लोक सभा के लिए चुने गये। सांसद के रूप मे उन्होने विदे ाी मामलो, रक्षा नीति, भूमि सुधारो, चुनावो सुधारो तथा प्रैस की स्वतन्त्रता से जुडे विशयो पर हुई चर्चाओ मे महत्वपूर्ण योगदान दिया।

श्री कृश्ण कांत, वर्श 1968 मे डकार, सेनेगल मे आयोजित अन्तर संसदीय संध की बैठक मे भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व किया तथा अनेक दे ाो की सद्भावना यात्राए की। वह 1976 मे 'पीपल्ज यूनियन फांर सिविल लिबर्टीज एण्ड डेमोक्रेटिक राईट्स' के संसाथापक सचिव बने। वह 1991 से सरवेट्स आफ दि पीपल्ज सोसायटी के अध्यक्ष भी रहे।

वह 1990 से 1997 तक आंध प्रदे ा के राज्यपाल रहे। 1996 से 97 के दौरान उन्होने तमिलनाडू के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संम्भाला। उन्होने 1997 से अपने निधन के समय तक दे ा के उप राश्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति पद को सु ाोभित किया। वह ईमानदार, विनम्रता तथा मानवीय और गांधीवाद मूल्यो की सच्ची प्रतिमूर्ति थे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है।

अध्यक्ष महोदय, उनके साथ हमारे व्यक्तिगत सम्बन्ध रहे है। वे केवल एक व्यक्ति नही थी मेरे उनके साथ बहुत ही घनिश्ठ सम्बन्ध रहे है। वे हमारे हिसार जिले मे खासतौर पर बिलोंग करते थे। जब कभी भी हरियाणा प्रदे ा से जुडा हुआ कोई मामला उन तक पहुंचता था तो वे एक क्षण की देरी किए बिना उस मामले का निपटाना किया करते थे। इस प्रकार वे व्यक्तिगत तौर पर हरियाणा के साथ जुडे हुए थे। उनके चले जाने से हमे बडा भारी नुकसान हुआ है।

यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बी0डी0 जती, भारत के उप राश्ट्रपति

यह सदन भारत के पूर्व उप राश्ट्रपति श्री बी0डी0 जति के 7 जून, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 10 सितम्बर, 1912 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होने 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय लिया। वह 1958 से 1962 तक मैसूर स्टेट के मुख्य मंत्री रहे। वह 1968 से 1972 तक पांडीचेरी के लैफ्टिनैंट गवर्नर और 1972 से 1974 तक उडीसा के राज्यपाल रहे। वह 1974 से 1979 तक दे ा

के उप राश्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति रहे। 11 फरवरी, 1977 से 25 जुलाई, 1977 तक वे दे ा के कार्यवाहक राश्ट्रपति भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री फतेह चन्द विज, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री फतेह चन्द विज के 30 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 3 जनवरी, 1917 को हुआ। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1967, 168, 1977 और 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामाजिक संस्थाओ से सम्ब द्व रहे।

वे एक ऐसे विधान सभा के सदस्य थे जो कि सुबह अपने घर से निकल कर अपने क्षेत्र के एक एक व्यक्ति से सम्बन्ध स्थापित करते थे और अगर किसी को कोई कठिनाई होती थी तो उसको अपने साथ बस मे बिठाकर लाते थे और उसकी कठिनाई को हल करवाते थे। सही मायने मे वे हर आम व्यक्ति के नजदीक थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

राव अभय सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राव अभय सिह के 27 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म पहली सितम्बर, 1923 को हुआ। उन्होने सेंट स्टीफन्ज कालेज, दिल्ली से स्नातक की डिग्री और ि ामला के लां कालेज से विधी की डिग्री प्राप्त की। वह 1952, 1957 मे सयुक्त पंजाब विधान सभा और 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1972 से 1977 तक इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट, रेवाडी के अध्यक्ष भी रहे। वह ईमानदार व सादगी की प्रतिमूर्ति थे और उन्होने गरीबो व दलितो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री खिल्लन सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री खिल्लन सिंह के 3 मई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 जनवरी, 1945 को हुआ। उन्होने एम0ए0 तथा एल0एल0बी0 की डिग्रिया प्राप्त की। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री मनसा राम, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री मनसा राम के 13 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म वर्श 1920 मे हुआ। वह 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सहकारी संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कामरेड जंगीर सिंह जोगा, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कमारेड जंगीर सिंह जोगा के 24 अगस्त, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 अक्तूबर, 1908 को हुआ। उन्होने अपनी पढाई बीच मे ही छोडकर दे ा की आजादी के संघर्श मे सक्रिय भाग लिया। वह कई बार जेल गए। वह 1954 मे पैप्सू विधान सभा तथा 1957,1962,1967, और 1972 मे पजांब विधान सभा के लिए चुने गऐ।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी एवम अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है।यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री दरबारी लाल गुप्ता, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दरबारी लाल गुप्ता के 21 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 नवम्बर, 1919 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक सयुक्त पजांब विधान परिशद् के सदस्य रहे। वह 1952 से 1958 तक जगाधरी नगर सुधार मण्डल के अध्यक्ष भी रहे। वह 1961 मे लंदन मे आयोजित कांमनवैल्थ संसदीय कांफ्रेंस ने भारत सरकार की ओर से भेजे गए 14 संदस्सीय ि ाश्टमण्डल मे भाामिल थे। वह 1962 से 1966 तक पंजाब लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे। वह 1966 से 1972 तक हरियाणा लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, अभी अभी सूचना मिली है कि आज सुबह 10 बजे राव हरी सिंह यादव जो हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व रह चुके है, उनका भी अकस्मात निधान हो गया है। मै आपसे निवदेन करूगा कि उनका नाम भी इस भाोक प्रस्तावो के साथी ही जोड लिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, इनका नाम भी इन भाोक प्रस्तावो के साथ जोड दिया जाए।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यही सदन उन स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपने बहुमूल्य योगदान दिया।

इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'–

1. कैप्टन अजय सिंह, गांव मिताथल, जिला भिवानी

2. श्री प्रेम स्वरूप, माडल टाऊन, रेवाडी

3. श्री बि ाना राम, गांव चाहरवाला, जिला सिरसा

4. श्री ई वर सहाय, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी

5. श्री डेविड अब्बेनजर, ऐलनाबाद, जिला सिरसा

6. श्री भागमल, गांव नखडौला, जिला गुडगांव

7. श्री भााहमल, गांव लाखुवास, जिला गुडगावं

8. श्री रघुबीर सिंह, गांव रामुपर, जिला गुडगांव

9. श्री कांसी राम, गांव तुर्कापुर, जिला गुडगांव

10. चौधरी राम सिह, गांव कोट, जिला भिवानी

11. श्री हरि सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल

12. श्री भोर सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल

13. श्री मागे राम सिंगला, महादेव कालोनी, कैथल

यह सदन इन महाने स्वतत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन उन वीर सैनिको को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है। जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः—

1. सहायक कमाण्डेंट नरे ा यादव, गांव नन्दरामपुरबास, जिला रेवाडी

2. सहायक कमाण्डेट सुमेर सिंह, गांव बहल्बा, जिला रोहतक

3. मेजर योगे ा गुप्ता, अम्बाला छावनी

4. कैप्टन अतुल सोमरा, अम्बाला छावनी

5. लैफ्टिमैंट अरविन्द मलिक, गांव देवीपुरा, जिला सोनीपत

6. स्क्वाड्रन लीडर संजय भारद्वाज, सिविल लाईन, गुडगांव

7. फ्लाईग आफिसर संदीप पल्लरवाल, गांव भाली आनन्दपुर, जिला रोहतक

8. हवलदार रूपचन्द, गांव मालडा सराय, जिला महेन्द्रगढ

9. हवलदार कृश्ण कुमार, गांव धामड, जिला रोहतक

10. नायक ओमप्रका ा, गांव पालडी, जिला भिवानी

11. लांस नायक जसवंत सिंह, गांव बास दूदा, जिला रेवाडी

12. लांस नायक राधे याम, पटौदी, जिला गुडगांव

13. लांस नायक बिजेन्द्र सिंह, गांव रोहणा, जिला सोनीपत

14. लांस नायक नरेन्द्र सिंह, गांव खेडकी, जिला गुडगांव

15. राईफलमैन ओमबीर, गांव निडाना, जिला रोहतक

16. राईफलमैन सुभाश नगर, गांव खारिया, जिला हिसार

17. ग्रेनेडियर रमे ा चन्द्र, गांव ढाणी बीरण, जिला भिवानी

18. सिपाही महे ा कुमार, गांव खेडी, जिला महेन्द्रगढ

19. सिपाही घन याम, गांव तोताहेडी, जिला महेन्द्रगढ

20. सिपाही भीम सिह, गांव रसीना, जिला कैथल

21. सिपाही रमे ा कुमार, गांव निजामपुर, जिला सोनीपत

22. सिपाही मदन सिंह, गांव आनन्दगढ, जिला सिरसा

23. सिपाही राजबीर सिंह, गांव खरकडी माखवाल, जिला भिवानी

24. सिपाही हरके ा कुमार, गांव सुर्खपुर, जिला रेवाडी

25. सिपाही भूपेन्द्र दहिया, गांव थाना खुर्द, जिला सोनीपत

26. सिपाही मंगत राम, गांव फतेहपुर, जिला यमुनानगर

27. सिपाही पिकु सिंह, गांव सालवान, जिला करनाल

28. सिपाही सुरे ा कुमार, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी

29. सिपाही रामफल यादव, गांव डहीना, जिला रेवाडी

30. सिपाही धर्मपाल, गांव भाामलो खुर्द, जिला जीन्द

31. सिपाही राममेहर , गांव खेदड, जिला हिसार

32. सिपाही राधे याम, गांव तलवण्डी राणा, जिला हिसार

33. सिपाही भीम सिंह, गांव सेहलांग, जिला झज्जर

34. सिपाही अली अहमद, गांव मिर्जापुर, जिला यमुनानगर

35. सिपाही संदीप कुमार, गांव फिदेडी, जिला रेवाडी

यह सदन इन महाने स्वतत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

जम्मु क ामीर मे आंतकवादी हमलो मे मागे गए लोग

यह सदन जम्मू क ामीर मे जम्मू के रघुनाथ मन्दिर एवम राजीव नगर कालोनी, सैनिक परिसर कालूचक्क, राजौरी जिले के थाना मण्डी क्षेत्र के गांव दुदसांबाला तथा राज्य के अन्य स्थानो मे एवम पहलगाम के नजदीक अमरनाथ यात्रियो पर हुए

आंतकवादी हमलो मे मारे गए निर्दोश लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन मानवता के विरूद्ध आंतकवादी घटनाओ की कडी निंदा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के विरूद्ध आतकवादी घटनओ की कडी निन्दा करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

यह सदन सांसद चौधरी राम चन्द्र बैन्दा ने भाई, **चौधरी प्रताप सिंह बैन्दा,** हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के ससुर, **चौधरी राम चन्द्र मटोरिया** और उनकी सास, **श्रीमती जय कौरी देवी** तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भगवान सहाय रावत की धर्मपत्नी के छोटे भाई, **डा0 कुमेर सिह,** के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

इसी तरह से सरदार गुंलजार सिंह पुत्र सरदार लाभ सिंह गांव गुमथला हरियाणा के रहने वाले थे और कृशि मंत्री सरदार जसविन्द्र सिंह संधू के मौसा जी थे उनका भी देहावसान हो गया है उनकी उम्र 65 वर्श थी। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा अभी परसो ही जन्माश्टती के भाुभ अवसर पर टेलीविजन पर हमने देखा कि पांच बच्चो का आकस्मिक रूप से करंट लगने की वजह से किसी फाल्ट के आ जाने की वजह से निधन हो गया। आज पता लगा कि उडीसा मे भी एक नौका के डूब जाने से लगभग

50–60 लोगो का निधन हो गया। उनको भी इस प्रस्ताव मे भाामिल कर लिया जाए। इसके अलावा बमनौली, जिला झज्जर के सिपाही जयवीर सिह का नाम भी इसमे भाामिल कर लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे निवदेन करूंगा कि इसके अलावा कोई ऐसा राजनेताप, कोई ऐसा समाजसेवी या कोई भाहीद दे ा भक्त और हमारे सदन के सम्मानित सदस्यो के परिवारजनो से जुडे हुये कोई व्यक्ति यदि इस संसार से चले गये हो तो मै विनम्र निवेदन करूंगा कि पूरे सदन की सहमति से उनके नामो भी इस भाोक प्रस्ताव मे भाामिल कर लिए जाए।

श्री कर्ण सिह दलाल: जो किसान मारे गऐ है उनके नाम भी इसमे भाामिल किए जाने चाहिए।

श्री ओमप्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैने कह दिया है कि जिस किसी का नाम रह गया हो, पूरे सदन की सहमति से भाामिल कर लिया जाए।

श्री अध्यक्ष: ठीक है।

श्री भूपेन्द्र सिंह (किलोई): अध्यक्ष महोदय, लीडर आ्फ दि हाउस ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है। उसमे मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है। भारत के उप राश्ट्रपति श्री कृश्ण कांत के 27 जुलाई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 28 फरवरी, 1927 को गांव कोट मोहम्मद खान, जिला अमृतसर मे स्वतन्त्रता सेनानी लाला अचिन्त राम और श्रीमती सत्यावति के परिवार मे

हुआ। उनकी ि ाक्षा लाहौर के डी0ए0वी0 कालेज तथा बनारस हिन्दू वि ववविधालय मे हुई, जहां से उन्होने प्रौधोगिकी मे स्नातकोतर डिग्री प्राप्त की। 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय भाग लेने के कारण उन्हे दो साल के लिए जेल भेज गया। राजनीति मे प्रवे ा से पूर्व वह विज्ञान एवम औधोगिक अनुसंधान परिशद् नई दिल्ली मे एक वैज्ञानिक के रूप के कार्यरत रहे।

वह 1996 से 1977 तक हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1977 मे चण्डीगढ से लोक सभा के लिए चुने गये। सांसद के रूप मे उन्होने विदे ाी मामलो, रक्षा नीति, भूमि सुधारो, चुनावो सुधारो तथा प्रैस की स्वतन्त्रता से जुडे विशयो पर हुई चर्चाओ मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री कृश्ण कांत, वर्श 1968 मे डकार, सेनेगल मे आयोजित अन्तर संसदीय संध की बैठक मे भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व किया तथा अनेक दे ाो की सद्भावना यात्राए की। वह 1976 मे 'पीपल्ज यूनियन फांर सिविल लिबर्टीज एण्ड डेमोक्रेटिक राईट्स' के संसाथापक सचिव बने। वह 1991 से सरवेट्स आफ दि पीपल्ज सोसायटी के अध्यक्ष भी रहे।

वह 1990 से 1997 तक आंध प्रदे ा के राज्यपाल रहे। 1996 से 97 के दौरान उन्होने तमिलनाडू के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संम्भाला। उन्होने 1997 से अपने निधन के समय तक दे ा के उप राश्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति पद को सु ाोभित किया। वह ईमानदार, विनम्रता तथा मानवीय और गांधीवाद मूल्यो की सच्ची प्रतिमूर्ति थे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। व्यक्तिगत रूप से हमारा गहरा सबंध था। मै बचपन से ही उनके परिवार को अच्छी तरह से जानना था जहा व्यक्तिगत तौर पर नुकसान हुआ है वही हरियाणा का भी बहुत नुकसान हुआ है। व्यक्तिगत रूप से भी मुझे बहुत नुकसान और दुख हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात रिकार्ड मे लाना चाहता हू कि उसकी माता जो आज भी जीवित है, वह जो सूत कातती थी, उससे जो भी कपडा बनता था, उनसे कपडा बनवाकर से आखिरी समय तक पहनते रहे। उनके निधन से हरियाणा एक स्वतन्त्राता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। वे मेरे पिता जी के सहयोगी रहे है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भारत के पूर्व उप राश्ट्रपति श्री बी0डी0 जति के 7 जून, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 10 सितम्बर, 1912 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होने 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय लिया। वह 1958 से 1962 तक मैसूर स्टेट के मुख्य मंत्री रहे। वह 1968 से 1972 तक पांडीचेरी के लैफ्टिनैंट गवर्नर और 1972 से 1974 तक उडीसा के राज्यपाल रहे। वह 1974 से 1979 तक दे ा के उप राश्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति रहे। 11 फरवरी, 1977 से 25 जुलाई, 1977 तक वे दे ा के कार्यवाहक राश्ट्रपति भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया

है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री फतेह चन्द विज के 30 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 3 जनवरी, 1917 को हुआ। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1967, 168, 1977 और 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामाजिक संस्थाओ से सम्ब़द्व रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राव अभय सिह के 27 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म पहली सितम्बर, 1923 को हुआ। उन्होने सेंट स्टीफन्ज कालेज, दिल्ली से स्नातक की डिग्री और ि ामला के लां कालेज से विधी की डिग्री प्राप्त की। वह 1952, 1957 मे सयुक्त पंजाब विधान सभा और 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1972 से 1977 तक इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट, रेवाडी के अध्यक्ष भी रहे। वह ईमानदार व सादगी की प्रतिमूर्ति थे और उन्होने गरीबो व दलितो के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके निधन से दे ा

एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री खिल्लन सिंह के 3 मई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 2 जनवरी, 1945 को हुआ। उन्होने एम0ए0 तथा एल0एल0बी0 की डिग्रिया प्राप्त की। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जिले सिंह मलिक के 21 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

व्यवयसाय के से कृशक, श्री जिल सिह 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह पंचायत ब्लाक समिति तथा जिला परिशद के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री मनसा राम के 13 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म वर्श 1920 मे हुआ। वह 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सहकारी संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कमारेड जंगीर सिंह जोगा के 24 अगस्त, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 11 अक्तूबर, 1908 को हुआ। उन्होने अपनी पढाई बीच मे ही छोडकर दे ा की आजादी के संघर्श मे सक्रिय भाग लिया। वह कई बार जेल गए। वह 1954 मे पैप्सू विधान सभा तथा 1957,1962,1967, और 1972 मे पजांब विधान सभा के लिए चुने गऐ। वे बहुत ही सादा जीवन व्यतीत करते थे । व्यक्तिगत तौर पर मैने बचपन से उनका जीवन देखा है।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी एवम अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दरबारी लाल गुप्ता के 21 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 4 नवम्बर, 1919 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक सयुक्त पजांब विधान परिशद् के सदस्य रहे। वह 1952 से 1958 तक जगाधरी नगर सुधार मण्डल के अध्यक्ष भी रहे। वह 1961 मे लंदन मे आयोजित कांमनवैल्थ संसदीय कांफ्रेंस ने भारत सरकार की ओर से भेजे गए 14 संदस्सीय ि ाश्टमण्डल मे भााामिल थे। वह 1962 से 1966 तक पंजाब लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे। वह 1966 से 1972 तक हरियाणा लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी राव हरी सिंह का भाोक प्रस्ताव रखा मै अपनी तरफ से और अपनी

पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपने बहुमूल्य योगदान दिया।

इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'–

कैप्टन अजय सिंह, गांव मिताथल, जिला भिवानी, श्री प्रेम स्वरूप, माडल टाऊन, रेवाडी,. श्री बि ाना राम, गांव चाहरवाला, जिला सिरसा ,श्री ई वर सहाय, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी, श्री डेविड अब्बेनजर, ऐलनाबाद, जिला सिरसा, श्री भागमल, गांव नखडौला, जिला गुडगांव, श्री भााहमल, गांव लाखुवास, जिला गुडगावं , श्री रघुबीर सिंह, गांव रामुपर, जिला गुडगांव, श्री कांसी राम, गांव तुर्कापुर, जिला गुडगांव, चौधरी राम सिह, गांव कोट, जिला भिवानी, श्री हरि सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल, श्री भोर सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल, श्री मागे राम सिंगला, महादेव कालोनी, कैथल।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ इन महाने स्वतत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ उन वीर सैनिको को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है। जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः— सहायक कमाण्डेंट नरे ा यादव, गांव नन्दरामपुरबास, जिला रेवाडी, सहायक कमाण्डेट सुमेर सिंह, गांव बहल्बा, जिला रोहतक, मेजर योगे ा गुप्ता, अम्बाला छावनी, कैप्टन अतुल सोमरा, अम्बाला छावनी, लैफ्टिमैंट अरविन्द मलिक, गांव देवीपुरा, जिला सोनीपत, स्क्वाड्रन लीडर संजय भारद्वाज, सिविल लाईन, गुडगांव, फ्लाईग आफिसर संदीप पल्लरवाल, गांव भाली आनन्दपुर, जिला रोहतक, हवलदार रूपचन्द, गांव मालडा सराय, जिला महेन्द्रगढ, हवलदार कृश्ण कुमार, गांव धामड, जिला रोहतक, नायक ओमप्रका ा, गांव पालडी, जिला भिवानी, लांस नायक जसवंत सिंह, गांव बास दूदा, जिला रेवाडी, लांस नायक राधे याम, पटौदी, जिला गुडगांव, लांस नायक बिजेन्द्र सिंह, गांव रोहणा, जिला सोनीपत, लांस नायक नरेन्द्र सिंह, गांव खेडकी, जिला गुडगांव, राईफलमैन ओमबीर, गांव निडाना, जिला रोहतक, राईफलमैन सुभाश नगर, गांव खारिया, जिला हिसार, ग्रेनेडियर रमे ा चन्द्र, गांव ढाणी बीरण, जिला भिवानी, सिपाही महे ा कुमार, गांव खेडी, जिला महेन्द्रगढ ,सिपाही घन याम, गांव तोताहेडी, जिला महेन्द्रगढ, सिपाही भीम सिह, गांव रसीना, जिला कैथल, सिपाही रमे ा कुमार, गांव निजामपुर, जिला सोनीपत, सिपाही मदन सिंह, गांव आनन्दगढ, जिला सिरसा, सिपाही राजबीर सिंह, गांव खरकडी

माखवाल, जिला भिवानी, सिपाही हरके ा कुमार, गांव सुर्खपुर, जिला रेवाडी, सिपाही भूपेन्द्र दहिया, गांव थाना खुर्द, जिला सोनीपत, सिपाही मंगत राम, गांव फतेहपुर, जिला यमुनानगर, सिपाही पिकु सिंह, गांव सालवान, जिला करनाल, सिपाही सुरे ा कुमार, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी, सिपाही रामफल यादव, गांव डहीना, जिला रेवाडी, सिपाही धर्मपाल, गांव भाामलो खुर्द, जिला जीन्द , सिपाही राममेहर, गांव खेदड, जिला हिसार, सिपाही राधे याम, गांव तलवण्डी राणा, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव सेहलांग, जिला झज्जर, सिपाही अली अहमद, गांव मिर्जापुर, जिला यमुनानगर, सिपाही संदीप कुमार, गांव फिदेडी, जिला रेवाडी और इसके इलावा जो नाम लिये गये है उनको परिवारो के प्रति मै अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरो भाहदत से संवदेना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ जम्मू क ामीर मे जम्मू के रघुनाथ मन्दिर एवम राजीव नगर कालोनी, सैनिक परिसर कालूचक्क, राजौरी जिले के थाना मण्डी क्षेत्र के गांव दुदसांबाला तथा राज्य के अन्य स्थानो मे एवम पहलगाम के नजदीक अमरनाथ यात्रियो पर हुए आंतकवादी हमलो मे मारे गए निर्दोश लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

स्पीकर साहब, सांसद चौधरी राम चन्द्र बैन्दा ने भाई, चौधरी प्रताप सिंह बैन्दा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के ससुर, चौधरी राम चन्द्र मटोरिया और उनकी सास, श्रीमती जय कौरी देवी तथा हरियाणा विधान सभा के

सदस्य श्री भगवान सहाय रावत की धर्मपत्नी के छोटे भाई, डा0 कुमेर सिह, के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से मानवता के विरूद्ध आंतकवादी घटनाओ की कडी निंदा करता है और भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

स्पीकर साहब, इन भाोक प्रस्तावो मे सदन के नेता ने सरदार गुंलजार सिंह के नाम भी जिकर किया है, मै भी उनके इस प्रस्तावा का समर्थन करता हू और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

स्पीकर साहब, धर्मवीर जी ने एक स्लीप मुझे दी है। उसमे बताया गया है कि गांव मतानी जिला भिवानी का पडितो का लडका भी दे ा के लिए भाहीद हो गया है। मेरा सदन के नेता से अनुरोध है कि इसको भी इन भाोक प्रस्तावो की सूची मे भाामिल कर लिया जाये। इस का नाम तो इस स्लीप मे नही लिखा हुआ, वह हम बाद मे आपको बता देगे। इस परिवार के भाोक संतप्त सदस्यो के प्रति मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवदेना प्रकट करता हू।

स्पीकर साहब, इसके अलावा जिला जीन्द मे जिन 9 किसानो की डैथ हुई उनके नाम है, रामसरूप आयु 55 वर्श गांव ि ामला, जिल जींद। राम दिया आयु 52 साल, हरिजन गांव खुराणा जिला जींद। राजे ा आयु 14 साल ंगांव कण्डेजा जिला जींद। ओमप्रका ा आयु 50 वर्श गांव राजपुर भैणा जिला जींद।

महासिंह आयु 68 वर्श गांव राजपुर भैणा जिला जींद। दिलबाग सिंह आयु 40 वर्श गांव राजपुर भैणा जिला जीन्द। राजबीर आयु 42 साल गांव गुलकनी जिला जीन्द यानि इन किसानो ने अपनी भाहीदी दी है, अपने वर्ग के लिए अपने संघर्श के लिए उनके परिवार वालो के प्रति मै अपनी तरफ से श्रद्धाजति अर्पित करता हू। इसके अलावा जो सुझाव सदन के नेता ने या दूसरे साथियो ने रखे है या जो नाम रह गए है उनके सुझाव से मै सहमत हू और उन सभी भाोक संतप्त परिवार वालो के प्रति भी मै हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

श्री कृश्णपाल गुर्जर (मेवाल महारजपुर): अध्यक्ष महोदय, पिछले विधान सभा सत्र और इस विधान सभा सत्र के बीच मे बहुत सी महान विभूतियां हमारे बीच मे चली गइ है। मै अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ उन दिंवगत आत्माओ के भाोक संतप्त परिवारो के प्रति हार्दिक संवदेना प्रकट करता हू।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है। भारत के उप राश्ट्रपति श्री कृश्ण कांत के 27 जुलाई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 28 फरवरी, 1927 को गांव कोट मोहम्मद खान, जिला अमृतसर मे स्वतन्त्रता सेनानी लाला अचिन्त राम और श्रीमती सत्यावति के परिवार मे हुआ। उनकी ि ाक्षा लाहौर के डी0ए0वी0 कालेज तथा बनारस हिन्दू वि वविधालय मे हुई, जहां से उन्होने प्रौधोगिकी मे स्नातकोतर डिग्री प्राप्त की। 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय भाग लेने के कारण उन्हे दो साल के लिए

जेल भेज गया। राजनीति मे प्रवे ा से पूर्व वह विज्ञान एवम औधोगिक अनुसंधान परिशद् नई दिल्ली मे एक वैज्ञानिक के रूप के कार्यरत रहे।

वह 1996 से 1977 तक हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1977 मे चण्डीगढ से लोक सभा के लिए चुने गये। सांसद के रूप मे उन्होने विदे ाी मामलो, रक्षा नीति, भूमि सुधारो, चुनावो सुधारो तथा प्रैस की स्वतन्त्रता से जुडे विशयो पर हुई चर्चाओ मे महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री कृश्ण कांत, वर्श 1968 मे डकार, सेनेगल मे आयोजित अन्तर संसदीय संध की बैठक मे भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व किया तथा अनेक दे ाो की सद्भावना यात्राए की। वह 1976 मे 'पीपल्ज यूनियन फांर सिविल लिबर्टीज एण्ड डेमोक्रेटिक राईट्स' के संसाथापक सचिव बने। वह 1991 से सरवेट्स आफ दि पीपल्ज सोसायटी के अध्यक्ष भी रहे।

वह 1990 से 1997 तक आंध प्रदे ा के राज्यपाल रहे। 1996 से 97 के दौरान उन्होने तमिलनाडू के राज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संम्भाला। उन्होने 1997 से अपने निधन के समय तक दे ा के उप राश्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति पद को सु ाोभित किया। वह ईमानदार, विनम्रता तथा मानवीय और गांधीवाद मूल्यो की सच्ची प्रतिमूर्ति थे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से दिवगंत के

भाोक सतिप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हू।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भारत के पूर्व उप राश्ट्रपति श्री बी0डी0 जति के 7 जून, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 10 सितम्बर, 1912 को हुआ। वह विधि स्नातक थे। उन्होने 1942 मे ''भारत छोडो आन्दोलन'' मे सक्रिय लिया। वह 1958 से 1962 तक मैसूर स्टेट के मुख्य मंत्री रहे। वह 1968 से 1972 तक पांडीचेरी के लैफ्टिनैंट गवर्नर और 1972 से 1974 तक उडीसा के राज्यपाल रहे। वह 1974 से 1979 तक दे ा के उप राश्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति रहे। 11 फरवरी, 1977 से 25 जुलाई, 1977 तक वे दे ा के कार्यवाहक राश्ट्रपति भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्राता सेनानी, एक प्रख्यात सांसद और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री फतेह चन्द विज के 30 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 3 जनवरी, 1917 को हुआ। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1967, 168, 1977 और 1982 मे

हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सामाजिक संस्थाओ से सम्ब़द्व रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री राव अभय सिह के 27 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म पहली सितम्बर, 1923 को हुआ। उन्होने सेंट स्टीफन्ज कालेज, दिल्ली से स्नातक की डिग्री और ि ामला के लां कालेज से विधी की डिग्री प्राप्त की। वह 1952, 1957 मे सयुक्त पंजाब विधान सभा और 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1972 से 1977 तक इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट, रेवाडी के अध्यक्ष भी रहे। वह ईमानदार व सादगी की प्रतिमूर्ति थे और उन्होने गरीबो व दलितो के उत्थान के लिए कार्य किया। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री खिल्लन सिंह के 3 मई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 जनवरी, 1945 को हुआ। उन्होने एम0ए0 तथा एल0एल0बी0 की डिग्रिया प्राप्त की। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने गरीबो के उत्थान के लिए कार्य किया।

स्पीकर साहब, वे मेरे जिले से सम्बन्ध रखते थे। उनके बारे मे मुझे याद है चौधरी देवील लाल जी जब 1985–86 मे हरियाणा आन्दोलन चला रहे थे तो मचो पर कहा करते थे कि दे ा मे कुछ ही हरि होते है और कुछ अनमोल हीरे होते है जिनका कोई मोल नही होता है। वे विधान सभा के अनमोल हीरे थे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सै भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जिले सिंह मलिक के 21 मई, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

व्यवयसाय के से कृशक, श्री जिल सिह 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह पंचायत ब्लाक समिति तथा जिला परिशद के सदस्य भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सेे भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री मनसा राम के 13 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म वर्श 1920 मे हुआ। वह 1972 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह कई सहकारी संस्थाओ से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कमारेड जंगीर सिंह जोगा के 24 अगस्त, 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 11 अक्तूबर, 1908 को हुआ। उन्होने अपनी पढाई बीच मे ही छोडकर दे ा की आजादी के संघर्श मे सक्रिय भाग लिया। वह कई बार जेल गए। वह 1954 मे पैप्सू विधान सभा तथा 1957,1962,1967, और 1972 मे पजांब विधान सभा के लिए

चुने गऐ। वे बहुत ही सादा जीवन व्यतीत करते थे । व्यक्तिगत तौर पर मैने बचपन से उनका जीवन देखा है।

उनके निधन से दे ा एक स्वतन्त्रता सेनानी एवम अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दरबारी लाल गुप्ता के 21 जुलाई , 2002 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 नवम्बर, 1919 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक सयुक्त पजांब विधान परिशद् के सदस्य रहे। वह 1952 से 1958 तक जगाधरी नगर सुधार मण्डल के अध्यक्ष भी रहे। वह 1961 मे लंदन मे आयोजित कांमनवैल्थ संसदीय कांफ्रेंस ने भारत सरकार की ओर से भेजे गए 14 संदस्सीय ि ाश्टमण्डल मे भााामिल थे। वह 1962 से 1966 तक पंजाब लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे। वह 1966 से 1972 तक हरियाणा लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे।

उनके निधन से दे ा अनुभवी विधायक एवम योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ सराव हरी सिंह के हुए दुखत निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपने बहुमूल्य योगदान दिया।

इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'– कैप्टन अजय सिंह, गांव मिताथल, जिला भिवानी, श्री प्रेम स्वरूप, माडल टाऊन, रेवाडी,. श्री बि ाना राम, गांव चाहरवाला, जिला सिरसा ,श्री ई वर सहाय, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी, श्री डेविड अब्बेनजर, ऐलनाबाद, जिला सिरसा, श्री भागमल, गांव नखडौला, जिला गुडगांव, श्री भााहमल, गांव लाखुवास, जिला गुडगावं , श्री रघुबीर सिंह, गांव रामुपर, जिला गुडगांव, श्री कांसी राम, गांव तुर्कापुर, जिला गुडगांव, चौधरी राम सिह, गांव कोट, जिला भिवानी, श्री हरि सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल, श्री भोर सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल, श्री मागे राम सिंगला, महादेव कालोनी, कैथल।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ इन महाने स्वतत्रता सेनानियों को भात भात नमन करता है जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए आदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः–

सहायक कमाण्डेंट नरे ा यादव, गांव नन्दरामपुरबास, जिला रेवाडी, सहायक कमाण्डेट सुमेर सिंह, गांव बहल्बा, जिला रोहतक, मेजर योगे ा गुप्ता, अम्बाला छावनी, कैप्टन अतुल सोमरा, अम्बाला छावनी, लैफ्टिमैंट अरविन्द मलिक, गांव देवीपुरा, जिला सोनीपत, स्क्वाड्रन लीडर संजय भारद्वाज, सिविल लाईन, गुडगांव, फ्लाईग आफिसर संदीप पल्लरवाल, गांव भाली आनन्दपुर, जिला रोहतक, हवलदार रूपचन्द, गांव मालडा सराय, जिला महेन्द्रगढ, हवलदार कृश्ण कुमार, गांव धामड, जिला रोहतक, नायक ओमप्रका ा, गांव पालडी, जिला भिवानी, लांस नायक जसवंत सिंह, गांव बास दूदा, जिला रेवाडी, लांस नायक राधे याम, पटौदी, जिला गुडगांव, लांस नायक बिजेन्द्र सिंह, गांव रोहणा, जिला सोनीपत, लांस नायक नरेन्द्र सिंह, गांव खेडकी, जिला गुडगांव, राईफलमैन ओमबीर, गांव निडाना, जिला रोहतक, राईफलमैन सुभाश नगर, गांव खारिया, जिला हिसार, ग्रेनेडियर रमे ा चन्द्र, गांव ढाणी बीरण, जिला भिवानी, सिपाही महे ा कुमार, गांव खेडी, जिला महेन्द्रगढ ,सिपाही घन याम, गांव तोताहेडी, जिला महेन्द्रगढ, सिपाही भीम सिह, गांव रसीना, जिला कैथल, सिपाही रमे ा कुमार, गांव निजामपुर, जिला सोनीपत, सिपाही मदन सिंह, गांव आनन्दगढ, जिला सिरसा, सिपाही राजबीर सिंह, गांव खरकडी माखवाल, जिला भिवानी, सिपाही हरके ा कुमार, गांव सुर्खपुर, जिला रेवाडी, सिपाही भूपेन्द्र दहिया, गांव थाना खुर्द, जिला सोनीपत, सिपाही मंगत राम, गांव फतेहपुर, जिला यमुनानगर, सिपाही पिकु सिंह, गांव सालवान, जिला करनाल, सिपाही सुरे ा कुमार, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी,

सिपाही रामफल यादव, गांव डहीना, जिला रेवाडी, सिपाही धर्मपाल, गांव भामलो खुर्द, जिला जीन्द , सिपाही राममेहर, गांव खेदड, जिला हिसार, सिपाही राधे याम, गांव तलवण्डी राणा, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव सेहलांग, जिला झज्जर, सिपाही अली अहमद, गांव मिर्जापुर, जिला यमुनानगर, सिपाही संदीप कुमार, गांव फिदेडी, जिला रेवाडी और इसके इलावा जो नाम लिये गये है उनको परिवारो के प्रति मै अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरो भाहदत से संवदेना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ जम्मू क ामीर मे जम्मू के रघुनाथ मन्दिर एवम राजीव नगर कालोनी, सैनिक परिसर कालूचक्क, राजौरी जिले के थाना मण्डी क्षेत्र के गांव दुदसांबाला तथा राज्य के अन्य स्थानो मे एवम पहलगाम के नजदीक अमरनाथ यात्रियो पर हुए आंतकवादी हमलो मे मारे गए निर्दोश लोगो के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, सांसद चौधरी राम चन्द्र बैन्दा ने भाई, चौधरी प्रताप सिंह बैन्दा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के ससुर, चौधरी राम चन्द्र मटोरिया और उनकी सास, श्रीमती जय कौरी देवी तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भगवान सहाय रावत की धर्मपत्नी के छोटे भाई, डा0 कुमेर सिह, के दुखद निधन मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

चौ. बंसी लाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो ने भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थना करता हू। श्री कृश्ण कांत जी जो हमारे हिन्दुस्तान के वाइस प्रेजीडैन्ट थे वह 1927 मे पैदा हुए। वह एक स्वतन्त्रता सेनानी परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता श्री लाल लाल अचिन्त राम ने भी जेल काटी। 1942 मे लाल अचिन्त राम जी को, कृश्ण कांत की माता जी को एवम खुद कृश्ण कांत जी और उसकी पत्नी इन चारो को फ्रीडम मूवमैन्ट मे एक ही साथ लाहोर मे गिरफात्र किया गया था। जैसे अभी लीडर आफ दी अपोजी ान श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा ने बताया कि कृश्ण कांत जी जो कपडा पहनते थे वह या तो खुद कातते थे या उनकी माता श्री कातती थी। उनकी माता श्री 97–98 साल की हो गयी है लेकिन आज भी वह एक्टिव है और उनकी यादा ात इतनी तेज है कि बीस साल के जवाब की भी यादा त इतनी तेज नही हो सकती। अभी भी बहुत तेज उनकी मैमोरी है। कृश्ण कांत जी राज्य सभा के मैम्बर भी रहे। मुझे भी उनके साथ राज्य सभा का मैम्बार रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद जब वे चण्डीगढ से चुनकर लोकसभा मे चले गए तो मै फिर भी राज्य सभा का मैम्बर रहा। वे आन्ध्रप्रदे ा के राज्य पाल भी रहे। वे राज्य सभा के चेयरमैन और वाइस प्रैजीडैन्ट, हिन्दुस्तान भी रहे। अध्यक्ष महोदय, वे एक बहुत ही सत्विक और भाुद्ध किस्म के इंसान थे। वे बहुत ही भले थे। वे किसी कंट्रोवर्सी मे नही पडते थे। हर मसले का कोई न कोई हल निकालने की उनकी कोि ा ा रहती थी। इस तरह से उनके बारे मे जितना भी कहा जाए वह थोडज्ञ है। अध्यक्ष महोदय, अब एक एक करके फ्रीडम

फाईटर्ज की पीढी जाती जा रही है। मै उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करने मे सदन के साथ भाामिल हू। अध्यक्ष महोदय, श्री बी0डी0 जती भी कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे। उन्होने भी कृश्ण कांत जी की तरह ही इडिंया क्विट मूवमैन्ट मे जेल काटी। वे मैसूर स्टेट के भी मुख्यमंत्री रहे। वे फिर उडीसा के गवर्नर भी रहे। इसके बाद फिर वे वाइस प्रेजीडैन्ट, हिन्दुस्तान और चेयरमैन, राज्य सभा भी रहे। अध्यक्ष महोदय, जब वे चेयरमैन, राज्य सभा थे तब उनके साथ भी मुझे राज्य सभा का मैम्बर रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेरे कृश्ण कांत और बी0डी0 जती से बहुत अच्छे तात्लुकात रहे। उनके परिवार के प्रति भी मै अपनी सवेंदना प्रकट करता हू। श्री फतेह चन्द विज भी हमारे साथ इसी सदन के मैम्बर रहे। वे जनसंघ के मैम्ब रहे। वे बहुत ही अच्छे और लायक आदमी थे। राव अभय सिंह भी इसी सदन के मैम्बर रहे। वे एक बहुत ही नेक किस्म के इन्सान थे। श्री खिल्लन सिंह, श्री मनसा राम, कामरेड जगीर सिंह जोगा, श्री दरबारी लाल गुप्ता, श्री जिले सिंह मलिक और राव हरी सिंह इन सबके परिवारो के प्रति भी मै अपनी सवेदंना प्रकट करता हू। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के स्वतत्रता सेनानी जिनके बारे मे यह प्रस्ताव लाया गया है । मै इनका भी समर्थन करता हू। और जो फ्रीडम बाकी है वे बहुत कम रह गए है। इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'–

1. कैप्टन दिलीप सिंह, गांव मिताथल, जिला भिवानी

2. श्री प्रेम स्वरूप, माडल टाऊन, रेवाडी

3. श्री बि ाना राम, गांव चाहरवाला, जिला सिरसा

4. श्री ई वर सहाय, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी

5. श्री डेविड अब्बेनजर, ऐलनाबाद, जिला सिरसा

6. श्री भागमल, गांव नखडौला, जिला गुडगांव

7. श्री भााहमल, गांव लाखुवास, जिला गुडगावं

8. श्री रघुबीर सिंह, गांव रामुपर, जिला गुडगांव

9. श्री कांसी राम, गांव तुर्कापुर, जिला गुडगांव

10. चौधरी राम सिह, गांव कोट, जिला भिवानी

11. श्री हरि सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल

12. श्री भोर सिंह, गांव करोडा, जिला कैथल

13. श्री मागे राम सिंगला, महादेव कालोनी, कैथल

इनके परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है। आतकवादियों से लडते हुए जो हमारे जवान भाहीद हुए उनमे सहायक कमाण्डेंट नरे ा यादव, गांव नन्दरामपुरबास, जिला रेवाडी, सहायक कमाण्डेट सुमेर सिंह, गांव बहल्बा, जिला रोहतक, मेजर योगे ा गुप्ता, अम्बाला छावनी, कैप्टन अतुल सोमरा, अम्बाला छावनी, लैफ्टिमैंट अरविन्द मलिक, गांव देवीपुरा, जिला सोनीपत, स्क्वाड्रन लीडर संजय भारद्वाज, सिविल लाईन, गुडगांव, फ्लाईग आफिसर संदीप पल्लरवाल, गांव भाली आनन्दपुर, जिला रोहतक, हवलदार रूपचन्द, गांव मालडा

सराय, जिला महेन्द्रगढ, हवलदार कृश्ण कुमार, गांव धामड, जिला रोहतक, नायक ओमप्रका ा, गांव पालडी, जिला भिवानी, लांस नायक जसवंत सिंह, गांव बास दूदा, जिला रेवाडी, लांस नायक राधे याम, पटौदी, जिला गुडगांव, लांस नायक बिजेन्द्र सिंह, गांव रोहणा, जिला सोनीपत, लांस नायक नरेन्द्र सिंह, गांव खेडकी, जिला गुडगांव, राईफलमैन ओमबीर, गांव निडाना, जिला रोहतक, राईफलमैन सुभाश नगर, गांव खारिया, जिला हिसार, ग्रेनेडियर रमे ा चन्द्र, गांव ढाणी बीरण, जिला भिवानी, सिपाही महे ा कुमार, गांव खेडी, जिला महेन्द्रगढ ,सिपाही घन याम, गांव तोताहेडी, जिला महेन्द्रगढ, सिपाही भीम सिह, गांव रसीना, जिला कैथल, सिपाही रमे ा कुमार, गांव निजामपुर, जिला सोनीपत, सिपाही मदन सिंह, गांव आनन्दगढ, जिला सिरसा, सिपाही राजबीर सिंह, गांव खरकडी माखवाल, जिला भिवानी, सिपाही हरके ा कुमार, गांव सुर्खपुर, जिला रेवाडी, सिपाही भूपेन्द्र दहिया, गांव थाना खुर्द, जिला सोनीपत, सिपाही मंगत राम, गांव फतेहपुर, जिला यमुनानगर, सिपाही पिकु सिंह, गांव सालवान, जिला करनाल, सिपाही सुरे ा कुमार, गांव गढी बोलनी, जिला रेवाडी, सिपाही रामफल यादव, गांव डहीना, जिला रेवाडी, सिपाही धर्मपाल, गांव भाामलो खुर्द, जिला जीन्द , सिपाही राममेहर, गांव खेदड, जिला हिसार, सिपाही राधे याम, गांव तलवण्डी राणा, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव सेहलांग, जिला झज्जर, सिपाही अली अहमद, गांव मिर्जापुर, जिला यमुनानगर, सिपाही संदीप कुमार, गांव फिदेडी, जिला रेवाडी और इसके इलावा जो

नाम लिये गये है उनको परिवारो के प्रति मै संवदेना प्रकट करता है।

जम्मू क ामीर आंतकवादी हमलो मे मारे गए निर्दोश लोगो के परिवारजनों के प्रति मै सवेंदना प्रकट करता हू।

इसके अलावा चौधरी राम चन्द्र बैन्दा ने भाई, चौधरी प्रताप सिंह बैन्दा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह चौटाला के ससुर, चौधरी राम चन्द्र मटोरिया और उनकी सास, श्रीमती जय कौरी देवी तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री भगवान सहाय रावत की धर्मपत्नी के छोटे भाई, डा0 कुमेर सिह, के दुखद निधन परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, सदन के नेता श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने जो भाोक प्रस्ताव हाउस मे रखा है और दिवंगत आत्माओ के प्रति विभिन्न पार्टियों के नेताओ के जो विचार प्रकट किए है मै भी अपने आप को उनकी भावनाओ के साथ जोडता हू। पिछले सै ान के बाद हमारे बीच मे बहुत सी महान विभुतिया चल गई है। सबसे पहले मै भारत के उप राश्ट्रपति श्री कृश्ण कांत के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। वे उती भारत के प्रमुख समाज सेवी थे और कई समाज सेवी सस्थाओ से जुडे हुए थे। वे 1997 के केन्द्र भाासित प्रदे ा चण्डीगढ के सांसद भी रहे। आपातकाल के दौरान वे चन्द नेताओ मे से एक थे जिन्होने अत्याचार के विरूद्ध अपनी आवाज उठाई।

श्री भारत के पूर्व उप राश्ट्रपति श्री बी0डी0 जति के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। वे अपने समय के एक प्रमुख समाज सेवी थे और अच्छे पार्लियामेंटेरियन थे। कुछ समय के लिए इन्होने कार्यकारी राश्ट्रपति के पद भी कार्य किया।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री फतेह चन्द विज हाउस के प्रतिश्ठित सदस्यों मे से एक थे जो कई बार पानीपत विधान सभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर आये। 80–85 साल की उम्र मे भी वे स्कूटर पर चलते थे और गरीब की बहुत मदद किया करते थे। श्री राव अभय सिह के श्री खिल्लन सिंह और श्री मनसा राम , जिले सिंह मलिक व हरी सिंह यादव भी हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे है। ये सभी भूतपर्व सदस्य अपने अपने क्षेत्र के प्रमुख समाज सेवी रहे है इनके निधन से प्रदे ा अच्छे समाज सेवियो की सेवाओ से वचित हो गया है और इनके निधन पर भी मुझे गहरा भाोक है।

सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कमारेड जंगीर सिंह जोगा के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री दरबारी लाल गुप्ता के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उन्होने हरियाणा प्रदे ा की जनता की काफी सेवा की, उनके निधन पर भी मुझे गहरा भोाक है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानियों के हुए दुखद निधन पर मुझे गहरा भाोक है कोई भी दे ा स्वतंत्रता सेनानियों की सेवाओ को भूल नही सकता क्योकि इन्ही लोगो की वजह से हमे आजादी मिली थी। इन लोगे को श्रद्धाजंलि देने का यही एक तरीका है कि हम दे ा की सेवा पूरे तन मन से करे। इन सभी के निधन से दे ा सच्चे भक्तो और स्वन्त्रता सेनानियो की सेवाओ से वंचित हो गया है।

इनके अतिरिक्त हरियाणा के भाहीदो के बारे मे मुख्यमंत्री जी ने नाम लिये है उनके बलिदान के ऊपर मुझे गहरा भाोक है। ऐसे वीर भाहीदो के बलिदान से दे ा की अखण्डता बनी हुई है और हरियाणा के वीर किसी भी तरीके से दूसरे प्रदे ाो के वीरो से कम नही है।

इनके अतिरिक्त हरियाणा के ंससद सदस्य चौधरी रामचन्द बैदं ा के भाई चौधरी प्रताप सिंह बैदा, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री अभय सिंह के ससुर चौधरी रामचन्द्र मटौरिया और सास श्रीमती जय कोरी देवी तथा श्री भगवान सहाय रावत के साले डाक्टर कुमेर सिंह के निधन पर भी मै गहर भाोक प्रकट करता हू। इसके अलावा मै कृशि मंत्री श्री जसविन्द्र संधू के मौसा श्री गुलजार सिंह के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

अंत मै परमपिता के दिवंगत आत्माओ को भाांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हू और उन भाोक संतप्त परिवारो तक इस सदन की संवेदना पंहुचा दी जायेगी।

अब मै सदन के सभी सदस्यो से अनुरोध करता हू कि दिंवगत आत्माओ के सम्मान मे उन्हे श्रद्धाजलि देने के लिए खडे होकर दो मिनट का मौन धारण करे।

(इस समय सभी उपस्थित माननीय सदस्यो के दिंवगत आत्माओ के सम्मान मे खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तरांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

Removal of Electricity Wire Passing over Houses

1132. Shri Dev Raj Dewan: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Government is awar of the fact that 11KV electrictiy wire is passing over the roofs of the House of Shahajadpur village in district; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to remove the aforeasaid wires?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा):

(क) हां श्रीमान जी, जिल सोनीपत मे गांव भााहजापुर के लगभग 6 मकानो की छतो के ऊपर से 11 के0वी0 बिजली की लाइन गुजर रही है।

(ख) यह लाईन वर्श 1970 के दौरान बिछाई गई थी तथा मकानो का निर्माण 1983 के आस पास हुआ था। भारतीय

विधुत अधिनियम 1956 के नियम 82 के अनुसार ऐसी लाईनो के स्थान परिवर्तन या ि ाफ्टिंग का काम मकान मालिकों की लागत पर किया जाना है। यह कार्य लाभान्वितो द्वारा लागत की धन रा ि ा जमा कराने पर एक मास के अन्दर पूर्ण हो जाएगा।

श्री देव राज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय वित मंत्री जी को बताना चाहता हू कि ठीक है कि मकान बाद मे बने लेकिन यह पडिंतो का गांव है और वहां गरीब पडित और किसान रहते है इसलिए वे पैसा नही खर्च कर सकते और किसी भी वक्त वहां हादसा हो सकता है। उनके घरो की छतो के साथ लगती तारे जा रही है, इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी अनुरोध है कि कानून को बदलते हुए वहा की तारे बदली जांए।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय सदस्यो को ही नही बल्कि पूरे सदन को इस बात के अवगत करवाना चाहूंगा कि हरियाणा की मौजूदा सरकार का एक निर्णया है कि जहां किसी के मकान के ऊपर से, सार्वजनिक स्थान के ऊपर से, रोडज के ऊपर से, स्कूलो के ऊपर से या कही से भी कोई बिजली की तार जाती है और अगर वह गांव की लाइन है तो वहां ऐगंज लगाकर या खम्बा दूसरी जगह लगाकर उन तारो को बदला जाए, ये निर्दे ा दिए जा चुके है लेकिन जहा की भी बडी लाइर्न है यानि 11 के.वी., 33 के.वी. या 66 के.वी. की लाइने है या इससे भी बडी लाइने है तो वे लाइने बदलना कतई सम्भव नही है। वि ोश रूप से इस प्रकार की लाइने खुली जगह

मे से जाती है, मकानात बाद मे बनाए जाते है इसलिए इन लाइनो को बदलना असम्भव है।

Creating of Social Awareness

1061. Shri Jai Parkash Gupta: Will the Chief Minister be pleased to state whether the State Government hace received any communiction from the Central Government intimating the raising of issue in the World Development Report for creating social awareness involving NGOs, better low cost education and joing of more women work force by phasing out Child Labour in the country; if so, the steps so far taken or proposed to be taken by the Government in this regard?

श्री अध्यक्ष: मैम्बार साहेबान, इन सवाल के बारे मे मंत्री जी से रिक्वैस्ट आई है कि उन्हे इस सवाल का जवाब देने के लिए कुछ समय चाहिए तो उन्हे परिम ान ग्रांट कर दी गई है। मंत्री जी की तरफ से जो लैटर आया है वह इस प्रकर है:–

"Interim Reply

"From

Ram Pal Majra,

Chief Parliamentary Secretary,

Haryana

To

Hon'ble Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

No. 43238

Subject: **Vidhan Sabha Starred Question No. 1061.**

Sir,

With reference to Haryana Vidhan Sabha Starred Question No. 1061 regarding receiving of any communiction from the Central Government intimating the raising of issue in the World Development Report for creating social awareness involving NGO's better low cost education and joining of more women work force by phasing out Child Labour in the Country.

2. The question involoves coordination with various departments and also requires study of the World Development Report. No communiction has been received from the Cerntral Government. A copy of the World Development Report is being procured from the Government of India. The reply of this quesion would be furnished only after studying the World Development Report. You are requested to kindly defer this quesition and allow us some more time to reply this quesiton.

Yours Fatihfully,

Sd/

(Ram Pal Majra)

Chief Parliamentary Secretary

Haryana."

Setting up of Power Sub-station, Fatehbad

1076. Shri Lila Krishan: Will the Chief Minister be pleased to state the time which 220 KV Sub-station of Fatehabad village and 33 KV Sub-Station, Daryapur Village are likely to start functioning for which the foundations stone was alreday laid down on 30th January, 2001?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): फतेहबाद मे इस समय एक 220 के0वी0 उपकेन्द्र सम्बन्धित प्रसार लाइन सहित 27.66 करोड रूपये की अनुमानित लागत से निर्माणधीन है। यह उपकेन्द्र नवम्बर 2002 तक चालू होना सम्भावित है। इस उपकेन्द्र के पूर्ण होने से फतेहबाद तथा हिसार जिलों के 200 से अधिक गांव लाभान्वित होगे।

दरियापुर मे एक 33 के0वी0 उपकेन्द्र सम्बद्ध लाइन सहित 1.25 करोड रूपये की अनुमानित लागत से निर्माण करने का प्रस्ताव है। इस कार्य के लिये नीवं पत्थर दिनांक 11.10.2001 को रखा गया था। यह उपकेन्द्र मार्च 2006 तक पूर्ण होना सम्भावित है।

चौ. लीला कृश्ण: स्पीकर साहब, फतेहाबाद बहुत बडा इलाका है। वहा पर इस वक्त 132 के0वी0 का सब स्टे ान है।

15.00 बजे

माननीय मुख्यमंत्री जी ने वहा के लोगो की सम्सया का समाधान करने के लिए 200 के0वी0 के सब स्टे ान बनाने का

पत्थर रखा है। यह एक सौभाग्य की बात है कि पी0यू0सी0 ने भी इस देखा है कि जो काम वहां चल रहा है वह धीमी गति से चल रहा है। मंत्री जी पहले कहते थे कि जुलाई तक वहा पर 200 के0वी0 का सब स्टे ान काम करना भुरू कर देगा और अब मंत्री जी कह रहे है कि नवम्बर तक चालू हो जायेगा और मुख्यमंत्री जी इसका उद्घाटन करेगे। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि पूरी ताकत के साथ काम करने पर ही नवम्बर तक फतेहबाद मे 220 के0वी0 का सब स्टे ान का सब स्टे ान चालू किया जाये ताकि किसान सिचाई कर सके और दिसम्बर तक सब स्टे ान का उद्घाटन हो सके। स्पीकर साहब, दूसरा मै दरियापुर के बारे मे मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि वहा पर नौ गांव को भी फतेहबाद के 132 के0वी0 के सब स्टे ान से बिजली दी जाती है और बिजली की धीमी आपूर्ति होने के कारण वहा पर बार बार ट्रिपिंग हो जाती है। मै मंत्री जी से निवेदन करना चांहूगा कि दरियापुर मे भी 33 के0वी0 के सब स्टे ान का काम भुरू नही हुआ है। इसलिए यह काम भी वार लंवल पर भुरू इसे जल्दी ही चालू किया जाये।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, मेरे माननीय साथी ने माना है कि फतेहबाद मे सब स्टे ान का कार्य चालू है और जहां तक सिविल कार्य की बात है इस बारे मै माननीय साथी को बताना चाहूगा कि सिविल कार्य भी प्रगति पर है। स्विच हाउस बिल्डिंग का कार्य 82 प्रति ात हो गया है, उपकेन्द्र टावर नींव और उपकरण नींव का कार्य 100 प्रति ात हो गया है, केबल ट्रैचिज का 90 प्रति ात कार्य हो गया है, फुटकर सिविल का 70

प्रति ात कार्य हो गया है। इसी के साथ विधुत कार्य के बारे मे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि अथ्रिग का काम 60 प्रति ात हो चुका है। टावर और बीम के इरेक ान का 100 प्रति ात और स्ट्रकचर का 98 प्रति ात कार्य हो चुका है। ओ0डी0एस0जी0 का 99 प्रति ात तथा आई0डी0एस0डी0 का 47 प्रति ात काम हो चुका है? स्पीकर साहब, मेरे कहने का भाव यह है कि जो समय माननीय साथी को बताया गया है उसी समय मे सब स्टे ान का कार्य पूरा हो जाये उसी हिसाब से पूरी गति से हम कार्य कर रहे है और निर्धारित समय पर यह सब स्टे ान कार्य करना भुरू कर देगा तथा इससे 200 मे भी अधिक गांव लाभविंत होग। स्पीकर साहब, दूसरा 33 के0वी0 का सब स्टे ान दरियापुर से लगने से दौलतपुर, दरियापुर, हजराकंला, हजराखुर्द, धानीइसर, हरिपुरा और अलीसदर आदि गांवो को लाभा होगा और इससे 10 प्रति ात वोल्टेज क्षमता मे भी अधिक सुधार होगा। स्पीकर साहब, मै मेरे माननीय साथी को बातना चाहूंगा कि यह सब स्टे ान भी जो समय निर्धारित किया गया है उसी समय पर कार्य करना भुरू कर देगा।

District Cerntral Cooperative Bank

1114. Shri Puran Singh Dabra: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of District Central Coop, Banks in the State at present together with the distirct wise braches thereof; and

(b) the bank-wise number of guards provided in the banks referred to in pare (a) above as on 30-6-2002?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भडाना):

(क) राज्य मे इस समय 19 केन्द्रीय सहकारी बैक है तथा उनकी जिलावार भांखाए नीचे द र्ाई गई है:–

क्रम संख्या	केन्द्रीय सहकारी बैक का नाम	30.6.2002 तक भााखाओ की संख्या
1	2	3
1.	अम्बाला	15
2.	भिवानी	25
3.	फरीदाबाद	23
4.	फतेहबाद	15
5.	गुडगांव	16
6.	हिसार	25
7.	झज्जर	17
8.	जींद	22
9.	करनाल	24
10.	कैथल	22
11.	कुरूक्षेत्र	19

12.	महेन्द्रगढ	12
13.	पंचकुला	08
14.	पानीपत	13
15.	रेवाडी	15
16.	रोहतक	14
17.	सिरसा	28
18.	सोनीपत	19
19.	यमुनानगर	16
	कुल योग	**348**

(ख) ऊपर के भाग ''क'' मे निर्दिश्ठ बैको मे 30.6. 20052 को दिए गए की बैकवार संख्या निम्नलिखित हैः–

क्रम संख्या	केन्द्रीय सहकारी बैक का नाम	30.6.2002 तक भााखाओ की संख्या
1	2	3
1.	अम्बाला	04
2.	भिवानी	18

3.	फरीदाबाद	15
4.	फतेहबाद	12
5.	गुडगांव	15
6.	हिसार	26
7.	झज्जर	11
8.	जींद	13
9.	करनाल	16
10.	कैथल	12
11.	कुरूक्षेत्र	11
12.	महेन्द्रगढ	04
13.	पंचकुला	01
14.	पानीपत	07
15.	रेवाडी	18
16.	रोहतक	07
17.	सिरसा	11
18.	सोनीपत	11
19.	यमुनानगर	07

	कुल योग	**219**

श्री पूर्ण सिंह डाबडाः स्पीकर साहब, मै मंत्री जी की जानकारी से लाना चाहता हू कि आजकल बैको को लूटने की वारदाता हो रही है, जिस कारण बैकों मे रखा गया कै ा सुरक्षित नही रह पा रहा। जवाब मे बताया गया है कि 348 ब्रांचो को–ओप्रेटिव बैंक की है और इनमे 129 गार्डो की स्ट्रंथ कम बतायी गयी है। मै जानना चाहता हू कि इस कमी की पूर्ति कब तक दी जायेगी ताकि बैक सुरक्षित हो सके और लोगो का पैसा भी सुरक्षित रह सके।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय सम्मानित सदस्य को और पूरे सदन को अवगत करना चाहता हू कि इस प्रकार की वारदातो के दृश्टिगत सरकार विचार कर रही है कि को–ओप्रेटिव बैक मे जो गार्ड रखे जाए वे बाकायदा उसी तरह से रखे ाए जिस प्रकार से पुलिस के गार्ड भर्ती किए जाते है, यानि उसी तरीके से इन गार्डो की भर्ती की जाये और उनको वही अख्तियार दिए जांए जैसे पुलिस के गार्डो को दिए जाते है। दूसरी बात मै यह बताना चाहूगा कि इन बैको मे जितने गार्डो की कमी होगी उसकी आव यकता को ध्यान मे रखते हुए उनते ही गार्डो भर्ती किए जाएगे।

श्री कृश्ण लाल पंवाराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सहकारिता मंत्री जी से पूछना चाहता हू कि जो सहकारी समितियां है जिनका लोन का क्राईटेरिया एक्सैस हो चुका है क्या उनके स्थान पर बैंक की ब्रांच खोलने का मामला सरकार के

विचाराधीन है। दूसरे मै यह भी जानना चाहता हू कि सहकारी समितियां की जो ब्रांच खोली जाती है, उसको खोलने का क्राईटेरिया क्या है?

Payment of Wheat and Paddy etc.

1085 Shri Ram Kumar Katwal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the quantity of wheat, paddy and mustard seeds procured by the HAFED during the year 1999-2000 to 2001-2002, year wise separately; and

(b) whether the payment of the entire amount has been made to the farmers from whom the aforesaid crops have been procured?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह):

(क) हैफेड द्वारा 1999–2000, से 2001–2002 तक अधिप्राप्त की गई गेहू, धान एवम सरसों के बीजो की मात्रा का पृथक पृथक वर्शवार ब्यौरा सभा पटल पर रख दिया गया है। (अनुबन्ध–अ)

(ख) हां, श्रीमान जी।

(अनुबन्ध–अ)

हैफेड द्वारा 1999–2000, से 2001–2002 तक अधिप्राप्त की गई गेहू, धान एवम सरसों के बीजो की अधिप्राप्ति ब्यौराः–

(1) गेंहूः	

वर्श	(मात्रा मी0 टनो मे)
1999–2000	1411027
2000–2001	1931577
2001–2002	2728860
(2) धानः	
	हैफेड द्वारा खरीदी गई मात्रा
वर्श	(मात्रा मी0 टनो मे)
1999–2000	140980
2000–2001	598621
2001–2002	571269
(3) सरसो के बीजः	
	हैफेड द्वारा खरीदी गई मात्रा
वर्श	(मात्रा मी0 टनो मे)
1999–2000	2603
2000–2001	30443
2001–2002	36034

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जानकारी सदन के पटल पर रखी है उसमे गेहू, पैडी, और मस्टर्ड की खरीददारी जो द ार्ाई है, उसके हिसाब से 1999–2000 मे गेंहू की 14 लाख 11 हजार 27 मीट्रिक टन, 2000–2001 मे 19 लाख 31 हजार 577 मीट्रिक टन तथा 2001–2002 मे 27 लाख 28 हजार 860 मीट्रिक टन की खरीददारी की गई है। इसी तरह से पैडी की खरीद और सरसों के बीज की खरीद भी जवाब मे दिखाई है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि ये जो इतने मीट्रिक टन गेहू और पैडी की खरीद की गई है इसमे से हरियाणा के किसानो की कितनी मीट्रिक टन फसल है और प्रदे ा से बाहर के किसानो मीट्रिक टन फसल है।

श्री करतार सिंह भडानाः स्पीकर साहब, मै अपने साथी को बताना चाहता हू कि जो पैडी हमारी मौजूदा सरकार ने खरीदी है उतनी पैडी की खरीद आज तक किसी भी सरकार ने नही की। हमने यह नही देखा है कि इससे किसान का भला हो और जितनी पैडी आती है उसकी खरीद की जाये। हमने अपने किसानो की तो पैडी खरीदी ही साथ ही प्रदे ा के बाहर के किसानो की भी पैडी खरीदी है। मेरा फिर कहना है कि हमने इतनी अधिक किसानों की फसल खरीदी है जितनी आज तक सभी सरकारो ने मिलकर नही खरीदी।

ताराकिंत प्र ान संख्या 1086

(यह प्र ान पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री दीनराम सदन मे उपस्थित नही थे।)

Shortage of Teachers in Primary Schools

1071. Amar Singh Dhanday: Will the Minister of State for Education be pleased to state whether it is a fact that there is great shortage of teachers in Primary Schools in the State particularly in rural areas, if so, the steps taken or proposed to be taken to provide teachers in the said Schools ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह): नही श्रीमान जी। राज्य भर मे जे0बी0टी0 अध्यापको की कमी नही है।

श्री अमर सिंह ढाडे: स्पीकर सर, सबसे पहले मे आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूगा कि सरकार बनने के बाद जे0बी0टी0 अध्यापको की काफी भर्ती हुई है। लेकिन फिर भी कई जिलो मे अध्यापक फालतू है और कई जगहो मे अध्यापको की काफी कमी है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि अध्यापको की ऐडजस्टमैंट कब तक दी जाएगी ?

चौ. बहादुर सिह: अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात है कि कई जिलो मे अध्यापको सरप्लस है जिनकी ऐडजस्टमैंट करनी है। सरप्लस अध्यापको की संख्या 3126 है। सरप्लस टीचर्ज की संख्या जिलावार भी मै बता देता हू। अम्बाला मे 102, भिवानी मे 289, फतेहबाद मे 111, हिसार मे 120, झज्जर मे 141, जीन्द मे 231, नारनौल मे 121, पचकूंला मे 60, रिवाडी मे 301, रोहतक मे 553, सिरसा मे 57 तथा सोनीपत मे 540 टीचर्ज सरप्लस है। सार जिलो

मे टीचर्ज की संख्या कम है उनके जिलावार आकडे भी मै हाउस को बता देता हू। जिला फरीदाबाद मे 104, गुडगांव मे 584 टीचर्ज की कमी है, कैथल मे 305, करनाल मे 262, कुरूक्षेत्र मे 99, पानीपत मे 42 तथा यमुनानगर मे 190 टीचर्ज की कमी है। इस तरीके से हमारे पास 3126 टीचर्ज सरप्लस है और 1663 टीचर्ज की कमी है इनको हम आपस मे ऐडजस्ट कर रहे है। जहां पर टीचर्ज सरप्लस है वहां के टीचर्ज जहा उनकी कमी है वहां पर भेजे जा रहे है। इसके लिए हम पोलिसी बना रहे है और जल्दी ही इसको फाईनोलाईज करके इनकी ऐडजस्टमैंट कर दी जाएगी।

प्रो0 राम भगतः स्पीकर सर, जहां तक मुझे मालूम है यह जो अध्यापको की कमी पूरी की जा रही है वह रै ानेलाईजे ान के तहत पूरी की जा रही है। इसमे नये क्राईटेरिया मे अध्यापक और विधार्थियो का जो रे ाो बढाया गया है वह 40 से 60 कर दिया गया है। पहले एक अध्यापक और 40 स्टुडैट का रे ाो था लेकिन इसे अब 1:60 कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हू तथा उनसे यह पूछना चाहता हू कि क्या यह फैसला छात्रो के हित मे है? जो छोटी क्लासिज है उनमे टीचर्ज को पर्सनली बच्चो को अटैड करना पडता है इसलिए मै माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि क्या इस बारे मे वे कोई सकारात्मक विचार करेगे?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हू कि यह जो एक साठ का अनुपात बता रहे है यह हमारे यहा नही है इन्होने पता नही कहा

से सुना है। हमारे यहां प्राईमरी ि ाक्षा मे अध्यापक छात्र का अनुपात 1:40 है जो कि नै ानल लैवल पर करते है। हमारे एजुके ान बोर्ड के अन्दर 50 छात्रो पर एक अध्यापक है और जहां पर इससे ज्यादा छात्र हो जाते है वहा पर दो टीचर्ज दे देते है जैसे कि माननीय सदस्य बता रहे है। ऐसी कोई बात नही है। यह जो रै ानेलाईजे ान किया गया है यह ठीक किया गया है। जैसा कि ये बता रहे है हमारे यहां 60 छात्रो पर एक टीचर वाली कोई बात नही है और अगर होगी तो इसे देख लेगे।

आई0जी0 (रिटायर्ड) श्री भोर सिंहः स्पीकर सर, प्रोफैसर राम भगत जी ने जो सप्लीमैट्री पूछा है उसी से सम्बन्धित मेरा सवाल भी इसी क्वै चन से सम्बन्धित है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय मंत्री से जानना चाहता हू कि जो टीचर्ज सरप्लस होगे उनको किस तरीके से ऐडजस्ट किया जाएगा तथा क्या किसी टीचर को निकाला तो नही जाएगाा?

चौ. बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, किसी टीचत को निकालने की हमारी कोई स्कीम नही है। जो अध्यापक सरप्लस है उनसे हम कन्सैंट लेगे और उनको यह अवसर देगे कि वे यह बताए कि ये किस जिले मे जाना चाहेगे उसके बाद उनको ऐडजस्ट किया जाएगा।

Water Allowances

1096- Dr. Raghuvir Singh Kadian: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any difference in water allowance of Bhakra and Yamuna system of Irrigation in the State; and

(b) the details of the water allowances of different Canals and minors folwing in the State?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा):

(क) नही श्रीमान जी।

(ख) यमुना व भाखडा कमान के अन्तर्गत ज्यादातर नहरो व रजबाहो की जल मात्रा 2.4 क्युसिक प्रति हजार एकड है। यधपि यमुना व भाखडा दोनो कमानो की कुछ नहरो की जल मात्रा भिन्न है, विवरण परिि ाश्ट मे दी गई विवरणी अनुसार है।

विवरण

यमुना प्रणाली/जवाहर लाल नेहरू, रोहतक की नहरो मे सूची

जल मात्रा–2.4 क्यूसिक प्रति हजार एकड से भिन्न

1. यमुना जल सेवाएं परिमण्डल, करनाल		
क्रमांक	प्रणाली एवम नहर का नाम	जल मात्रा क्यूसिक प्रति हजार एकड
1	2	3
1.	एन बी0के0 लिंक के कट आफ	5.0

	चैनल (खरीफ चैनल)	
2.	चौतंग फीडर प्रणाली–नान पेरीनियल	10.0
3.	गेहाना डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	2.57
4.	इसराना डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	2.57
5.	हुलाना डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	2.57
6.	नारायणा डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	2.57
7.	जैधरी डिस्ट्रीब्यूटरी	7.50
8.	1–एल माइनर	12.0
9.	2–एल माइनर	12.0
10.	डिच चैनल	14.0
11.	1–आर माइनर	14.0
12.	2–आर माइनर	14.0
यमुना जल सेवाओ परिमण्डल, जीन्द		
1.	जो ी डिस्ट्रीब्यूटरी	2.86
2.	मुआना डिस्ट्रीब्यूटरी	2.86
3.	गुना माइनर	2.57

4.	बरौदा माइनर, गंगेसर माइनर, बुटाना ब्रांन्च	3.85
5.	बुटाना डिस्ट्रीब्यूटरी	3.01
भाखडा प्रणाली		
		रबी / खरीब
1.	सरस्वति फीडर से निकलने वाली सरस्वति डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	1.95 / 3.00
2.	न्रवाना ब्रान्च से निकलने वाली मारकण्डा डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	1.95 / 3.00
3.	हांसी प्रणाली की टेल से निकलने वाले चैनल	
1.	पेटवाडा डिस्ट्रीब्यूटरी प्रणाली	2.5
2.	1–आर रिकलेमे ान माइनर	3.75
3.	हिसार मेन डिस्ट्रीब्यूटरी	4.29
4.	मसुदपुर डिस्ट्रीब्यूटरी	2.50
5.	नारनौंद डिस्ट्रीब्यूटरी	3.75
6.	मोठ माइनर	3.75
7.	सिंसाई माइनर	4.29

8.	भाटला माइनर	4.29
9.	चनौट सब माइनर	4.29
10.	बीड माइनर	4.29
11.	हांसी सब माइनर	4.29
12.	गनसाला माइनर	4.29
4.	डाउन स्ट्रीम ओटू/वीयर प्रणाली–पार्टल फीडिंग उठान प्रणाली 4.5/3.5	2.40/10
जवाहर लाल नेहरू मण्डल, रोहतक		
1.	पाटुवास डिस्ट्रीब्यूटरी	4.00
2.	निमली माइनर	4.00
3.	सिलागां माइनर	4.00
4.	मालियावा सब माइनर	4.00
5.	डीलनवास सब माइनर	4.00
6.	अमोली डिस्ट्रीब्यूटरी	4.00

डा0 रघुबीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै एक बात बताना चाहता हू। (विध्न)

श्री अध्यक्षः आप कुछ बताए आप अपनी सप्लीमैट्री पूछे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै सप्लीमैट्री ही पूछ रहा हू। लेकिन पहले आप अपनी रूलिंग दे कि क्या बैठे बैठे कमैटरी चल सकती है।

श्री अध्यक्षः आप अपना प्र ान करे। ये आपकी आवाज के बारे मे कह रहे थे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, जवाब मे कुछ माइनर्ज और चैनल्ज के वाटर आलउसिज के बारे मे दिया हुआ है। मुख्यमंत्री जी की तरफ से जवाब आया है कि यमुना व भाखडा कमाण्ड के अन्तर्गत ज्यादातर नहरो व रजबाहो की जल मात्रा 2.4 हजार क्यूसिक पर थाउजैन्ड एकड है। उसके अलावा जिन चैनल्ज के बारे मे दिया है उसमे ऐसा लग रहा है कि भाखडा कैनाल मे वाटर अलांउस ज्यादा है। मै यह जानना चाहता हू कि 3.5 मीलियन एकड फीट पानी जो रावी ब्यास का था उसमे से 18 लाख एकड फीट जो हरियाणा मे पानी एंग्जसिटिंग सिस्टम के तहत लाया गया था वह पानी भाखडा सिस्टम मे सिरसा, हिसार म `चल रहा है या दक्षिणी हरियाणा मे चल रहा है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, वैसे तो जो इन्होने प्र ान रेज किया है इसका तारकिंत प्र ान से सम्बन्ध नही है। इन्होने वाटर अलांउस के बारे मे पूछा है और फिर इन्होने भांका जाहिर की कि भाखडा मे ज्यादा वाटर आलाउसिंज है, पर ऐसा नही है। स्पीकर सर, जिन नहरो व रजबाहो के वाटर अलाउंसिज

कम या ज्यादा है वे तो इनको बता दिए गए है। लेकिन जिन नहरो व रजबाहो के वाटर अलांउसिंज 2.4 हजार क्यूसिक पर थाउजैड एकड है। वे इनको भाायद नही बताए गए है। अगर ये कहेगे तो मै बता दूंगा यह बहुत ही लम्बी लिस्ट है। इसके अलावा मै इनाके बतांउ कि यह हरियाणा कैनाल और ड्रैनज एक्ट 1974 के तहत निर्धारित किया गया है। उसके बारे मे इनको इस बात का खूप पता है कि भाखडा के जरिए ही पानी हम पजांब से ले सकते है और इसके अलावा कोई दूसरा जरिया नही है। उसको ला करके ही कुरूक्षेत्र, कैथल, करनाल मे पानी लाया जा सकेगा। जो भी हो सकता है उसमे से हमने नरवाना ब्रांच मे लेकर यमुना के साथ जोड दिया है और इस तरीके से स्पीकर सर, हमने पानी का एक कामन पुल बनाया है। इसी के साथ सिवानी सिस्टम को वही से पानी पहली बार फरवरी 2002, से नए सिरे से दिया गया। मेरे साथी ने जो भांकाए जाहिर की है वह निर्मूल है वे सही नही है।

डा0 रघुबीर सिह कादयानः स्पीकर सर, एस्टीमेंट कमेटी की 25वी रिपोर्ट है इसमे लिखा है कि .....

श्री अध्यक्षः नही नही, रिपोर्ट तो है लेकिन आप प्र ान पूछे। यह सब चीजे कागजो मे लिखी हुई है। आप अपना प्र ान पूछे।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, इसमे डिपार्टमैंट ने एस्टीमेंटस कमेटी को जो रिपोर्ट पे ा की है उसमे यह है कि कुछ पानी जो साउदरन हरियाणा का है वह सिरसा,

हिसार डिस्ट्रिक्ट की तरफ डाइवरट कर दिया गया है। यह वाटर अलांउस है यह पानी से ही सम्बन्धित है कि कितना पानी किस लिंक चैनल मे चल रहा है।

श्री अध्यक्षः नही नही। कोई भी डाईवरसीफिके ान नही है। साउथ हरियाणा कौन सा है, नार्थ हरियाणा कौन सा है। ऐसा कुछ नही है आप डिस्ट्रिक्ट की बात करे। नार्थ साउथ से कुछ पता नही लगात है यह बंटा हुआ नही है ऐसा कुछ नही है आप अपना प्र ान पुछे।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, मै आपको डिस्ट्रिक्ट वाईज बता देता हू। रोहतक, सोनीपत, झज्जर, भिवानी, रिवाडी, महेन्द्रगढ, गुडगांव और फरीदाबाद ये आठ जिले है जिनको रावी ब्यास का जो पानी एलोकेट हुआ है वह पानी अब हिसार और सिरसा जिलो को जा रहा है। एस्टीमेटस कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट मे वह रिममैडे ां नदी है कि हिसार और सिरसा जिलो को रावी ब्यास का जो पानी जा रहा है उसमे इन आठ जिलो के हिस्से का पानी भी जा रहा है। स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि इन आठ जिलो को रावी ब्यास के पानी का जो हिस्सा है क्या वह उनको मिलेगा या नही। जिस एरिया मे ज्यादा पानी जाएगा उस एरिया का वाटर अलांउस बढेगा और जिस एरिया मे पानी कम जाएगा उसका वाटर अलांउस घटेगा। चूकि यह सवाल वाटर अलांउस से सबंधित है इसलिए उन आठ जिलो के साथ बहुत बडा डिस्क्रिमिने ान है।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्यो को इस बात का ज्ञान नही है कि भाखडा की कोई डाईवरसीफिके ान नही है कोई पानी डाईवर्ट नही हुआ है। जिस रिपोर्ट को आप आधार मानकर पढ रहे है, इस रिपोर्ट को पढने वाले तो आपको छोडकर चौधरी भजन लाल के साथ आ लिए है। अब आप रिपोर्ट के चक्र मे क्यों पड रहे हो। वह तो आल लिए, इसके साथ आ लिए है। इस चक्र मे क्यों पड रहे हो। (ाोर एवम व्यवधान) वह रिपोर्ट भी खत्म हुई और रिपोर्ट देने वाला भी इधर आ लिया थारा तो माला ही चौपट हो गया। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बैठिए काद्यान जी। उदय मान जी आप अपन सप्लीमैटरी पूछे।

डा0 रघुबीर सिंह काद्यानः यह तो डैमोक्रेसी है। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अब तो यह रिपोर्ट ही खत्म हो गयी है।

श्री उदयभानः अध्यक्ष महोदय, मुख्य संसदीय सचिव महोदय ने जवाब मे बताया है कि यमुना सिंचाई प्रणाली के जल की मात्रा मे कोई कमी नही आयी है। 12 मई, 1994 को माननीय चौधरी भजन लाल जी द्वारा हरियाणा प्रदे ा के हितो के खिलाफ एक दुर्भाग्यपूर्ण समझौता यमुना जल के बारे मे हुआ था। जिसके बाद यमुना के पानी मे कमी आ गयी थी। मै आपके माध्यम से इनसे जानना चाहूंगा कि 12 मई, 1994 को हुए इस समझौते के

पहले हरियाणा को कितना पानी मिलता था और इस बाद अब कितना पानी मिल रहा है? अध्यक्ष महोदय, इस समझौते से हरियाणा का बडा भारी नुकसान हुआ है। फरीदाबाद जिले की सिचाई आगरा कैनाल मे होती है। मंत्री जी बताएं कि इस समझौता के बाद से यमुना के पानी मे कितनी कमी आयी है?

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी की भांका सही है। ये तो ना ा करके ही गए थे। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यमुना पानी की मात्रा रेन फांल पर डिपैड करती है। यमुना का पानी आज के दिन और इस पूरे महीने ठीक रहा। लेकिन माननीय साथी ने दे दे उस पर दोबारा से किसी समय पर चर्चा की जा सकती है।

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य संसदीय सचिव ने जवाब देते हुए कहा है कि वाटर अलाउसिंज लगभग एक जैसे है। मै आपके माध्यम से उनको बताना चाहूंगा कि नरवाना से डबावाली तक कई नहरे ऐसी है जिनमे एक दिन भी पानी कम नही होता यानि पूरे साल उनमे पानी चलता रहता है जबकि हमारे यंहा पर कई नहरे ऐसी है जिनमे टेल तक पानी पहुचता ही नही है। एक तरफ तो यह बराबर वाटर अलाउंसिज की बात कहते है जबकि दूसरी तरफ पानी के डिस्ट्रीब्यू ान मे भेदभाव हो रहा है। माजरा साहब बताए कि टोटल हरियाणा प्रदे ा का जो इलाका है उसमे तो 32 लाख एकड जमीन को लगभग सात हजार क्यूसिक पानी मिलता है जबकि 63 लाख एकड जमीन को केवल पांच हजार क्यूसिक पानी ही क्यों मिल रहा है? अध्यक्ष महोदय, ये फिर भी कह रहे है कि प्रदे ा मे वाटर अलाउंसिज बराबर है।

श्री रामपाल मांजराः अध्यक्ष महोदय, यह तो वाटर अलाउसिंज की बात हो रही है जबकि ये पानी के रोटे ान की बात कर रहे है। मै इनको बताना चाहूंगा कि डब्ल्यू0जे0सी0 साल मे 180 दिन चलती है। इसके अलावा भाखडा चैनल के सिंचिंत एरिया को भी साल मे 180 दिन ही पानी मिलता है। केवल एक दो नहरे ऐसी है जिनके पानी मे कमी नही ला सकते। ये नहरे ही 240 दिन के लिए चलती है अदरवाइज सारा सिस्टम बराबर है। अध्यक्ष महोदय, इनके यहा पर तो पानी ले जाने के लिए कोई कैरियर नही है, कोई चैनल नही है, अगर एक दो नहरो मे इतने दिन पानी नही चलांएगे तो वह पानी पजांब मे ही रह जाएगा इसलिए पंजाब मे पान रहने देने से तो अच्छा है कि इस तरह की एक दो नहरो मे पानी 240 दिन चलाया जाया जाना चाहिए। इसके अलावा यमुना का या भाखडा चैनल का जो रोटै ान का पानी है या जो वाटर अलांउसिज है वह सब बराबर है जिन रजवाहो मे पानी कम है उनको जो डिसचार्ज करके पानी दिया गया है। वह भी वहां की धरती को देखकर, एटमोसाफियर को देखकर और एनवायरमैंट को देखकर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, यह पानी उनको 1974 के हरियाणा कैनांल और ड्रैनज एक्ट के तहत दिया गया है।

Controlling of Pollution of M.C, Faridabad

1146. Shri Rajender Singh Bisla: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government, to control the pollution of the area of Municipal Corporation of Faridabad on the pattern of Delhi Administration in the light of the orders of

the High Court/Supreme Court; if so, the steps so far taken in the regard.?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): जी हां, श्रीमान जी। याचिका न0 13029 मे माननीय सर्वोच्च न्यायाल द्वारा 5.4.2002 को पारित आदे ाो के अनुपालनार्थ, राज्य सरकार द्वारा गठित समिति ने फरीदाबाद भाहर के वायु स्तर के सुधार के लिए एक कार्य योजना तैयार कर ली है।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का और सारे सदन का भी ध्यान आकर्शित करना चाहूंगा। म्यूनिसिपल कोरपोरे ान, फरीदाबाद एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भौगोलिक दृश्टि से इसका बहुत सारा एरिया दिल्ली के साथ लगता है। एम.0सी0.एफ0 की एक बहुत गंभीर दृश्टि से इसका बहुत सारा एरिया दिल्ली के साथ लगता है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि दिल्ली मथूरा रोड एक ने ानल हाईवे है इस पर क्रै ार जोन है, मांइज है। कम से कम दस हजार बडे ट्रक एम0सी0एफ0 से रोजना गुजरते है माजरा जी ने जो सदन को आ वासन दिया है और जो याचिका न0 13029 है पर माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदे ा भी है और जो ऐक ान प्लान पोल्यू ान को कंट्रोल करने के लिए बनाई है, वह ठीक है। पोल्यू ान कंट्रोल बोर्ड के चेयरमैन मि0 बैंस एक निश्ठावान व्यक्ति है लेकिन केवल मात्रा वहा पर एक दो मीटिंग करने से या पेपर वर्क या कागजो मे प्लान बनाने से वहां जो लाखो लोगो के जीवन से खिलवाड जो रहा है। वह उसमे पूरा नही होगा। मै आदरणीय मुख्यमंत्री जी से निवदेन करूंगा कि यह एक बहुत ही

गंभीर समस्या है और इसके लिए कई सर्वे हुए है। वर्ल्ड हैल्थ कोरपोरे ान ने भी सर्वे किया है और दूसरी ऐजेन्सीज ने भी सर्वे किया है दिल्ली से ज्यादा पोल्यू ान हमारे एम0सी0एफ0 एरिया मे है। दिल्ली मे ऐन्टर करते ही थोडा रिलीफ मिलता है। मै जानना चाहता हू कि जो ऐक ान प्लान बनाई हे उस पर कब तक कार्यवाही करेगे?

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, सप्रीम कोर्ट के आदे ा के सन्दर्भ मे इस कमेटी का गठन किया गया है और उन्होने एक ऐक ान प्लान बना करके गवर्नमैंट आफ हरियाणा को अपनी रिपोर्ट सबमिट करनी है और हरियाणा गवर्नमैंट उसे रिव्यू करके यूनियन गवर्नमैंट को भेजगी और यूनियन गवर्नमैंट उस पर सुप्रीम कोर्ट मे जवाब देगी क्योंकि वे भी पार्टी है। वास्तव मे वहा इतने अधिक ट्रक है, साढे दस लाख वहा की आबादी है वह एक लम्बी चौडी ऐक ान प्लान है, उन्होने इसके बारे मे क्या रिकमैडं किया है अगर बिसला जी चाहेगे तेा वह मे बता देता हू।

श्री कर्ण सिंह दलालः उस रिकमैडे ान की कापी आप सदन की टेबल पर रखवा दीजिए सभी सदस्यो को उसके बारे मे पता लग जाएगा।

श्री राम पाल माजराः सवाल बिसला जी का है, आपका सवाल नही है।

श्री अध्यक्षः कर्ण सिह जी, आप बैठ जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः मै यह बात इसलिए कह रहा हू कि यदि कोई अच्छे सुझाव देने होगे तो हम भी दे देगे।

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, वहा पर नौ हजार थ्री व्हीलर है। (विघ्न)

श्री राजेन्द्र सिहं बिस्लाः अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हू कि दिल्ली से जितने थ्री व्हीलर बैन किए है वे सारे के सारे वहा आ गए है। (विघ्न)

श्री रामपाल माजराः उसी के साथ उन्होने यह रिकमैड किया है कि हमे भी इनको बैन करना चाहिए इसके अलावा जो पांच वर्श से कम उम्र के थ्री व्हीलर है उन पर हरा रंग किया जाए और जो पांच वर्श से ऊपर की उम्र के है उन पर नारंगी रगं किया जाए और जो दस वर्श से ऊपर की उम्र के है उन पर लाल रंग पट्टी की जाए ताकि उनकी इस्पैक ान ठीक ढंग से हो सके और लोगो मे भी यह क्रेज रहे कि ठीक रंग के थ्री व्हीलर मे बैठे जिससे लाइफ सुरक्षित रहे और हरे रंग के थ्री व्हीलर को चलाया जाए। पहली रिकमैडे ान यह की है, ऐक ान प्लान बनाया है जो निर्धारित ईधन है वह यूज किया जाएं मिलावटी ईधन यूज करने से ज्यादा पोल्यू ान होता है और उनके कंजैक ान की वजह से दूसरे व्हीकल भी आहिस्ता आहिस्ता चलते है और आहिस्ता चलने से ज्यादा धुआं देते है उनका, वि ोश तौर पर उनके तेल का इंस्पैक ान होना चाहिए। जहा तक पौल्यू ान सर्टिफिकेट देने वाली एजेन्सीज की बात है, उनका भी इस्पैक ांन किया जाना

चाहिए। थ्री व्हीलर्ज की स्पीड कम होती है इसलिए बदरपुर से बल्लबगढ के बीच डीलक्स बसिज का प्रौविजन किया जाए। इसी प्रकार भारत सैकेंड फोर व्हीलर की रजिस्ट्रे ान फरीदाबद मे की जाए। इसी प्रकार से जो थ्री व्हीलर सुप्रीम कोर्ट के आदे ानुसार फरीदाबाद की ओर अ रहे है उन पर भी बैन लगाया जाए। जहां तक एल्यूमेनेटिड हाइवे की बात है तो उसकी भी जरूरत है। सी0एन0जी0 आंयल कम्पनी को भी कहा जाए कि दिल्ली मथुरा रोड पर 6–7 जगह अपने सैटर खोले। बदरपुर से बल्लभगढ रोड को 6 लेन का बनाए जाने की रिकमैडे ान उनकी है। सूरजकुण्ड से बडखल रोड की फोर लेनिंग का काम जल्दी ही पूरा हो जाएगा। सैक्टर 37, सैक्टर 3, को भी फोर लेनिंग किया जाए। मैट्रो नैटवर्क दिल्ली का फरीदाबद मे विस्तार किया जाए। फरनि ा ओयल की जगह परमानैंट एल0डी0ओ0 और एल0एस0जी0 का प्रयोग किया जाए। कारखाने जो जीरी का तू ाा प्रयोग करते है, उन्हे फलोराडाइज किया जाए। इसी प्रकार से कारखानो मे डी0जी0 सैंट से सल्फर और डीजल का प्रयोग किया जाए। इलैक्ट्रोस्टैटिक प्रसैपिटेटर ई0एस0पी0 थर्मल प्लांट का ठीक तरह से काम किया जाए। राइस हसक की रां को ठीक ढंग से निपटाया जाए। पौधारोपण किया जाए इस प्रकार की ऐक ान प्लान उन्होने बनाई है। जो इस काम मे पोल्यू ान कम करने मे प्रयोग्र होगी। वह रिपोर्ट गवर्नमैंट आफ हरियाणा की सबमिट की जा रही है, इसमे गवर्नमैंट आफ हरियाणा अपने रिमार्कस देकर सैंटर गवर्नमैंट को भेजेगी और उस रिपोर्ट के ऊपर सुप्रीम कोर्ट जो आदे ा करेगा उसके बाद उस पर कार्यवाही भुरू होगी।

श्री राजेन्द्र सिह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से दिल्ली मे सी0एन0जी0 के वाहन लागू हो गए है, मेरा माजरा जी से निवेदन है कि दिल्ली पैटर्न हरियाणा मे भी ये वाहन लागू कर देगे तो पोल्यू ान पर कंट्रोल हो जाएगा।

श्री रामपाल माजराः सारा ऐक ान प्लान गवर्नमैंट आफ इडियां को जाएगा और वे सुप्रीम कोर्ट को भेजेगे और सुप्रीम कोर्ट जो आदे ा करेगा उसके अनुसार कार्यवाही होगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सुप्रीम कोर्ट तथा हाई कोर्ट के आदे ाानुसार दिल्ली से पोल्यूटिड यूनिटस हरियाणा मे आई है और अगर आई है तो उन पोल्यूटिड यूनिटस की रोकथाम के लिए क्या किया जा रहा है। खास तौर से गुडंगांव मे तो नही फरीदाबाद और दूसरे एरियाज मे जहा पोल्यूटिड यूनिटस आ रही है जेसे सीमेन्ट यूनिट्स और दूसरी यूनिट्स जो दिल्ली मे पोल्यू ान कर रही थी, वे दिल्ली से बाहर आ गई थी, क्या कोई प्लान बनाया गया है कि इस किस्म की यूनिट्स हमरे यहा न आए।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, जो यूनिट्स पोल्यू ान करती है उन्हे चिन्हित किया गया है और चिन्हित करके जो फोरमैलीटीज है वह उनको पूरी करने के लिए कहा गया है। काफी यूनिट्स से हमने सारी फोरमैलीटीज पूरी करवाई है। जो यूनिट्स दिल्ली से हटकर यहा स्थापित होना चाहती थी उसने हमने अलग से एप्लीके ांज मांगी है। हरियाणा मे ये यूनिट्स

स्थापित करने के लिए पोल्यू ान कंट्रोल का एन0ओ0सी0 लेना पडता है। कोई नई यूनिट जब आती है तो उसको पोल्यू ान कंट्रोल करने के लिए सारी फोरमैलीटीज पूरी करवाई जाती है।

Contruction of Sub Station at Bohra Kalan & Haruaru

1167. Shri Rambir Singh: Will the Chief Minister be pleased to state.

(a) the time by which the under construction sub-station Bohra, Kalan in Pataudi Chontituency is likely to be commissioned; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any sub-station at Harsaru in district Gurgaon?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा):

(क) जिला गुडगांव के पटौदी चुनाव क्षेत्रो मे भौरा कंला मे एक नया 66 के0वी0 लाइन के साथ 2.15 करोड रूपये की अनुमानित लागत से निर्माणाधीन है। इस प्रसार लाइन पर कार्य पहले ही पूरा हो गया है, उपकेन्द्र पर कार्य जारी है और यह उपकेन्द्र दिनांक 31.10.2002 तक चालू किया जाना संभावित है।

(ख) हां श्रीमान जी। अगले वित वर्श मे जिला गुडगांव के गढी हरसरू मे एक नया 66 के0वी0 का उपकेन्द्र तथा सहायक लाइन 5.74 करोड रूपये की लागत से बनाना स्वीकृत हुआ है।

चौ. नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सी0पी0एफ0 महोदय से पूछना चाहता हू कि चालू वर्श मे सरकार कितने सब स्टे ानो पर काम भाुरू करने जा रही है और ये सब स्टे ांनज कहा कहा स्थापित होगे?

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, जहा तक इस प्र ान का संदर्भ है तो यह एक स्पैसिफिक प्र ान था, मै अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि उन्होने जो कहा कि ये सब स्टे ांज कहां कहा भाुरू करने जा रहे है तो इसकी एक लम्बी सूची हे, यह सूची मैने पहले भी विधान सभा मे रखी थी, अगर ये चाहेगे तो मै इसको पढकर सुना देता हू।

श्री अध्यक्षः माजरा जी, आप इस बारे मे थोडा संक्षेप मे बता दे।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, जिलेवाईज जो नये सब स्टे ान अंडर कन्स्ट्रक ान है वे इस प्रकार से है। जिला अम्बाला मे 220 के0वी0 का टेपला मे, 66 के0वी0 का मुलाना मे, 66 के0वी0 का दुखेडी मे। जिला पचकुंला मे 66 के0वी0 का कालका मे, 66 के0वी0 का मनसा देवी मे। जिला यमुनानगर मे 66 के0वी0 का तलाकोर मे और 66 के0वी0 का गुलाब नगर मे। जिला कैथल मे 220 के0वी. का चिक्का मे, 132 के0वी0 का चाकूलदाना मे, 132 के0वी0 का पडला मे, 132 के0वी0 का कंगथली मे, 132 के0वी0 का भागल मे, 33 के0वी0 का जाखोली मे और 33 के0वी0 का कीराक मे। कुरूक्षेत्र जिले मे 66 के0वी0 का कलसाना मे, 66 के0वी0 का यारा मे, 33 के0वी0 का मुरथली मे, 33 के0वी0 का

गुमथला मे, 33 के0वी0 का सेंसा मे और 33 के0वी0 का नेयसी मे। जिला करनाल मे 132 के0वी0 का जलमाना मे, 132 के0वी0 का नेवला मे, 33 के0वी0 का मनीयूरा मे, 33 के0वी0 का पाडा मे, 33 के0वी0 का अहर मे, 33 के0वी का निगदू मे। पानीपत जिले मे 132 के0वी0 का मटलोडा मे, (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।**) 132 के0वी0 का ईसराना मे और 33 के0वी का दीवान मे। जींद जिले मे 220 के0वी0 का सफीदो मे, 132 के0वी0 का धामतान साहिब मे और 132 के0वी0 का खेडी तलोडा मे।सोनीपत जिले मे 132 के0वी0 का मुरथल मे, 132 के0वी का हरसन कलां मे, 132 के0वी0 का खरखौदा मे और 33 के0वी0 का खेवडा मे। रोहतक जिले मे। हिसार जिले मे 132 के0वी0 का आर्य नगर मे, 33 के0वी0 का मंगली मे और 33 के0वी0 का उमरा मे। जिला फतेहबाद मे 220 के0वी0 का फतेहबाद मे, 132 के0वी0 का अहरवान मे, 33 के0वी0 का दरियापुर मे और 33 के0वी0 का सदनवास मे। जिला भिवानी मे 132 के0वी0 का आई0ऐ0 भिवानी मे, 132 के0वी0 का तो ाम मे, 132 के0वी0 का लोहारू मे, 132 के0वी0 का बह लमे, 33 के0वी0 का पटौदी मे, 33 के0वी0 का सिटी रेलवे स्टे ान भिवानी मे। सिरसा जिले मे 220 के0वी0 का रानियां मे, 132 के0वी0 का मादोसिघांना मे, 132 के0वी0 का एलानाबाद मे, 132 के0वी0 का आसाखेडा मे, 132 के0वी0 का ओधन मे, 132 के0वी0 का सिंकदपुरा मे, 33 के0वी0 का मेलाग्राउंट मे, 33 के0वी0 का रसूलपूर मे, 33 के0वी0 का खारिया मे, 33 के0वी0 का भाहीदनवाली मे, 33 के0वी0 का बडा गढा मे। जिला महेन्द्रगढ मे 220 के0वी0 का महेन्द्रगढ मे, 132

के0वी0 का सतनाली मे और 132 के0वी0 का मुण्डियाखेडा मे। जिला गुडगांव मे 220 के0वी0 का सैक्टर 50ए गुडगाव मे, 66 के0वी0 का बोहरा कंला मे, 66 के0वी0 का 44/45 सैक्टर गुडगांव मे। जिला फरीदाबाद मे 220 के0वी0 का पाली गांव मे, 66 के0वी0 का छांयसा मे, 66 के0वी0 हसनपुर मे, 66 के0वी0 अलावलपुर मे, 66 के0वी0 का पिरथला मे और 66 के0वी0 का पुनहाना मे। डिप्टी स्पीकर सर, इस तरह से 75 नये स्टे ान बनाने के लिए पूरे प्रदे ा मे कार्य चल रहा है और यदि मेरे साथी आगमैटे ान के बारे मे भी जानना चाहेगे तो मै बता दूंगा कि आगमैटै ांन का कार्य कंहा कहा पर चल रहा है। (ाोर एवम व्यवधान) पूरे प्रदे ा मे 55 सब स्टे ाानो को आगमैट किया जा रहा है और इनकी कार्यक्षमता बढाई जा रही है। हरियाणा प्रदे ा के किसानो, मजदूरो, व्यापारियों और कर्मचारियों को पूरी बिजली मिल रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने बिजली के उत्पादन के लिए बहुत अधिक काम किया है। जब हम बिजली के सबंध मे इनको रिपोर्ट पढकर सुनाए तो भी इनको नाराजगी होती है। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी सरकार 55 नए सब स्टे ाज इसी साल आगमैंट करने जा रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौ0 जय प्रका ा: डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री उपाध्यक्ष: जय प्रका ा जी, आप बैठिये। आपको बोलने से पहले चेयर की इजाजत लेनी चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

चौ. भजन लालः पहले आप पूरी बात जो सुनिये। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप खडे हो जाते है ओर बोलने से पहले चेयर की इजाजत लेना भी जरूरी नही समझते। पहले आप बैठिये।

श्री रामपाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, मै चारो तरफ चित होकर अब घर बैठे है। हरियाणा प्रदे ा की जनता ने इनको पूरी तरह से हरा दिया है। (ाोर एवम व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, जिन 55 नए सब स्टे ांज को इस साल आगमैन्ट किया जा रहा है। वे है, अम्बाला जिले मे 60 के0वी0 बरनाला, 66 के0वी0 भाजजादपुर और 66 के0वी0 चुरमासटपुर। अम्बाला जिले मे 2500 के0वी0 पंचकुला मे। यमुनानगर जिले मे 66 के0वी0, मुस्तफाबाद, 66 के0वी0 बसंतपुर, 66 के0वी0 गोबिन्दपुर, 66 के0वी0 रादौर, 66 के0वी0 लाडवा, 66 के0वी0 नारायणगढ, 66 के0वी0 छछरौली और 66 के0वी0 चांदपुरत। कैथल जिले मे 220 के0वी0 कैथल, 132 के0वी0 कौल, 132 के0वी0 थाना और 33 के0वी0 राजौन्दा। कुरूक्षेत्र जिले मे 220 के0वी0 पेहवा, 66 के0वी0 नावी और 33 के0वी0 बरना। करनाल जिलो मे 132 के0वी0 सागा, 132 के0वी0 जुण्डला, 33 के0वी0 कौंध और 33 के0वी धर्मगढ। पानीपत जिले मे 132 के0वी0 मुनक और 132 केवी0 छाजपुर। जीन्द जिले मे 33 के0वी0 खेडी दलौदा और 33 के0वी0 अहट। सोनीपत जिले मे 220 के0वी0 सोनीपत, 132 के0वी0 गोहाना, 132 के0वी0 कुण्डली और 33 के0वी0 सोनीपत। रोहतक जिले मे 220 के0वी0 रोहतक, 132 के0वी0 कलानौर और 33 के0वी0 जसिहा। झज्जर जिले मे

132 के0वी0 बहादुरगढ और 33 के0वी0 मछरोली। हिसार जिले मे 132 के0वी0 उकलाना, 33 के0वी0 बरला, 33 के0वी0 भाटला और 33 के0वी0 मुण्डाल। भिवानी जिले मे 220 के0वी0 भिवानी, 132 के0वी0 अटेली और 132 के0वी0 झोझुकला। सिरसा जिले मे 33 के0वी0 भााहपुर बेगु और 33 के0वी0 नाथुसेरी। महेन्द्रगढ जिले मे 220 के0वी0 नारनौल, 33 के0वी0 दहनिया और 33 के0वी0 बारडा। रिवाडी जिले मे 132 के0वी0 बारौली। गुडंगांव जिले मे 66 के0वी फारूखनगर, 66 के0वी0 सोहना और 66 के0वी0 महरोली रोड। फरीदाबाद जिले मे 220 के0वी0 पलवल, 66 के0वी0 धूज और 66 के0वी ए–5 फरीदाबाद।

श्री उपाध्यक्षः माजरा जी, यह क्वै चन गुडगांव से रिलेटिड था। आपको भी पता है कि गुडगांव पहले से बहुत अधिक एक्पैड हुआ है। पहले चौधरी साहब ने वहां पर 2 साल तक कोई ध्यान नही दिया। क्या आपकी सिकन्दपुर ओर दौलतताबाद मे 220 के0वी0 सब स्टे ान बनाने के परपोजल है या नही, इसके बारे मे आप बता दे।

श्री रामपाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, फाइनै ियल ईयर मे जो काम होना है यह मैने पढकर सुना दिया है हम 75 नए सब स्टे ान लगाने जा रहे है और 55 सब स्टे ान आगमैन्ट किए जाने है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह अपने आप मे एक क्रांतिकारी कदम है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः माजरा जी, प्लीज आप वांइड आप करे।

श्री रामपाल माजराः डिप्टी स्पीकर साहब, पहले विपक्ष के नेता बताए कि इस जवाब से इनकी तसल्ली हो गई या नही। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः ये कह रहे है कि हमारी तसल्ली हो गई है।

श्री रामपाल माजराः ये विपक्ष के नेता बताए कि इनकी तसल्ली हो गई है या नही। (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के मामले मे हरियाणा प्रदे ा अग्रणी प्रदे ा रहा है। हिन्दुस्तान मे जो 5 प्रदे ा बिजली के मामले मे अग्रणी है उनमे हरियाणा की भी पहली बार इन 5 प्रदे ाो मे गिनती हुई है।

HAPEF Retal Qutlets

1103 Shir Ramesh Rana: Will the Minister for Co-operation be pleased to state-

(a) the total number of retail outlets for promoting the HAFED consumer products funetioning in the State at present; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government of open more retail outlets in the State; if so, the details thereof ?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भडाना):

(क) हैफेड के विभिन्न परिसरो मे चार परचून दुकाने कार्य कर रही है।

(ख) हैफेड के तीन और परचून दुकाने नीलाखेडी, विपली और घरौडा मे स्थापित करने का फैसला किया है।

श्री रमे ा राणाः उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हू कि इन्होने 3 कस्बो के अन्दर हैफेड की नवी दुकाने खोलने का निर्णय लिया है जिनमे मेरा हल्का घरौडा भी है। इसके साथ ही मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि नीलोखेडी, पिपली व घरौडा मे हैफेड की तीन नई परचून की दुकाने खोलने का जो फैसला किया गया है ये दुकाने कब तक स्थापित हो जाएगी और कब तक अपना कार्य करना भुरू कर देगी?

श्री करतार सिंह भडानाः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी कोि ा ा जारी है और जल्दी ही ये दुकाने काम करना भुरू कर देगी। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्षः जय प्रका ा जी, आपने अगर कोई सप्लीमैट्री पूछनी है तो जब आपको मौका मिलेगा आप पूछ ले। बैठे बैठे बीच मे न बोले। चेयर की परमि ान ले कर ही बोले। मै देख रहा हू कि आप सवाल पूछना चाहते है मै आपको इसके लिए समय दूंगा। (ाोर)

श्री करतार सिंह भडानाः माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमे भी खूब बोलना आता है। यहां पर ये सम्मानित सदस्य है और पसर्नल बात पहले उधर से आई थी और रोडी बजरी की बात कही गई है। मै इनसे यह कहना चाहूंगा कि ये रोडी बजरी की

बात न करे। मुझे सब कुछ आता है लेकिन मै इनको कुछ कहना नही चाहता क्योंकि ये सम्मानित सदस्य है।

श्री रामबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो उतर दिया है उसके अनुसार पूरे हरियाणा मे कुछ ही परचून की दुकाने है। अगर हम कस्बे मे ये दुकाने खोल दी जांए तो इनके प्रौडक्ट्स भी बिकेगे और उससे बेरोजगारो को रोजगार भी मिलेगा। माननीय मंत्री महोदय से मेरा यह सुझाव है और मै इनसे यह पूछना भी चाहता हू कि क्या ऐसी कोई योजना है कि हर जिला स्तर पर और हर कस्बे के अन्दर हैफेड की दुकाने खोली जांए जिनसे जनता को लाभ मिल सके और हैफेड के प्रोडक्ट जनता को मिले सके जिसमे हैफेड को भी लाभ हो तथा बेरोजगारों को भी रोजगार मिल सके।

श्री करतार सिह भडानाः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा दूसरा प्रस्ताव भी है कि अगर कोई ऐसी दुकान खोलना चाहे तो जितनी भी जगहो पर चाहे ऐसी दुकाने खोलने चाहे तो जितनी भी जगहो पर चाहे ऐसी दुकाने खूल सकती है। ये हमे जगह बता दे अगर वे सही जगह होगी तो वहा पर दुकाने खोल दी जाएगी।

श्री धर्मबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो ये को–औप्रेटिव सैक्टर मे कान्फैड की दुकाने घडाघड बन्द कर रहे है और दूसरी तरफ कह रहे है कि हम हैफेड की दूकाने खोलेगे। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हू कि क्या सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव है

कि कान्फैड के जो कर्मचारी निकाले गए है वे कर्मचारी हैफेड मे ही मर्ज कर दिए जाए?

श्री करतार सिंह भडाना: उपाध्यक्ष महोदय, इनका सप्लीमैट्री सवाल से सम्बन्धित नही है यह अगल सवाल है। अगर अगल सवाल के रूप मे यह पूछेगे तो इनको जवाब जरूर दिया जाएगा।

श्री राजे ा कुमार खटक: उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि हैफेड द्वारा जो दुकाने खोली जानी है उनके लिए क्या क्राईटेरिया है?

श्री करतार सिंह भडाना: उपाध्यक्ष महोदय, जहां जहां पर जरूरत पडेगी वहां पर इस प्रकार की दुकाने खोल दी जाएगी। (ाोर एवम व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा: उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जो सवाल पूछना चाहता हू वह विधायक जी ने अभी जो सप्लीमैट्री पूछी है उसी से सम्बन्धित है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष: अब आप विधायक जी के पहले सप्लीमैट्री को न दोहराएं और अगर कोई नया सप्लीमैट्री सवाल है तो वह पूछे।

चौ. जय प्रका ा: उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जैसा कि विधायक रमे ा खटक जी ने प्र ान किया है, मेरी भी यही प्र ान है कि इन दुकानो को सब

डिविजन हैडक्वार्टर और जिला हैडक्वार्टर पर खोलने का क्या क्राईटेरिया है?

श्री उपाध्यक्षः आप उनके प्र ान को न दोहरांए अगर आपने अगल से सप्लीमैट्री पूछनी है तो पूछ ले।

चौ0 जय प्रका ाः उपाध्यक्ष महोदय, मै माननीय सहकारी मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि हैफेड की नई परचून की इन दुकानों को सब डिविजन हैडक्वार्टर और जिला हैडक्वार्टर पर खोलने जा रहे है। इनको खोलने का क्या क्राईटेरिया है?

श्री करतार सिंह भडानाः उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई क्राईटेरिया नही है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः आप यह बताएं कि रमे ा खटक के प्र ान मे और आपके प्र ान मे क्या अन्तर है। (ाोर एवम व्यवधान) आप बैठे। मुख्यमंत्री जी जवाब देगे।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): उपाध्यक्ष महोदय, कुछ लोगो को यहां पर न प्र ान करने आते है, न भेजने आते है और न ही पूछने आते है। यहां पर रमे ा ने जो प्र ान पूछा है उसी को बार बार दोहनाने के प्रयास किए जा रहे है। मै इनको बताना चाहूंगा कि हैफेड की दुकाने कायदे और कानून के मुताबिक डिमाण्ड के हिसाब से खोली जाती है। अगर सदन का कोई सदस्य दुकान खोलना चाहता हो तो वह अपनी दरखास्त भेज दे उस पर गौर कर लिया जाएगा।

चौ0 जय प्रका ाः उपाध्यक्ष महोदय, मै सदन के नेता से पूछना चाहता हू कि.....

श्री उपाध्यक्षः जय प्रका ा जी आप बार बार बीच मे दखल न दे और बार बार मत बोले। It is not proper Next question Shri Bishan lal Saini.

चौ0 जय प्रका ाः उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को जवाब ही नही देना आता है तो हम इनसे क्या प्र ान पूछे। (ाोर एवम व्यवधान)

Raduction in Consumption of Coal and Oil

1084. Dr. Bishan Lal Saini: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that there is any reduction in the consumption of oil and cost in Power Plant Stations in the State since 1999-2000; if so, the details thereof?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): हां श्रीमान। हरियाणा विधुत उत्पादन निगम के ताप विधुत केन्द्रो मे वर्श 1998–99 की तुलना वर्श 1999–2000 से जुलाई 2002 तक की अवधि मे प्रति यूनिट बिजली के उत्पादन हेतु तेल तथा कोयले की खपत मे कमी आई है। तेल की खपत 12.70 मिली लिटर से घट कर 3.23 मिली लिटर दर्ज की गई जिससे निगम को 104.46 करोड रूपये की बचत हुई इसी प्रकार कोयले की खपत 838 ग्राम से घट कर 777 ग्राम दर्ज की गई जिससे 97.47 करोड रूप्ये की बचत हुई।

डा0 बि ान लाल सैनीः उपाध्यक्ष महोदय, सी0पी0एफ0 ने 1998–99 की तुलना मे 1999–2000 से जुलाई 2002 तक तेल तथा कोयले की खपत मे उल्लेखनीय कमी आई के बारे मे बताया है और इसमे 104.46 करोड रूपये और दूसरे 97.47 करोड रूपये की बचत हुई है। अगर इसको टोटल करे तो यह अमाउन्ट 201.93 करोड बनते है। यह जो बचत हुई है या लाभ हुआ है क्या सरकार की ऐसी कोई स्कीम है कि इस बचत की वजह से जो गरीब लोग और गरीब किसान बिजली के उपभोक्ता है तो उन सब के बिजली के बिल माफ किए जाएगे या उनके बिलो के रेटो को काम करने की सरकार की ऐसी कोई मं ाा है?

श्री राम पाल माजराः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को यह बताना चाहूगा कि ताप घरो की कार्यकु ालता बढाई गई है और उनकी मोनिटरिंग की गई है। यह जो बचत की गई है इस बारे मे हमारा ऐसा कोई विचार नही है कि लोगो के बिलो को कम किया जाए या माफ किया जाए।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सी0पी0एफ0 महोदय से पूछना चाहूंगा कि आकडो के मुताबिक थर्मल प्लांट मे फ्यूल कंजम्प ान कम हुई है और प्रोडक ान ज्यादा हुई है। तो क्या सरकार की तरफ से भविश्य मे ऐसा कोई कदम उठाया जा रहा है जिससे हमारी थर्मल प्लांट का लोड फैक्टर बढ सक और फ्यूल कंजम्प ान रे ाो जिसमे तेल है, कोयला है, की खपत उससे भी माईनस मे चली जाए।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, ताप घरो के उत्पादन की क्षमता मे कोयले और तेल की खपत कम हो और उत्पादन ज्यादा हो इसके लिए हमने कई कदम उठाए है। हमारा सुधारीकरण और पुनर्गठन की मोनिटरिंग का काम किया है और इसी प्रकार से प्लांटो मे समस्यग्रस्त बिन्दुओ को पहचाना गया और उनको सोल्थ करके उन समस्याओ को दूर किया है इसी प्रकार से प्रोत्साहन स्कीमे भी भुारू की गई है ताकि लोड फैक्टर बढाया जा सके। हमने कर्मचारियों को भी बैनिफिट दिया है कि अगर वे प्लांट लोड फैक्टर को बढाएगे तो उनको इन्सैटिव दिया जाएगा/कर्मचारियों ने मेहनत की तो हमने उनको इन्सैटिव देने का काम किया है और उनको इन्सैटिव वे भी रहे है। इसी प्रकार से ि ाफ्टिंग की निरन्तर मोनिटरिंग की जा रही है और उनको भाट डाउन भी कर देते है जिससे उनकी ि ाडयूल्ड डेट पर ि ाडयूल्ड रेट पर मैटेनेंस की जा सके। हमने हमारे स्फाट के लिए राश्ट्रीय विधुत प्रि ाक्षण संस्थान मे ट्रेनिंग देने का प्रावधान किया है और उनको वहां पर ट्रेनिंग दी जाती है जिससे उनको लेटैस्ट टैक्नोलाजी की आडप्ट करने के बारे सिखाया जाता है जिसकी वजह से फ्यूल कंजम्प ान कम होती है। अध्यक्ष महोदय, उपकरणो के वि ोश जीवन का आंकलन किया गया है जिसकी वजह से जैसा कि मैने माननीय साथियों को बताया था लगभग 200 करोड रूपये का फायदा हुआ है।

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई मे 1998–1999 के मुकाबले मे 1999–2000 से लेकर जुलाई 2002 तक प्रति यूनिट बिजली के उत्पादन हेतु तेल और

कोयले की खपत को बताते हुए कहा है कि तेल की खतप 12.70 मिली लिटर की तुलना मे 3.23 मिली लीटर हो गयी है। मै इनसे कहना चाहूंगा कि यह तो कई गुना खपत कम हुई है। क्या मत्री जी बोर्ड के उन अधिकारियों या बोर्ड के मैम्बर्ज के खिलाफ कोई कार्यवाही करेगे जिन्होने 1998–99 मे यह इतना भारी घपला किया है ?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, यह तो कार्य कु ालता की बात है। हम अपने किए हुए कार्यो पर तो नाज कर सकते है लेकिन पीछे किसने क्या किया क्या नही किया या उस पर कार्यवाही करेगे या नही करेगे तो मै इनको बताना चाहूंगा कि यह कोई गबन की बात तो नही या तो म ीनरी की बात है। इसको गबन नही माना जा सकता। यह तो हमारी कार्य कु ालता है। हमने स्टाफ को ट्रैनिंग दी एवम नयी नयी टैक्नोलांजी सिखायी जिसका नतीजा यह हुआ है कि 200 करोड रूपये की बचत हुई है। (विघ्न)

श्री मालिक चन्द गभीरः अध्यक्ष महोदय, आज जिस तरह से हमारी सरकार बिजली की चोरी रोक रही है तो मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या इनका बिजली के रेट्स भी कम करने का विचार है?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, बिजली के रेट्स कम करना या ज्यादा करना यह तो रैगुलेटरी कमी ान का काम है। हम बिजली की चोरी को रोक ले तो इसका मतलब यह नही

है कि बिजली के रेटस कम किए जाए। यह काम तो रैगुलेटेरी कमी ान का है वही इसको देखेगा।

Digging of Drains

1156. Shri Jasbir Mallour: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out Sullar Drain, Amipur Drain and Vadauli Drain in District Ambala, if so, the details

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): हां श्रीमान। सुल्लर ड्रैन, चौडमस्तपुर ड्रैन (गांव अमीपुर के लिए) तथा बडौली ड्रैन की योजनाए स्वीकृत हो चुकी है। इन कार्यो की अनुमातिन लागत 105.47 लाख रूपये सुल्लर ड्रैन के लिए, 15.36 लाख रूपये चौडमस्तपुर ड्रैन के लिए और 13.33 लाख रूप्ये बडौली ड्रैन के लिए है।

श्री जसबीर मलौरा: स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का इस तीनो ड्रैनो को स्वीकृत करके इसके लिए पैसा देने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद करता हू। फ्लड से वहा पर काफी नुकसान हुआ करता था लेकिन अब जो सरकार ने इन ड्रैनो को बनवाने के लिए बजट मे पैसा रखा है, उसके लिए मै वि ोश रूप से माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। उन्होने खुद भी वहा पर जाकर देखा था वहां पर फ्लड से बहुत भारी नुकसान हुआ करता था। मै सरकार से निवेदन करना चाहूगा कि वह इनको जल्दी से जल्दी बनवाने का कश्ट करे

ताकि अभी जो वहा पर फ्लड से नुकसान हो जाता है उससे बचा जा सके।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, यह तीनो ड्रैन फ्लड कंट्रोल बोर्ड की 22.1.2001 की मीटिंग मे द्वितीय वरीयता पर रखी गयी थी लेकिन सरकार के मुखिया माननीय चौधरी ओमप्रका ा चौटाला जी इस मामले के ऊपर बहुत ही कंसर्ड है जिसकी वजह से इनको द्वितीय वरीयता से हटाकर प्रथम वरीयता मे किया गया है। इससे साफ जाहिर है कि ये तीनो ड्रैने प्राथमिकता के आधार पर फर्स्ट प्रिफरैन्स मे ली गयी है। जो इनका निर्धारण समय है उस तक वह पूरी कर ली जाएगी।

श्री अध्यक्षः अब प्र ान काल समाप्त होता है।

नियमो 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तरांकित प्र नो के लिखित उतर

Water Supply Scheme for Mewat Area

1092. Shri Hamid Hussian: Will the Chief Minister be pleased to state the total expenditure incurred on water supply scheme in the Mewat Area during the year 2002-2003 togetherwith the details of the work executed till to date?

मुख्यमंत्री (श्री ओप्रका ा चौटाला): वर्श 2002–20036 के दौरान 31.7.2002 तक मेवात क्षेत्र मे पेयजल योजनाओं पर 283.61 लाख रूपये खर्च किए गए । इस समय के दौरान मेवात क्षेत्र मे 29 टयूबवैल तथा 9 बुस्टिंग स्टे ान लगाए गए व चालू किए गए है। 88 किलामीटर पाईप लाईन भी बिछाई गई है। अन्य

36 टयूबवैलो और 20 बुस्टिंग स्टे ानो का कार्य प्रगति पर है। इन योजनाओ से दो भाहर तथा 48 गांव लाभान्वित हुए है।

इनका वितरण संलग्न अनुबन्ध मे दिया गया है।

अनुबन्ध

वर्श 2002–2003 मे (31.7.2002) तक किए गए कार्यो का विवरण

क्रम सख्या	विवरण	वर्श 2002–2003 के दौरान (31.7.2002) तक किए गए कार्यो		
		ग्रामीण	भाहरी	कुल
1	2	3	4	5
1.	लगाए गए नलकूपो की संख्या जो चालू किए गए	26	3	29
2.	नलकूपो की संख्या जो लग गए है पर चालू किए जाने है।	36	0	36
3.	लगाए गए बुस्टिंग स्टे ाानो की संख्या	7	2	9
4.	बुस्टिंग स्टे ानो की संख्या जहा कार्य	20	0	20

	प्रगति पर है।			
5.	बिछाई गई पाईप लाइन की लम्बाई किलोमीटर मे	72	16	88
6.	लाभान्वित गावों की संख्या	48	0	48
7.	लाभान्वित भाहरो की संख्या	0	2	2

Reservation Policy

1115. Shri Malik Chand Gambhir: Will the Minister of State for Eduation be pleased to state-

(a) the category wise present position in regard to the implementation of reservation policy in the Education Department.;

(b) whehter any efforts are being made by the Government to recoup the backlog of various categories in the aforesaid Department; and

(c) if so, the time by which the backlog of the said various categories is likely to be recouped?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह):

(क) ि ाक्षा विभाग मे आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के सम्बन्ध मे वर्गवार वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:—

	संस्वीकृत	भरे हुए पद आरक्षित वर्गो सहित	बैकलांग			
			अनु0जा0	पिछडे वर्ग	भू0प0 सैनिक	विंकलांग
प्राथमिक ि ाक्षा	40568	37435	भून्य	भून्य	भून्य	भून्य
माध्यमिक ि ाक्षा	64117	56093	763	836	899	127
उच्चर ि ाक्षा	5196	4383	122	66	33	11

(ख) हां, श्रीमान जी।

(ग) राज्य मे गैर ि ाक्षक अमले की सीधी भर्ती पर प्रतिंबंध है। आरक्षित वर्गो के अध्यापको की भर्ती के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग/हरियाणा लोक सवेा आयोग को भेजी जाने वाली प्रत्येक मांग मे राज्य की आरक्षण नीति के अनुसार उपबन्ध किया जाता है।पदोन्नति द्वारा भरे जाने वाले पदो के मामले मे भी आरक्षण नीति का पालन किया जा रहा है, ब ार्त कि पात्र

उम्मीदवार उपलब्ध हो। तथाति, बैकलाग पूरा करने हेतू समय सीमा नि ि चत नही की जा सकती।

Acceiderated Urban Water Supply Programme

1097. Shri Ram Phal Kundu: Will the Chief Minister be pleased to state the number of towns approved under the Accelerated Urban Water Supply Programme alongwith estimated cost, during the current financial year?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): दो भाहरो की योजनांए क्रम ा पुन्हाना और हसनपुर चालू वित वर्श के दौरान त्वरित भाहरी जलापूर्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत की गई है, जिनकी अनुमानित रा ि ा 165.25 लाख रूपये और 147.05 लाख रूपये है।

Yamuna Action Plan

1079. Shri Suraj Mal: & Shri Krishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the work under Yamuna Action Plan Phase –I has been completed; and

(b) if so, the town wise details of the facilites provided under the said schem?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) (i) हां श्री मानजी। यमुना कार्य योजना चरण–1 व एक्सटैडिड फेज के अधीन 6 मुख्य भाहरो, क्रम ाो यमुनानगर जगाधरी, करनाल, पानीपत, सोनीपत गुडगांव और फरीदाबाद मे कार्य पूरा हो चुका है।

(ii) 6 अरिरिक्त भाहरो क्रम ाः छछरौली, रादौर, इन्द्री, घरौडा, गोहाना व पलवल मे कार्य प्रगति पर है।

(ख) यमुना कार्य योजना चरण–1 के अधीन दी गई सुविधाओ का नगरवार ब्यौरा सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

ब्यौरा

यमुना कार्य योजना चरण–1 के अधीन दी गई सुविधाओ का नगरवार ब्यौरा ए–मुख्य भाहर (बाहरी सहायता प्राप्त परियोजना) मूल कार्य

क्रम सख्या	भाहर	अनुमोदित रा ि ा (रूपये करोडो मे)	मल उपचार संयन्त्र		मुख्य सीवर	अल्प लागत भाोचालय	उन्नत भावदाह गृह	नहाने के घाट
			संख्या	एम0एल0डी0	किलामीटर	सख्या	संख्या	सख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	यमुनानगर	25.20	1	10	15.97	4×20	3	2
			1	25				
2.	करनाल	23.73	1	40	7.43	4×20	6	...
			1	8				

3.	पानीपत	41.55	1	10	17.75	4×20	3	.
			1	35				
4.	सोनीपत	22.33	1	30	12.00	3×20	4	...
						2×20		
5.	गुडगांव	18.85	1	30	5.82	5×20	4	...
6.	फरीदाबाद	67.84	1	20	22.81	8×20	4	...
			1	45				
			1	50				
	जोड	199.40	11	303	81.78	28×20+3×10	24	2

बी0 मुख्य भाहर (बाहरी सहायता प्राप्त परियोजना) (एक्सटैडिड फेज)

क्रम सख्या	भाहर	अनुमोदित रा ि ा (रूपये करोडो मे)	मुख्य सीवर	अल्प लागत भोचालय	अतिरिक्त सलज ड्राइग बैड	पाईलट डिसइन फैक ान फ्लांट
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**
1.	यमुनानगर	3.78	13.56	4×10	10	-----
2.	करनाल	3.08	7.65	4×10	6	1 एम0एल0डी0 बायो टावर
3.	पानीपत	2.11	6.00	3×10	10	.....
4.	सोनीपत	0.56	...	3×10	6	....
5.	गुडगांव	8.74	14.96	5×20	6	....

6.	फरीदाबाद	7.28	....	10×20+15×10	18	2 एम0एल0डी0 अल्ट्रा वायलेट रेडिए ान तथा 1 एम0एल0डी0 सोलर रेडिए ान प्लांट
	जोड	25.54	42.12	15×20+29×10	56	3

नोट यह सभी कार्य मार्च 2002 तक 7 महीने के रिकार्ड समय मे पूर्ण कर दिये गये है।

सी अतिरिक्त भाहर (बिना बाहरी सहायता प्राप्त परियोजना)

क्रम सख्या	**भाहर**	**अनुमोदित रा ि ा (रूपये करोडो**	**मुख्य सीवर**	**मल उपचार संयतंत्र**

		मे)					
				कार्य पूर्ण हो चुका है।	कार्य प्रगति पर है		
			किलोमीटर	संख्या	एम0एल0डी0	संख्या	एम0एल0डी.
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1.	छछरौली	0.65	2.65	0	0	1	1
2.	रादौर	1.09	4.23	0	0	1	1
3.	इन्दरी	1.37	6.02	0	0	1	1.5
4.	घरौडा	1.41	4.05	0	0	1	3
5.	गोहाना	3.47	9.71	1	3	0	0

				1	0	0	0
6.	पलवल	7.89	9.67	0	0	1	9
	जोड	15.88	36.33	2	3.5	5	15.5

Relief Provided to the Electrictiy Consumers

1116. Capt. Ajay Singh Yadav: Will the Chief Minister be pleased to state whether any relief is being provided by the HVPN/DHBVN/UHBVN to the consumers in Agriculture/ Domestic/Industrial sectors for making payment to the outstanding electricity bills in the State; if so, district-wise details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां श्रीमान जी, बिजली उपभोक्ताओ को उनके बकाया बिलो की रा ि ा को जमा करवाने के लिए समय समय पर वर्तमान सरकार ने विभिन्न अधिभार माफी योजनाएं लागू करके राहत दी है। यघपि अन्तिम अधिभार माफी योजना मई, 2002 मे घरेंलू आपूर्ति, गैर घरेलू आपूर्ति तथा कृशि सम्बन्धी नलकूप उपभोक्ताओ के लिए लागू की गई थी जो प्रथम मई 2002 से 31 मई 2002 तक चालू रही। इन योजनओ के अन्तर्गत लगभग 9 लाख उपभोक्तओ ने लाभ उठाया। जुलाई 1999 से 1172.92 करोडो रूपये की बकाया रा ि ा का निपटाना कराया गया ओर कृशि सम्बन्धी/घरेलू/गैर घरेलू उपभोक्ताओ को 243.36 करेाड रूपये की राहत दी गई।

पस्मिण्डल अनुसार विस्तृत विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है। विधुत यूटिलिटिज द्वारा जिला अनुसार विवरण नही रखे जाते है।

विवरण

(अ) जुलाई 1999 से विभिन्न प्रभार माफी स्कीमो के अन्तर्गत उपभोक्ताओ को दी गई राहत तथा निपटाये गए तथा बकाया का परिमण्डल अनुसार विस्तृत विवरण निम्मलिखित है।

परिमण्डल	योजना को अपनाने वाले उपभोक्ताओ की संख्या	वसूल की गई रा ि	माफ की गई रा ि	निपटान की गई कुल रा ि
1	2	3	4	5
अम्बाला	15594	476.30	361.28	837.58
यमुनानगर	17455	464.24	176.76	644.00
सोनीपत	52733	1681.84	1460.54	3142.38
कुरूक्षेत्र.	181391	5037.12	2222.45	7259.57
करनाल	155167	4272.15	2593.09	6865.24
जींद	101343	3378.66	3655.00	7033.66
रोहतक	59106	2313.94	3336.45	5650.39
फरीदाबाद	37816	1858.02	1590.20	3448.22
गुडगांव	40713	1357.58	1454.96	2812.54

नारनौल	53663	1616.43	4792.82	3409.25
भिवानी	80321	2287.87	3166.54	5454.41
हिसार	79873	2339.77	2076.19	4415.96
सिरसा	23261	530.16	447.54	977.70
योग	898436	27614.08	24336.82	51950.90

(ब) उपरोक्त प्रभार माफी स्कीमो के अलावा अन्य से वसूल की गई रा ि । 653.41 करोड

योग 1172.92 करोड

Setting up of Power Sub-Station

1080. Shri Banta Ram Balmiki: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Power Sub-Station of 33 KV above in District Kurukshetra, if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका । चौटाला): हां श्रीमान जी। जिला कुरूक्षेत्र की प्रसारण प्रणाली को सुदृढ करने के लिए 6 उपकेन्द्र 13.91 करोड रूपये की लागत से बनाने की योजना है। ये उपकेन्द्र इस प्रकार है, 66 के0वी0 के दो उपकेन्द्र एक कलसाना मे तथा दूसरा यारा मे, 33 के0वी0 के चार उप केन्द्र मुरथली, नैस्सी, गुमथला तथा सैन्सा मे लगाने की योजना है। इस के अतिरिक्त 220 के0वी0 उपकेन्द्र पेहवा, 66 के0वी0 उपकेन्द्र नलवी तथा 33 के0वी0 उपकेन्द्र कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी, किरमिच तथा

बारना की क्षमता बढाई जा रही है। ये कार्य अगले वित वर्श मे पूरे होने सम्भावित है।

Construction of New 33 KV Sub Station

1080. Shri Banta Ram Balmiki: Will the Chief Minister be pleased to state whether in any proposal under consideration of the Government to consturct a new 33 KV Sub Station at Village Keodak in Kaithal constitueny; if so, the time by which the said proposal in likely ot be materialized ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): हां श्रीमान जी, कैथल चुनाव क्षेत्र के गांव क्योडक मे एक नये 33 के0वी0 सब स्टे ान के निर्माण करने का प्रस्ताव है। यह उपकेन्द्र चालू वित वर्श के दौरान पूरा होने सम्भावित है।

अतारिकंत प्र ान एवम उतर

Building of Hospitals

111. Rao Narender Singh. & Capt Ajay Singh Yadav: Will the Minister of state for Health be pleased to state-

(a) whether any building of Hospital/PHCs/CHCs/Health Centres in District of Gurgaon, Mahendergarh, Rewari, Jhajjar, and Faridabad are in dilaphidated condition; if so, the number thereof; and

(b) whether the requisite number of staff i.e Doctor/Naurse/ANMs have been provided in the Hospital/PHCs/CHCs/Health Centres of the aforesaid Districts; if so, the details thereof ?

स्वास्थय राज्य मंत्री (डा0 एम0एल0 रंगा):

(क) जी हां। सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र नाहड, जिला रिवाडी का भवन जर्जर हालत मे है।

(ख) अमले की वाछित स्थिति अनुलग्गक 1 मे द र्ाई गई है।

अनुलग्न्क

अमले की स्थिति गुडगांव, नारनौल, झज्जर, फरीदाबाद, तथा रिवाडी जिलो मे डाक्टरो, नर्सो, ए0एन0एमज0 तथा औशधिकारको के पदों की।

क्र0	जिला	डाक्टर				नर्से				ए. एन . एज				औशधिकारक		
		एच.सी. एम.–1		एच.सी. एम.–2												
		स्वीकृत	भरे	खाली	स्वीकृत	भरे हुए	खाली	स्वीकृत	भरे हुए	खाली	स्वीकृत	भरे हुए	खाली	स्वीकृत	भरे हुए	खाली
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
1.	गुडगाव	19	13	6	122	115	7	89	73	16	169	156	13	46	40	6

2.	नारनौल	18	13	5	63	45	18	62	30	32	122	119	3	28	22	6
3.	रिवाडी	13	13	..	52	51	1	36	18	18	110	107	3	26	25	1
4.	झज्जर	8	7	1	64	58	6	31	31	...	127	127	..	9	8	1
5.	फरीदाबाद	39	39	...	209	176	33	117	90	27	190	163	27	129	109	20
	कुल	97	85	12	510	445	65	335	242	93	718	672	46	238	204	34

Shortage of Staff

112. Dr. Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is fact that there is shortage of staff in I.T.I Village Desujodha in Dabwali Contitueny; and

(b) if so, the steps taken or prposed to be taken to remove the shortage of aforesaid staff?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): (क) एवम (ख) गांव देसुजोधा, निर्वाचन क्षेत्र डबवाली मे कई औधोगिक प्र ि ाक्षण संस्थान नही है। परन्तु देसुजोधा मे व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान चल रहा है। व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान, देसुजोधा मे अमले की कुछ कमी है। रिक्त पदो को भरनें के लिए कार्यवाही आरम्भ की जा चुकी है। फिर भी, निकटवर्ती संस्थानो से प्र ि ाक्षण अमले की अस्थाई ड्यूटी इस अतिरिक्त कार्य करने के लिए लगा दी गई है ताकि छात्रो के प्र ि ाक्षण मे बाधा न आए।

Uprgadation of Schools

112. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade and schools of Palwal Contituency; if so, the details thereof?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह): जी हां, राजकीय प्राथमिक पाठ ाला सिकन्दपुर एवंम गैलपुर को मिडल तक, राजकीय माध्यमिक विधालय जनौली को उच्च स्तर तक तथा राजकीय उच्च विधालय अहरवा व राजकीय उच्च विधायल अलावलपूर को राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विधालय स्तर तक

पलवल विधानसभा क्षेत्र मे स्तरोन्नत करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

Barrage on Yamuana River

114. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Barrage on Yamuna River in District Faridabad; if so, the details thereof?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): नही, श्रीमाजी। जिला फरीदाबाद के पलवल मे यमुना नदी पर बांध (बैराज) बनाने के प्रस्ताव का निर्णय लिया गया था जो कि योग्य नही पाया गया। इसलिए योजना आयोग द्वारा प्रस्ताव रद्द कर दिया है।

Construction of Booster

115. Shri Karan Singh Dalal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct itstall Booster for augmenting drinking water supply in following village of Palwal Constituency:-

1. Alika
2. Deeghot
3. Karna
4. Firozpur
5. Baghola
6. Attarchata

7. Pirthala

8. Dhatir

9. Teekri Brahamin

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): चार गावों, अलीका, डीघोट, कणोऔर बघोला मे बूस्टरो के निर्माण का प्रस्ताव है। दो गांवो नामतः पिरथला अैर धतीर मे बूस्टर पहले ही चालू कर दिए गए है और जलापूर्ति इनके माध्यम से की जा रही है। गांव फिरोजपुर, अतरचता और टीकरी ब्राह्मीण मे बूस्टरो के निर्माण का कोई प्रस्ताव नही है। क्योकिं इन गावों मे जलापूर्ति की स्थिति संतोशजनक है।

Constructin of School Building in Palwal

116. Shri Karan Singh Dalal: Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to consideration of the Government to contruct a New Building for Girls Senior Secondary School Main Bazar Palwal in District Faridabad, if so, the time by which it is likely to be constructed ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह):

(क) नही श्रीमान जी, सरकार के विचाराधीन ऐसा कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) उपरोक्त (ए) के सम्बन्ध मे प्र ान उत्पन्न नही होता।

Making of Distributory Pucca

120. Shir Jasbir Mallour: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to make the distributory pucca from burji No. 4000 to 1000 passes near the village Mallour, Ambala; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) इस डिस्ट्रीब्यूटरी को बुर्जी 4000 से 10000 तक चक्का करने की कोई योजना नही है।

(ख) प्र ान ही नही उठता।

Strike by Employees of Mucipal Committee, Charkhi Dadri

121. Shri Jagjit Singh: Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state whether the Government is aware of the fact that the employees of the Municipal Committee, Charkhi Dadri are on strike, if so, the reasons thereof and the steps taken or proposed to be taken to call off the strike?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश चन्द्र गोयल): नही, श्रीमान जी। नगरपालिका चरखी दादरी के कर्मचारी हडताल पर नही है।

Booster Lying Incomplete

122. Shir Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is shortage of drinking water in village Panwan in sub-division, Dadri on account of non-completion of Boosting Station; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Boositing Station is likely to be made fuctional ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) व (ख) श्रीमान जी। खेडी बूरा समूह जिसमे गांव पांडवान भाामिल है, मै बूस्टिंग स्टे ान पहले ही दिसम्बर, 2000 मे चालू कर दिया गया है। गांव पांडयान मे पेयजल की और बढौतरी के लिए जुलाई 2002 मे 5.85 लाख रूपये की अनुमानित लागत से एक अलग नलकूप स्वीकृत किया गया है।

Exection of Power Line

123. Shir Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the sanction for erecting of new electricity line in village Patuwas. Distirct Bhiwani has been accorded by DHBVN;

(b) whether it is also a fact that the material for the prupose referred to in part 'a' above is lying there; and

(c) if so, the reasons for not erecting the line in the village referred to in part 'a' above so far together with the time by which it is likely to be crected ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला):

(क) व (ख) गांव पातुवास मे नई अतिरिक्त एल0टी0 बिजली लाईन को खडा करने के लिए 1.73 लाख रूपये का अनुमान स्वीकृत किया गया है।

अनुमान मे 27 पोलो का प्रावधान किया गया है। सात पोल कार्य के लिए स्थल पर ले जाए गए थे। रूट के लिए गांव वालो के आपति करने के कारण और लाईन की स्थापना का कार्य प्रारम्भ नही किया जा सकता क्योंकि वे अपनी भूमि मे पोल खडा करने की अनुमति नही दे रहे थे।

अब एक वैकल्पिक रूट को अंतिम रूप दिया गया है तथा कार्य 30 सितम्बर 2002 तक पूरा हो जाएगा।

Erratic Supply of Electricity

123. Shir Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that there is crratic supply of electricity in sub-division Dadri; if so, the steps taken or proposed to be taken for the supply of uninterrupted electricity ?

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): दादरी उपमण्डल की बिजली आपूर्ति निर्धारित अनुसूची के अनुसार दी जा रही है। भाहरी क्षेत्रो मे चौबिसो घण्टे आपूर्ति दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रो मे 3–फेस बिजली आपूर्ति सभी फीडरो को दिन के समय 8 घण्टे प्रतिदिन तथा 2–फेस बिजली आपूर्ति लाईटिंग लोड के लिए सभी ग्रामीण फीडरो को हर रोज रात के समय दी जा रही है।

दादरी राजस्व उप मण्डल को जो कार्यकारी अभियंता/परिचालन, दादरी के कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत पडता है का माह अनुसार उपभोग प्रकार है:–

माह	वर्श 2001–2002 (यूनिट लाखो मे)	वर्श 2002–2003 (यूनिट लाखो मे)
अप्रैल	204.78	201.99
मई	160.20	209.95
जून	164.65	287.60
जुलाई	137.45	312.49
अगस्त	147.84	312.68 (28.8.02 तक)
	834.92	1324.68

इस प्रकार वर्श 2001–2002 की तुलना वर्श 2002–2003 के दौरान बिजली आपूर्ति की उपलब्धि 60 प्रति ात तक बढी है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

Erratic Supply of Electricity

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Notice from Shri Rajinder Singh Bisla, M.L.A regarding droght situation in Haryana particularly in the southern part of Haryana. I have admitted it.

Capt. Ajay Singh Yadav and Shri Karan Singh Dalal, Members have also given calling attention notice on the similar subject. They can also raise question. An Adjorunment Motion No. I from Shri Bhupinder Singh Hooda, M.L.A Shri Bhajan Lal, M.L.A Capt.Ajay Singh M.L.A, Dr. Ragubir Singh Kadian, M.L.A, Shri Shadi Lal M.L.A and Shri Jitender Singh Malik, M.L.A has also been received on the same subject. The Adjorurnment Motion No. I is converted into Calling Attention Motion any they can raise one question each.

विभिन्न मामले उठाना

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आज के हिन्दुस्तान टाईम्ज अखबार मे एक खबर छपी है उसके बारे मे मै आपको बताना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अभी आप बैठे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, मै भी एक बात आपके नोटिस मे लाना चाहता हू। अम्बाला से हमारी चुनी हुई विधायिका श्रीमती वीना छिब्बड पर जिस तरह से हमला हुआ है, उनको पानी मे डूबोया गया है, मै उसके बारे मे आपको बताना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः कृश्ण पाल जी, आप बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए। यह एक चुनी हुई विधायिका का मामला है। यह बहुत ही सीरियस मैटर है।

श्री अध्यक्षः कृश्ण पाल जी, आप बैठिए। अब इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, ... (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Please make silence.

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुने।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। अब आपकी कोई भी बात रिकार्ड नही हो रही है।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, ...(ाोर एवम व्यवधान)

16.00 बजे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैबर्ज को जीरो अंावर मे अपनी बात रखने का समय दिया जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप लोग बोले नही तो मैने भाुरू कर दिया। कृश्ण पाल जी, प्लीज बी साईलैट, अब लीडर आफ दि हाउस बोलैगे। (ाोर एवम व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, श्री कृश्ण पाल गुर्जर ने एक वि ोश मामले का उल्लेख किया है जो इन सदन के एक सम्मानित सदस्य से जुडा हुआ है। पिछले

निदो अम्बाला मे यकलखत भारी बारि ा हो जाने की वजह से अपने क्षेत्र मे आए हुए पानी के प्रति लोगो को सांत्वना देने की दृश्टि से उस क्षेत्र की सम्मानित विधायिका वीना छिब्बर वहां गई। कुछ लोगो ने उनका केवल विरोध ही नही किया बल्कि अपमाजनक भाब्द इस्तेमाल किए, उन्हे पानी मे गिराया। (ोम– ोम) उनको चोट लगी, उनके फ्रेक्चर हुआ और पुलिस ने फौरी तौर पर उस पर कार्यवाई की। उनके खिलाफ पर्च दर्ज हुआ। सयोंग से वे काग्रेंस पार्टी के पदाधिकारी लोग थे। (ोम– ोम) दलगत राजनीति से ऊपर उठकर के महिला स ाक्तिकरण वर्श मे और खास तौर से उस पार्टी के लोगो द्वारा, जिस पार्टी की राश्ट्रीय अध्यक्षा के प्रति इतना सम्मान प्रकट करते है जब हुड्डा जी से पूछते है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा तो वे कहते है कि हमारी अध्यक्षा सोनिया गांधी बनाएंगी तक बनेगे। भजन लाल जी से पूछते है तो ये उनको बहकाकर के कह कर आते है कि एक दफा मुझे अध्यक्ष बना दो तीन महीने मे या तो मै सरकार तोड दूंगा या खुदकु ाी कर लूंगा। हमारी पुलिस कई दफा यदि किसी सदस्य के साथ अपमानजनक व्यवहार किया जाता है तो उसकी रक्षा का काम भी करना पडता है। कई दफा सदन का कोई सम्मानित सदस्य खुदकु ाी करने की बात करे तो हमे इस बात का भी ध्यान रखना पडता है। हमारे लिए बडी ही विकट परिस्थितियां है ये अवसर मे तो मिलकर नही रह सकते, सदन का बहुमूल्य समय खराब करते है। सारी सीमांए लांघ जाते है ख्याब बडे लम्बे चौडे लेते है। अध्यक्ष महोदय, इस मामले मे सरकार की तरफ से कोई कोंताही नही है। हमारी सरकार का एक निर्णय है

कि जिस किसी के खिलाफ किसी प्रकार का कोई दुर्व्यवहार करेगा चाहे वह कितने ही उच्च पद पर बैठा हुआ व्यक्ति क्यों न हो, सरकार उसे कानून अपने हाथ मे लने की इजाजत नही देगी। जो कानून अपने हाथ मे लेने की कोि ा ा करेगा उसके साथ सख्त सलूक किया जायेगा। (ाोर एवम विघ्न) उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए सरकार वचनबद्ध है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के सम्मानित सदन के सदस्यो के नेता और सभी सदस्यों को यह वि वास दिलाता हू कि उन्हे पूरा इंसाफ मिलेगा, यह बात अलग है कि कांग्रेस के लोग इस बात को नही समझते। (ाोर एवम विघ्न)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने कार्यवाही की, इसके लिए सरका का भाुक्रिया अदा करते है लेकिन कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी भजन लाल ने उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नही की यह बडे अफसोस की बात है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता था कि नैना कांड के बाद, मध्यप्रदे ा की महिला अध्यक्ष की मगरमच्छ से खिलवाने के बाद कांग्रेस ने सबक सीख लिया होगा। (ाोर एवम विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः .....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, हमे भूपेन्द्र हुडा जी से तो बडी उम्मीद थी, भजन लाल जी से तो हमे कोई आ ाा नही थी क्योंकि उनके राज मे तो महिलाओ के साथ जो कुछ

हुआ वह सबको पता ही है जैसे द्रोपदी कांड, सुमद्रा कांड, भार्मा कांड आदि। इसलिए इनसे तो हमे कोई उम्मीद नही थी लेकिन भूपेन्द्र सिंह हुडा से तो हमे बडी उम्मीद थी, इन्होने भी अपनी पार्टी के उस नुमाइदे को पार्टी से नही निकाला इसके लिए हमे बडा अफसोस है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे कुछ कहना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठे।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, हुडा साहब, बडे भारीफ और सज्जन आदमी है, वे अध्यक्ष थे फिर मेरी बजाय उसको पार्टी से निकालने के इन्होने उसकी पीठ थपथपाई इसके लिए हमे बडा अफसोस है। जबकि इनको उसको पार्टी से निकालना चाहिए था। लेकिन हुडा साहब यह नही कर पाए, भजन लाल तो ऐसे लोगो को सरपरस्त करते है, उन्हे आ ाीवार्द देते है। एक दु ाासन महाभारत मे था जिसने द्रोपदी का चीर हरण किया था और एक दु ाासन भजन लाल जी की पार्टी मे है जिसने हमारी बहन को मारने की कोि ा ा की। (ाोर एवम विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ऐसे दु ाासन को पालने का काम करती है। जहां ऐसे कामों को करने वालो को सजा मिलनी चाहिए वही कांग्रेस पार्टी मे ऐसे लोगो को प्रोत्साहन मिल रहा है, इसका नतीजा इन्होने कई बार भुगत भी लिया है। ये इतिहास से सीखने का काम क्यो नही करते।

कैप्टन अजय सिंह यादवः .....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, मै भजन लल जी को कहना चाहता हू कि कांग्रेस से महिलाओ को, पदाधिकारियों को तंदूर मे जलाया होगा, आपने कांग्रेस की किसी प्रदे ा की महिला अध्यक्ष को मगरमच्छ से खिलवाया होगा, ये सब काम आपकी पार्टी करती थी लेकिन भाजपा की महिला की तरफ अगर कोई आंख भी उठाएगा तो उसका बहुत बुरा हाल होगा। (ाोर एवम विघ्न)

श्री रामकि ान फौजीः .....

श्री अध्यक्षः रामकि ान फौजी की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, समय किसी का इंतजार नही करता, समय अपनी गति से चलता है। समय कभी किसी को माफ नही करता। अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भजन लाल जी से निवेदन करना चाहूगा कि ये महिलाओ का अपमान करना छोड दे और यदि इनको महिलाओ का सम्मान करना नही आता है तो ये हम से सीख ले कि महिलाओ का सम्मान कैसे किया जाता है, हम इन्हे सिखा देगे। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब राम कि ान फौजी अपनी बात कहेगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने मेरा नाम लिया है इसलिए मुझे बोलने दिया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, प्लीज आप बैठ जाये। आपका नाम नही लिया आप ऐसे ही खडे हो जाते है। (ाोर एवम व्यवधान) पहले राम कि ान फौजी को सुने ले, उसके बाद आप अपना जवाब इकटठा दे देना। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर सर, आपके रोल के बारे मै कहना पड रहा है कि आपकी..... है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी जो गलत भाब्द यूज कर रहे है वे हाउस की कार्यवाही से निकाल दिए जाये।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, काफी समय से कांग्रेस के साथी यहां पर महिलाओ के साथ अत्याचार कर रहे थे और अब राम कि ान फौजी को भी बोलने नही दे रहे। इस तरह से ये एक फौजी और हरिजन के साथ भी अत्याचार कर रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपके रोल के बारे मे .....कहना पड रहा है कि आपकी.....है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी जो गलत भाब्द यूज कर रहे है वे हाउस की कार्यवाही से निकाल दिए जाये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अभी गुर्जर साहब ने यहा खडे होकर बडा लम्बा चौडा भाशण कांग्रेस के बादे मे दे दिया। अध्यक्ष महोदय, वीना छिब्बर हमारी बहन है और यदि इनके साथ कोई ज्यादती हो गई तो यह बहुत बुरी बात है, अच्छी बात नही है। हमारी कोई हमदर्दी उनके साथ नही है जिन्होने इनके

साथ ज्यादती की लेकिन इनके कहने से उनके खिलाफ कार्यवाही नही कर सकते। यदि इनकी बात सही है और वे गुनाहगार है तो उनको खिलाफ हम जरूर कार्यवाही करेगे। यदि वे गुनाहगार नही होगे तो हम उनके खिलाफ कार्यवाही नही करेगे। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त अभी चौटाला साहब कह रहे थे कि चौधरी भजन लाल तीन महीने के लिए प्रदे ा अध्यक्ष बनकर आया है, तो मै इनको कहना चाहूंगा कि तीन महीने ही मेरे काफी है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के अंदर तीन महीने की भी गांरटी नही है, इनको कैसे वहम हो गया है कि ये तीन महीने तक भी कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहेगे, उससे पहले भी यह हट सकते है। मैने यह कहा था कि ये यह कह कर अध्यक्ष बने थे कि ये तीन महीने मे हमारी सरकार गिरा देगे। कांग्रेस की अध्यक्षा एक औरत है और वह भजन लाल जी के बोलाये मे आ गई लेकिन यह सदन इनके बोलाये मे नही आयेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने कुछ नही कहा। इनकी सरकार तो अपने आप गिर जायेगी। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै तो वही बात कह रहा हू जो बात मुझे भूपेन्द्र सिंह हुडा ने बताई है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय.....

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा बरवाला जी चेयर की इजाजत के बिना जो कुछ बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाये।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये।

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप बैठिये।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, पहले मेरी बात तो सुने.....

श्री अध्यक्षः श्री जय प्रका ा जी जो कह रहे है वह रिकार्ड नही किया जाये।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, विरोधी दल के नेता की कुर्सी से कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष की कुर्सी पर पहुंचाना मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुचाना वाया मीडिया है। (विघ्न) वहां पर वाया मीडिया पंहुचने का रास्ता है। हमने वहां पहुचाया है। (विघ्न)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अगर वाया मीडिया यंहा पहुचने का रास्ता है तो हुडा साहब से कहलवा दो। हुडा साहब से हां भरवा दो। हुडा साहब, क्या आप इस वाया मीडिया से सहमत है ? (विघ्न)

चौधरी भजन लालः रास्ता तो यही है। (ाोर एवम विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिये, आपने अपनी सारी बात कह ली।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये जब चाहे बीच मे बोलने के लिए खडे हो जाते है। ये आपके बोलने के लिए पूछते भी नही। ये यह नही सोचते कि कौन बोल रहा है और न यह देखते है कि इनसे उम्र मे बडा बोल रहा है और न यह देखते कि जो बोल रहा है वह इनको ज्यादा तुजुर्बा रखता है। (विघ्न) आपकी तीन दफा नाक रगड रखी है। ये यूं ही बीच मे बोलने लग जाते है।(विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिये। जिस सब्जैक्ट पर आप बोल रहे है, वह सब्जैक्ट बोलने के लिए नही है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इनको बोलते हुए कुछ सोचना चाहिए। आज प्रदे ा मे ऐसा माहौल बना हुआ है कि इनको आने वाला वक्त ही बताएगा। अब यह थोडे दिनो का ही मामला है। अब इनका मामला ज्यादा दिन का नही है। ये कहते है कि मै यह कहकर आया हू.....(विघ्न)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठिये।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमारी पार्टी बाकायदा एक है। हम एकजुट हो करके मुकाबला करेगे और आपको चलता करेगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, कुश्णपाल जी ने जो चर्चा की उसमे मेरा नाम भी आया है। मै उस संबध मे बोलना चाहता हू। मै कृश्णपाल जी से यह जानना चाहता हू कि यह जो मामला चल रहा है यह कौन सी तारीख का है?

श्री कृश्णपाल गुर्जरः यह मामला दिनांक 14.8.2002 का है।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः स्पीकर साहब, मै इनको बताना चाहता हू कि मै 31.7.2002 तक अध्यक्ष था। जहां तक महिला के आदर का सवाल है उस बारे मे मै कहना चाहूंगा कि ये तो हमारे साथ महिला विधायक है। मै बात कर रहा हू यह दलगत राजनीति वाली बात नही कर रहा और न इसमे किसी दलगत राजनीति का सवाल है। मै कहना चाहता हू कि हरियाणा की यदि कोई आम महिला भी हो तो उसका भी पूरा सम्मान कांग्रेस पार्टी करती है। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि हमारे अध्यक्ष ने कहा कि चाहे कोई कांग्रेस पार्टी का हो या कोई भी हो यदि वह महिला के साथ दुर्व्यव्हार करेगा तो उसके साथ कांग्रेस पार्टी की कोई हमदर्दी नही है, उसके खिलाफ पूरा एक ान लिया जायेगा। यहां पर मुख्यमंत्री ने बोलते हुए नाम लिया और यहां पर चर्चा की कि कौन हमारे मे से मुख्यमंत्री बनेगा? इस सबंध मे मै इनको बताना चाहता हू कि इस विधान सभा के एक सदस्य चौधरी लाल सिंह जी रहे है। वे 2–3 दफा चुनाव जीते भी है। चौधरी जगजीत सिंह टिक्का जी उनके मुकाबले चुनाव लडते थे। जब तीसरा चुनाव हुआ तो चौधरी लाल सिंह जी से किसी ने पूछा कि अब की बार कौन जीतेगा तो उन्होने उस वक्त जवाब दिया कि जीतेगा कौन यह पता नही लेकिन टीका जगजीत सिंह हारेगा जरूर। अध्यक्ष महोदय, मै चौटाला सहाब को बताना चाहता हू कि वे बनेगे या मै बनूंगा, लेकिन ये जरूर जांएगे। धन्यवाद।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, न ये बनेगे, न भजन लाल जी बनेगे, बल्कि जिन्दल साहब बनेगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जनतंत्र मे सरकार चुनती है, जनता सरकार गिराती है, जनता ने हमे 5 साल के लिए अवसर दिया है। 5 साल तक तो मै न इनके काढे कढं न उनके काढे कढ। 5 साल के बाद भी अगर यही कुकर्म रहे तो हम फिर आएगे। भाायद कृश्णपाल जी को पूरी बात का ज्ञान नही था। (विघ्न) आपके बनने के बाद तो आपने महिलाओ को पूरा मन सम्मान दिया है। मै यह बात समझ नही पाया था कि आपने तो महिलाओ की तरक्की करवाई है। दिल्ली की महिला पार्शद ने पुरूश को मारा है।

श्रीमती वीना छिब्बडः माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी भजन लल जी ने कहा कि अगर वह दोशी हुआ तो उसको दण्ड दिया जाएगा। इस का मतलब यह हुआ कि सदन के अनछर मै अपनी बात रख रही हू तो क्या मै झूठ बोल रही हू? क्या किसी महिला को आन्नद आता है कि वह किसी से मार पीट खाए? अध्यक्ष महोदय, मै बहुत वर्शो से राजनीति के साथ जुडी हुई हू और मुझे अपने कांग्रेसी साथियों के प्रति बडा दुख है। भले ही यह कोई और बात मुझे कह लेते लेकिन मै इनकी इस बात को कण्डम करती हू। यह इतनी बात कह देते कि बहन जी आपके साथ जो हुआ है वह ठीक नही हुआ। मेरे भाई चौधरी धर्मबीर सिंह जी दो वर्श से हमारे साथ रहे है। हमारे भाई कैप्टन साहिब ि ावानी काण्ड की बात ले आए। ये लोग नैना को इतनी जल्दी भूल गए और ि ावानी की याद आ गई लेनिक मै तो आपके समक्ष

बैठी हुई हू और अपनी बात कह रही हू लेकिन ये लोग मेरी आबरू का तो कोई ध्यान नही कर रहे है लेकिन दिल्ली की बात उठा रही है। भाई साहब आप क्या कहेगे? अभी विपक्ष के नेता कह रहे है लेकिन कोई भी महिला हो लेकिन मै तो इनकी साथी हू और हाउस के सामने अपनी व्यथा बता रही हू। आपके जिला के पूर्व पार्शद हरी ा सासन ने क्या किया ? मेरी बहन अनीता जी बोली हमे क्या कहती हो आप सरकार से कहो। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै सरकार को धन्यवाद देना चाहूगी। मै अभी बलदेव नगर कैम्प मे ही थी कि माननीय मुख्यमंत्री जी स्वय सिविल अस्पताल पंहुच गए तथा पूरा का पूरा प्र ाासन सजग हो गया। इन लोगो ने उसको छुपा कर गुमराह कर दिया। इनका वह आदमी छिपकर तथा सरदार का भेश बना कर आया। वह आदमी झूठा था अगर वह सच्चा होता तो सब के सामने आता। 15 दिन के बाद वह सरदार के भेश मे छिप कर आया और वहां पर जो इनकी महिला नेत्री है और हमारी वकील है, उसका ड्राईवर उसको कार मे लेकर आया। अध्यक्ष महोदय, अपराधी को छिपाना भी बहुत बडा अपराध है। माननीय हुडा साहब हरी ा सासन के घर पर गए, अपराधी की पीठ थपथपाने के लिए हुडा साहब उनके घर पर गए। मेरा सिफ फुट जाता और 20–25 टांके लगते क्या इनकी तसल्ली तभी होनी थी। उन्होने मुझे पानी मे भिगो दिया। इन्होने कहा कि बहन जी को तो कुछ हुआ ही नही, क्या मै मर जाती तभी कांग्रेस के लोगो को सन्तोश होता? इसलिए मै कहती हू कि महिला सब की साझी है। सब की बेटी, सब की बहन के नाते मुझे बहुत दुख है। अनीता जी कहती है कि सरकार को बोलिए। अध्यक्ष महोदय,

सरकार ने तथा प्र ाासन ने पूरा काम किया। मेरे सभी साथियों ने आ कर मुझे ढांढस बंधवाया। हुडा साहब, के ऊपर मुझे बडा दुखी और व्यथित है उसके पास नही गए। अगर वे मेरे घर आ जाते तो मेरा भी मनोबल बहुत बढ जाता कि वे एक बहन का हालचाल पूछने के लिए आए है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै यह बात बिल्कुल सच कह रही हू कि मुझे दो बार पानी के अंन्दर डुबौया तथा छतरियो से मेरे ऊपर वार किया (विघ्न) बहन जी, आप इस बात को छोडिये, आप भी महिला है। हम नही चाहते कि किसी बहन अथवा महिला के साथ कोई दुर्व्यवहार हो। अध्यक्ष महोदय, मै एक महिला पार्शद का वाक्या बताती हू। हमारी अम्बाला भाहर के अन्दर सन्तोश जैन कांग्रेस की महिला पार्शद थी। महिला दिवस के दिन इन्ही के कांग्रेसी पार्शद ने उसको चप्पलो के साथ पिटाई की थी। उस समय मै तो बी0जे0पी0 मे थी लेकिन महिलाओ की दो बसे भरकर मै डी0सी0 के आफिस मे गई थी और उसके लिए मैने लडाई लडी थी, सघर्श किया था तथा डी0सी0 साहब, को ज्ञापन भी दिया था। महिला का सम्मान पहले है पार्टी बाद मे है। यह मै बता देना चाहती हू कि किसी महिला का अपमान करना बहुत महंगा पडेगा। कमी ये लोग कहते है कि इस बात का राजनीतिक रंग दे रहे है। वह मुर्गिया और अण्डे बेचता है मेरे साथ उसकी क्या राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा हो सकती है। इस तरह को कोई राजनीतिक रंग मै नही दे रही हू। मै यह चाहती हू कि किसी के साथ कोई अन्याय न हो और मेरे साथ जो हुआ है मुझे पूरा न्याय मिलना चाहिए इसीलिए मैने यह बात सदन के अन्दर रखी है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मुख्यमंत्री जी का

पुनः धन्यवाद करती हू कि इन्होने मुझे पूरा सहयोग दिया तथा मुझे ढांढस दिया तथा यह आ वासन दिया कि जो भी दोशी होगा वह बच नही पाएगा। (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै अम्बाला गया था और क्यो गया था, मै भी वहां पर महिलाओ की रक्षा करने के लिए ही गया था। मुझे यह खबर मिली थी कि उनकी बीवी, उनकी बहन और उनके और रि तेदारो के खिलाफ पुलिस झूठे केस दर्ज कर रही है। अपराधी कोई भी हो वह अलग बात है लेकिन किसी भी महिला के साथ अगर कोई अन्याय हुआ है तो राजनीति से ऊपर हो कर काम होगा और उस महिला की सुरक्षा और रक्षा करनी होगी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हुडा साहब, अब आप बैठिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्रीमती वीना छिब्बडः अध्यक्ष महोदय, मै इनसे एक बात कहना चाहती हू कि अगर वे महिलांए थी तो क्या मै महिला नही थी ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः श्री भूपेन्द्र सिह हुडा जी, आप इस वक्त सदन मे विपक्ष के नेता है और विपक्ष के नेता के नाते आपकी जिम्मेदारी इस सदन मे बढ जाती है। सर्वप्रथम आपकी इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि आया एफ0आई0आर0 मे किसी महिला का नाम है या नही? आप उस आदमी के घर मे महिलाओ को सात्वना देने चले गए। आप हमारी इस बहन के घर

जाते तो कुछ बात बनती। वैसे आपको कैसे पता चला कि वहां पर किसी महिला के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हुई है।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः मुझे किसी का फोन आया था। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः कैप्टन साहब, जी आप बैठ जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनसे यह पूछना चाहूंगा कि यह अनियमितता है कि नही? चौधरी भजन लाल जी ने अध्यक्ष महोदय, को एक पत्र लिख कर भेजा कि हमारी पार्टी की तरफ से सदन मे विपक्ष के नेता के तौर पर श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा को नामजद किया है। क्या यह जनतात्रिक तरीका है ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाएं। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खु ाी है कि भजन लाल जी ने एक बात को माना कि ये हमारे नेता है। (ाोर एवम व्यवधान) भजन लाल जी, आप यह बताए कि भूपेन्द्र सिंह हुडा जी आपके सदन के नेता है कि नही। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए। भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने एक बात मुझे कही है कि मै उसको पूरा कर देता हू।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाए। भजन लाल जी जो कुछ भी कह रहे है। उसको रिकार्ड नही किया जाए।

चौधरी भजन लालः .....

श्री अध्यक्षः भजन ल ाल जी की कोई भी बात रिकार्ड नही की जाए। (ाोर एवम व्यवधान) आज अपनी सीट पर बैठ जांए। राम कि ान जी, आप बोले आप क्या बोलना चाहते है। (ाोर एवम व्यवधान) भजन लाल जी, आपकी कोई बात रिकार्ड नही की जा रही है। इसलिए आप बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, जेा हमारी बहन के साथ हुआ वह बहुत ही निन्दनीय है। इसके अलावा जो भजन लाल जी ने न्याय मिलेगा वाली बात की है तो मै इस बारे मे एक बात बताना चाहूंगा। (ाोर एवम व्यवधान) भजन लाल जी, जो बात नही होगी मुझे अपनी बात कहने दो। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये एक ऐसी महिला को प्रधानमंत्री बनाने की बात कह रहे है जो कि इटली की महिला है। अब इससे बडा अन्याय क्या हो सकता है ? (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये लोग एक इटली की महिला को प्रधानमंत्री बनाने की सोच रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये क्या बात कर रहे है आपका इनकी इस बात को कार्यवाही से निकाल देना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीट पर बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री राम कि ान फौजीः अध्यक्ष महोदय, ये एक इटली की महिला को प्रधानमंत्री बनाने की बात कर रहे है इससे बडा अन्याय क्या होगा ? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह, आप अपनी सीट पर बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान) भजन लाल जी, आप भी बैठे।(ाोर एवम व्यवधान) ये जो कुछ भी बोल रहे है कुछ भी रिकार्ड नही किया जाए।

कैप्टन अजय सिंहः .....

श्री भजन लालः.....

श्री अध्यक्षः आप सब अपनी सीटो पर बैठ जांए।(ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने तो उस बात के लिए सोनिया गांधी का धन्यवाद भी किया था।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे। (विघ्न) कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। .. (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठ। (ाोर एवम व्यवधान) अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करे। (विघ्न) जय प्रका ा जी, आप बैठे। (विघ्न) कैप्टन साहब, आप बैठिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः स्पीकर साहब, आप इस बात पर अपनी रूलिंग दे कि जो इस सदन का सदस्य नही है क्या उसका नाम यहा पर लिया जा सकता है? वे विपक्ष की सम्मानित नेता है।

श्री अध्यक्षः लेकिन उनका नाम नही लिया गया है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, उनका नाम लिया गया है। कृपया आप इस बारे मे अपनी रूलिंग दे। आप उनका नाम कार्यवाही से निकलवा दे।

श्री अध्यक्षः उनका नाम नही लिया है। फिर भी अगर उनका नाम लिया गया है तो यह कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हुडा साहब विपक्ष के नेता है। हमारी साथी श्रीमती वीना छिब्बड के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ है और जिस तरह से इस बारे मे अखबारो मे भी छपा है अध्यक्ष महोदय, उससे आप भी आइडिया लगाएं। हमारे परिवार समाज मे, देहात मे रहने वाले परिवार है और पार्टी भी एक परिवार ही होती है। अगर उस परिवार का कोई सदस्य गलती कर देता है तो उस परिवार के मुखिया की जिम्मेदारी होती है कि वह उस गलती को कबूल कर ले और आईन्दा से अपने परिवार को सभांले। (विघ्न)

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः स्पीकर साहब, वीना छब्बड जी के साथ जो व्यवहार अम्बाला मे हुआ है उसको कैप्टन साहब नाटक कर रहे है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब, आप बैठिए। उनकी कोई बात रिकार्ड न करे। (विघ्न) गुर्जर साहब, आप बैठे। कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड नही हो रही है। (विघ्न) बलबीर सिह जी, आप अपनी बात एक मिनट मे समाप्त करे। (विघ्न) बहन जी आप बैठ जाइए। बहत सरिता जी व अनतीा जी आप दोनो बैठ जाइए। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस प्वायंट को खत्म करिए। हमने कह दिया है कि हमे इस बात का बहुत अफसोस है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाह रहा था कि भूपेन्द्र सिह हुड्डा अम्बाला मे उन अपराधियों के घर गए है जिन्होने वीना जी की पिटाई की है। ये अपाराधियों के घर जाकर अपराध को बढाव दे रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) इससे स्पश्ट जाहिर है कि एक तरफ तो बहन जी की पिटाई की है और एक तरफ उनके नेता को यह मान लेने से ऐतराज है (ाोर एवम व्यवधान) महिला सोनिया गांधी भी है और महिला वीना छिब्बर भी जी है। (ाोर एवम व्यवधान) यह गुडागंर्दी ये ही कर सकते है। (ाोर एवम व्यवधान) इससे सरेआम बदमा ाी को बढावा मिलता है। अगर भूपेन्द्र सिंह हुडा अम्बाला गए है उस दोशी के घर गए

है जिसने यह जुल्म किया है तो हाउस मे हुडडा जी को माफी मांगनी चाहिए। यह मेरा सुझाव है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः बलबीर जी, मै आपसे ज्यादा महिलाओ का मान् सम्मान करता हू जिन लोगो ने यह किया है आप उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कराओ। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बलबीर जी, आप बैठ जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जो अखबार मे छपा है.....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा काम रोको प्रस्ताव आया था उसके बारे मे क्या निर्णय लिया गया है, कृप्या मुझे बताया जाए।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, उसको कांलिग अटै ांन मे कवर्ट कर दिया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा काम रोको प्रस्ताव पहले आया था, इनका बाद मे आया है इसलिए इस प्रकार की ...नही चलेगी।

श्री अध्यक्षः अनपार्लियामैटरी भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए। राजेन्द्र सिंह बिसला, आपका और भूपेन्द्र सिंह हुडा,

तीनो का कांलिंग अटै ान क्लब कर दिया गया है। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप इस बारे मे अपनी रूलिंग दे कि इनका कांलिंग अटै ांन मो ान आपको कब मिला और मेरा काम रोको प्रस्ताव आपको कब मिला।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, राजेन्द्र सिंह बिसला का कांलिंग अटै ान मो ान 20 तारीख को आया है और आपका काम रोको प्रस्ताव 22 तारीख को आया है।

कैप्टन अजय सिह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप ओथ लेकन कर सकते है कि इनका पहले आया है?

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठे। जितना दिमाग आप मे है उसका मुझे पता है, आपको याद तो रहता नही है। (ाोर एवम व्यवधान) बिसला जी, आप अपना नोटिस पढे।

Shri Rajinder Singh Bisla: Sir, I want to draw the attention of this august House towards and important matter of recent occurrence regarding the situation, which has arisen on account of drought in the State of Haryana particularly.

वाक आउट

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जो अखबार मे छपा है.....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, ये एक अहम मुद्दे पर बोलना चाहते है, इसलिए इनको दो मिनट का समय बोलने के लिए दे दिया जााए।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, आप अपने 20 मैम्बर पर काबू रखे, जब आप इसको 21 वा मैम्बर बना लोगो तो इसको बोलने का समय दे देगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल की कोई बात रिकार्ड न की जाए। मुझे लगता है आप वाक आउट करेगें। आपने इस बारे मे लिखकर तो कुछ नही दिया, केवल अखबार उठाए हुए फिर रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) बिसला जी, आप कंटीन्यू करे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, अगर आप मुझे अपनी बात कहने के लिए समझ नही दे रहे है तो मै एज प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करता हू।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल सदन से वाक आउट कर गए।)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

राज्य मे सूखे की स्थिति सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः बिसला जी, अपना काल अटै ांन मो ान पढ दे।

Shri Rajinder Singh Bisal: Sir, I want to draw the attention of this august House towards an improtant matter of recent occurrence regarding the situation which has arisen on account of drought in the State of Haryana particularly in the suthern part of Haryana. As we are aware, there is acute shortage of rainfall in our country particularly in the Haryana State on account of which the cropos have been damaged cusing a loss to the farmer and a great shortage of fodder in the State. Besides other things, pepole are facing a great problem of drinking water also.

Keeping in view the urgent public importacne of the matter he requests the Government to make a statement on the floor of the House in this regard.

श्री ओमप्रका ा चौटालाः इससे सबंधित जितने भी नोटिस है वे सारी इसी मे क्लब कर दिए जाये।

श्री अध्यक्षः जैसे कि मैने पहले बताया है, सूखे के बारे मे सर्व श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा, भजन लाल, कैप्टन अजय सिंह यादव, डाक्टर रघुबीर सिह कादियान, भाादी लाल बतरा और जितेन्द्र सिंह मलिक ने काम रोको प्रस्ताव दिया था और श्री कर्ण सिंह दलाल ने कांर्लिंग अटै ांन मो ान दी थी। ये दोनो प्रस्ताव बिसला जी के कालिंग अटै ांन मो ान के साथ क्लब कर दिये गये है। अत ये सभी सदस्य मंत्री के बाद सूखे के बारे मे एक एक क्वै चन पूछ सकते है।

वक्तव्य

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण संबधी

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, मानसून वर्शा खरीफ की फसलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है किन्तु चालू खरीफ मौसम के जून/जुलाई महीने मे पूरे राज्य मे छुट पुट वर्शा हुई जो कि सामान्य वर्शा से निम्न विवरण अनुसार 45 से 93 प्रति ात कम रही। मानसून के असफल हो जाने से खरीफ की फसले कई प्रकार से प्रभावित हुई है। काफी क्षेत्र बिना बिजाइ के रह गया है और जिन क्षेत्रो मे बिजाई हुई वहां भी फसलो की स्थिति बिल्कुल खराब है, जिसके फलस्वरूप कुल उत्पादन मे कमी होगीः–

(आकडे मिली मीटर मे)

मास	सामान्य वर्शा	वास्तविक वर्शा	अन्तर (प्रति ात)
जून	48.3	26.7	–45
जुलाई	186.3	13.43	–93
अगस्त	167.2	67.51	–60

2. खरीफ मौसम मे निर्धारित बिजाई लक्ष्य 27.96 लाख हैक्टेयर की तुलना मे 19.21 लाख हैक्टेयर क्षेत्र मे ही दिनांक 8.8. 2002 तक बिजाई हो सकी और 8.75 लाख हैक्टेयर क्षेत्र बिना बिजाई के रह गया। तदानुसार दिनांक 8.8.2002 को सभी तथ्यो को ध्यान मे रखते हुए पूर्ण राज्य को सरकारी तौर पर सूखा से

प्रभावित घोशित किया गया था। दिनांक 13 व 14 अगस्त व मास के अन्त मे अच्छी वर्शा के फलस्वरूप जिला अम्बाला, यमुनानगर, पंचकूला, करनाल, कुरूक्षेत्र, कैथल, फरीदाबाद, झज्जर तथा सोनीपत व गुडगांव के कुछ हिस्से मे स्थिति मे कुछ सुधार हुआ है। यह सूचित किया गया है कि 45000 हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र मे धान की रूपाई हुई है और 33000 हैक्टेयर क्षेत्र मे चारा फसल की बिजाई हुई है।

3. खडी फसलो मे हुई हानि का क्षेत्र एवम फसलवार मात्रा भिन्न भिन्न है। सबसे अधिक प्रभावित फसले बाजरा, गवार, खरीफ दलहन व खरीफ तिलहन है क्योंकि यह फसले मुख्यतया दक्षिण पि चम हरियाणा के वर्शा पर निर्भर क्षेत्र मे बोई जाती है। कृशि विभाग के फौरी अनुमान अनुसार 4.95 लाख हैक्टेयर क्षेत्र मे भात प्रति ात नुकसान हुआ है, 3.52 लाख हैक्टेयर क्षेत्र मे 50 प्रति ात तथा 9.69 लाख हैक्टेयर मे 25 प्रति ात से अधिक नुकसान हुआ है। बागवानी की फसलो मे भी 25 से 75 प्रति ात तक का नुकसान हुआ है। सब्जियों के अन्तर्गत 22265 हैक्टेयर क्षेत्र मे 50 प्रति ात से अधिक नुकसान का अनुमान है जबकि 16865 हैक्टेयर क्षेत्र मे 25 प्रति ात से अधिक नुकसान हुआ है। परन्तु व्यक्तिगत क्षेत्र मे फसलो के नुकसान की वास्तविक स्थिति गिरदावरी रिपोर्ट से ही स्पश्ट हो पाएगी जो कि संकलित की जा रही है।

4. सूखे की स्थिति से दुधारू प ाुओ की उत्पादकता, प्रजनन एवम रोग निरोधक भाक्ति पर विपरीत असर हुआ। जिसके दृश्टिगत प ा वि ोश स्वास्थय देखभाल कैम्प तत्काल आयोजित

किये जा रहे है और यह सूखा से प्रभाव कम होने तक जारी रहेगे। राज्य सरकार द्वारा प ाुओ के लिए दवाईयां इत्यादि खरीदने हेतू अब तक 3.00 करोड रूपये जारी किये गये है। गांवो के तालाबो मे प ाुओ के पीने के पानी की कोई कमी नही है। जिसके लिए गांवो के तालाबो को काम के बदले अनाज प्रोग्राम के तहत खुदवाने के वि ोश उपाय किये गये थे और उन्हे पानी से भरवाया गया।

5. सम्पूर्ण आंकलन करने उपरान्त उपायुक्तो ने सूचित किया है कि राज्य मे फिलहाल चारे की कोई कमी नही है। फिर भी सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवानी, तथा महेन्द्रगढ जिलो मे कम वर्शा होने के कारण इन जिलो को चारा की आव यकता के लिए दूसरे जिलो के साथ सम्बद्ध किया गया है।

6. मानसून आने मे अभूतपर्व देरी और गर्म हवांए जारी रहने के कारण बिजली की मांग मे अचानकर बढोतरी हो गई है। पिछले वर्शो की तुलना मे इस वर्श खरीफ मौसम मे बिजली की मांग मे 25 से 30 प्रति ात की बढोतरी हुई है। हरियाणा विधुत प्रसारण निगम द्वारा उतरी ग्रिड सहित अन्य सभी स्त्रोते से अधिकतम बिजली प्राप्त करने का प्रयत्न किया। इस वर्श सप्लाई की गई बिजली का पिछले वर्श के आकडो से तुलना करने से स्पश्ट है कि वर्श 1998–99 के मास अप्रैल से अगस्त तक 367 लाख युनिट प्रतिदिन थी, वर्श 2001–02 मे 475 लाख युनिट प्रतिदिन तथा इस वर्श 2002–03 मे 551 लाख यूनिट प्रतिदिन थी जो वर्श 1998–99 की तुलना मे 50 प्रति ात अधिक है। इसके ठीक आकडे नीचे दिये जाते हैः–

औसतन बिजली सप्लाई प्रति दिन (लाख यूनिट)

मास	1998–99	2001–02	2002–03	वर्श 1998–99 की तुलना मे प्रति ात बढौतरी	वर्श 2001–02 की तुलना मे प्रति ात बढौतरी
अप्रैल	334	384	440	32	15
मई	364	423	498	37	18
जून	394	490	556	41	14
जुलाई	424	538	624	47	16
अगस्त	422	565	633	50	12
औसत	367	475	551	50	16

7. पिछलें वर्श 613.75 लाख यूनिट बिजली सप्लाई रिकार्ड के विरूद्ध दिनांक 20.8.2002 को 698 लाख यूनिट बिजली सप्लाई करके राज्य द्वारा कीर्तिमान स्थापित किया गया। पिछले वर्श दिनांक 29.8.2001 को 2900 मैगावाट पीक लोड की तुलना मे इस वर्श दिनांक 22.7.2002 को 3325 मैगावाट पीक लोड रिकार्ड किया गया।

8. कृशि क्षेत्र को अधिक हिस्सा मिला है जंहा कि वर्श 1998–99 से 2001–2002 तक बढोतरी 33 प्रति ात हुई है जो कि

वर्श 1998–99 मे औसतन 184 लाख यूनिट प्रतिदिन की अपेक्षा 2001–02 मे 244 लाख यूनिट प्रतिदिन वितरित की गई थी जबकि 2002–03 मे 285 लाख यूनिट प्रतिदिन वितरित की गई है। आपसी मिलान के आकडे निम्न प्रकार है:–

औसतन बिजली सप्लाई प्रति दिन (लाख यूनिट प्रति दिन)

मास	1998–99	2001–02	2002–03	वर्श 1998–99 की तुलना मे प्रति ात बढौतरी	वर्श 2001–02 की तुलना मे प्रति ात बढौतरी
अप्रैल	156	177	196	26	11
मई	177	195	236	34	22
जून	201	244	283	41	16
जुलाई	221	283	345	56	22
अगस्त	224	307	364	63	19
औसत	184	244	286	55	17

9. किसानो को टयूबवैल चलाने के लिये 7 घण्टे प्रतिदिन बिजली की सप्लाई सुनि ित की जा रही है और इसके अतिरिक्त रो ानी के लिये बिजली प्रतिदिन 10–11 घण्टे दी जा

रही है। पिछले साल की तुलना मे इस वर्श सप्लाई की जा रही बिजली के तुलनात्मक आकडो के स्पश्ट है कि राज्य मे बिजली सप्लाई मे काफी वृद्धि हुई है। बिजली सप्लाई के तुलानतामक आकडे नीचे दिये जा रहे है:–

आकडे लाख यूनिट प्रति दिन

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त
2001 2002	2001 2002	2001 2002	2001 2002	2001 2002
384 440	423 498	490 656	538 628	565 633

10. राज्य सरकार द्वारा विभिन्न स्त्रोतो से अतिरिक्त बिजली खरीदने के असाधारण प्रयत्न किये गये है। हाल ही मलाना हाईड्रोलिक प्रोजैक्ट जो हिमाचल प्रदे ा मे स्थापित है, से बातचीत द्वारा 68 मैगावाट बिजली प्राप्ति के फलस्वरूप राज्य मे दिनांक 5.7.2002 से प्रतिदिन 17–18 लाख यूनिट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध हुई है। साथ साथ राज्य के अपने फरीदाबाद तथा पानीपत थर्मल पावर स्टे ानो मे भी वि ोश मुरम्मत तथा रख रखाव करके बिजली उत्पादन बढाया गया है।

11. राज्य द्वारा उतनी ग्रिड से प्रतिदिन 80–100 लाख यूनिट अतिरिक्त बिजली प्राप्त की जा रही है जो कि औसत रेट से ज्यादा मंहगी है। सरकार द्वारा पावर यूटीलिटी को निर्दे ा दिये गये है कि सभी बिजली उत्पादन स्त्रोतो का पता लगाकर बिजली

उपलब्धता को बढाया जाये और मानसून देरी से आने के कारण किसानो को सिचाई के लिये अधिक से अधिक बिजली की मांग को पूरा करने मे सहायता की जाये।

12. अगस्त 2002 तक 28 नये ग्रिड सब स्टे ान तथा 122 उप स्टे ान स्थापित करके बिजली ट्रासमि ान तथा वितरण सिस्टम को बडे स्तर सुदृढ किया गया है। उपभोक्ताओ की बिजली की मांग को पूरा करने के लिये 15000 से अधिक वितरण ट्रांसफारमर्ज और लगाये गये है।

13. पावर सैक्टर द्वारा किये प्रयत्नो से अच्छे परिणाम मिले है जिससे कृशि क्षेत्र को सूखे की अवधि मे नियमित बिजली सप्लाई की जानीह सम्भव हो सकी।

14. सिंचाई विभाग द्वारा आव यक सेवांए जैसे पीने का पानी, तालाब भरने तथा सिचांई उद्दे ाय के लिए अधिकतम नहरी पानी की उपलब्धता को सुनि चत किया गया है। पिछले वर्श तथा इस वर्श जल आपूर्ति का तुलनात्मक ब्यौरा नीचे दिया जाता है:–

मास	एच0सी0पी0 पर (क्यूसिक मे)		ताजे वाला हैड पर पि चमी यमुना नहर (क्यूसिक मे)	
	2001	2002	2001	2002
अप्रैल	3847	8066	2535	4293

मई	6371	9568	3256	5896
जून	7088	9683	3992	4805
जुलाई	7764	9246	9413	6039
अगस्त	9019	8482	11819	10374

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः नो–नो, कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है इसलिए आप बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुने। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न करे। (ाोर एवम व्यवधान) भजन लाल जी, You are not permitted आपकी कोई बात रिकार्ड नही हो रही है इसलिए आप बैठे। (विघ्न) आपको प्रोसीजर का पता होना चाहिए। (विघ्न) आपको प्रोसीजर का तो कोई पता नही है। (ाोर एवम व्यवधान) मंत्री जी स्अेटमैंट दे रहे है उन्हे स्अेटमैंट तो देने दें (विघ्न) अब इनको कौन समझाए (विघ्न) आप रूल 73 का (ii) पढे इसमे दिया हुआ है–

There shall be not debate on such statement at the time

17.00 बजे

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा एक आदे ा पारित किया गया और मै उसका स्वागत करता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः हुडा जी आप रूल 73 की क्लाज (II) पढ ले। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, यह हमने पढ लिया है आप हमे बोलने का समय दे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सम्मानित साथी जी को यह बताना चाहूंगा कि हाउस की प्रथा रही है कि जिन जिन साथियो ने इस बारे मे लिखकर दिया है उन सबको इस बारे मे एक एक सप्लीमैटरी **धीरपाल** पूछने का मौका दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी आप अपना उतर पढे।

श्री धीर पाल सिंहः ठीक है जी, मै अपना जवाब पढता हू।

15. सिचाई विभाग द्वारा निम्न उद्दे यो के लिये आपूर्ति सुनि ित की गई है:–

(क) आव यक सेवाये जैसे मनुश्यो तथा प ाुओ के लिये पीने का पानी। जोहड भरने तथा वाटर वर्कस के लिये जल आपूर्ति को प्राथमिकता दी गई। आव यक जल आपूर्ति मे कमी की कोई सूचना प्राप्त नही हुई है।

(ख) समस्त राज्य मे पूर्व निर्धारित नहरी भाड्यूल अनुसार फसलो के लिये पर्याप्त सिंचाई पानी उपलब्ध करवाना सुनिि चत किया गया। पिछले वर्श की तुलना मे इस वर्श भाखडा से अधिक सप्लाई की गई ताकि मानसून देरी से आने के प्रभाव को दूर किया जा सके।

16. सूखे की स्थिति से निपटने के लिए तथा ग्रामीण व भाहरी क्षेत्रो मे जल वितरण व्यवस्था मे सुधार लाने के लिए जन स्वास्थय विभाग द्वारा निम्नलिखित रिलीफ कार्य किए गए है:–

1. पेयजल की मूल आवयकता को सुचारू बनाने के लिये चालू वित वर्श के दौरान 265 कम गहराई वाले लगाए गए नलकूप बहुत लाभदायक रहे है। इनमे से 109 नलकूप राज्य के दक्षिणी भाग मे लगाए गए है।

2. राज्य के दक्षिणी भाग मे पेयजल स्त्रोतो मे वृद्धि के लिए 24 पंचायती नलकूप और 25 पंचायती कुंए अपनाये गये है।

3. पेयजल की उपलब्धता मे सुधार के लिए चालू वित वर्श के दौरान ग्रामीण व भाहरी क्षेत्रो मे 183 अतिरिक्त नलकूप लगाए गए है। इनमे से 105 नलकूप दक्षिणी हरियाणा क्षेत्र मे स्थित है।

4. भाहरी क्षेत्रो व दूर के गांवो मे जहां भू जल खारा है और नहरी पानी की उपलब्धता भी कम हो गई है ऐसे इलाके मे क्लोरीने ान करके टैकरो द्वारा पेयजल दिया जा रहा है भाहरी व ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के लिए अप्रैल, 2002 से अब तक टैकरो

द्वारा 7300 से अधिक चक्कर लगाए जा चुके है। इनमे से 7057 चक्कर राज्य मे दक्षिणी भाग मे स्थित गावों व भाहरो मे लगाए गए है।

17. राज्य सरकार ने प्रभावित किसानों को निम्नलिखित सहायता प्रदान की है:–

(क) खरीफ फसल 2002 का आबियान माफ किया गया है।

(ख) सहकारी अल्पावधि ऋणो को मध्यावधि ऋणो मे परिवर्तित किया गया है।

(ग) जहा खरीफ फसल मे खराबा 50 प्रति ात या इससे अधिक पाया जायेगा, वहा के कृशि नलकूपो के बिजली के बिल 6 मास के लिए स्थगित किया जाएगे।

(घ) वि ोश गिरदावरी 5.8.2002 से 20.8.2002 तक करवाई गई है वि ोश गिरदावरी के परिणाम प्राप्त होने पर प्रभावित किसानों को राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा निर्धारित नार्मज अनुसार राहत प्रदान कर दी जाएगी।

(ड) विभिन्न विभागो को तत्काल राहत के लिये 16.00 करोड रूपये की रा ि ा जारी कर दी गइ है जिसका विवरण निम्न प्रकार है:–

क्र0 स0	विभाग का नाम	उद्दे ाय	रा ि ा करोडो मे

1.	कृशि विभाग	वैकल्पिक फसलों के बीजो तथा जिप्सम के लिए	3.00
2.	जन स्वास्थय विभाग	ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रो मे पानी की व्यवस्था करने बारे	8.00
3.	प ुपालन विभाग	प ुओ की दवाईया खरीदने के लिए	3.00
4.	स्वास्थय विभाग	दवाईयां खरीदने के लिए	2.00
		योग	**16.00**

18. राज्य मे सूखा की स्थिति और इसके प्रभाव को उचित ढंग से नियन्त्रित करने का मामला पहले ही भारत सरकार के साथ टेक अप किया हुआ है। जिसमे 1107.63 करोड रूपये की वितीय सहायत के साथ 9.52 लाख मी0 टन गेहू की भी मांग की गई है।

19. उपरोक्त के दृश्टिगत मे इस महान सदन को आ वासन दिलाना चाहता हू कि सरकार राज्य मे सूखे की स्थिति से पूरी तरह जागरूक है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुने।

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिए। आपके बाद मे बोलने का मौका मिलेगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, आज सुबह बी0ए0सी0 की मीटिंग मे भी यह बात हुई थी कि ड्राउट पर बोलने के लिए हर मैम्बर को बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, आपका एडजर्नमैंट मो ान कांलिंग अटे ांन मो ान मे कवंर्ट कर दिया गया है। अब आप बैठे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, सूखे के बारे डिस्क ान मे अगर कोई मैम्बर बोलना चाहता है तो वह पार्टीसिपेट कर सकता है। बी0ए0सी0 की मीटिंग मे भी यह बात हुई थी।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, आपका सुखे के बारे मे जो मो ान था उस पर केवल सात मैम्बर्ज के ही दस्तख्त है इसलिए अब वे मैम्बर्ज ही सूखे की डिस्क ान पर सप्लीमैटरी करेगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, सूखे पर तो सब मैम्बर्ज बोलना चाहते है।

श्री अध्यक्षः सब मैम्बर्ज के तो इस मो ान पर दस्तख्त नही है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः सबके दस्तख्त नही है तो कोई बात नही लेकिन सब मैम्बर्ज सूखे की डिस्क ान मे भाग लेना चाहते है। पूरा प्रदे ा सूखे की चपेट मे है इसलिए आप सभी मैम्बर्ज को इस डिस्क ान मे भाग लेने दे।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, अब आप बैठे। आपको बोलने का मौका मिलेगा। भजन लाल जी को भी बोलने का मौका मिलेगा। जितेन्द्र सिंह मलिक भी सूखे के ऊपर जो डिस्क ान होगी, उस पर बोल सकते है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, प्रजातंत्र मे हाउस की मर्यादा रखी जाती है लेकिन यहा तो हाउस का गला घोटा जा रहा है।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, आप बैठे। अभी मंत्री जी ने इस बारे मे एक स्टेटमैन्ट दी है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, क्या आप समझते है कि इस तरह से हमारी आवाज दबा दी जाएगी। सूखे पर मैम्बर्ज को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। सभी मैम्बर्ज चुनाव लडकर और जीतकर यहां पर आए है और वे अपने अपने क्षेत्रो की बात यहा पर कहना चाहते है इसलिए आप सभी मैम्बर्ज को यहां पर बोलने का मौका दे।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, बगैर चुनाव जीते असैम्बली के अंदर नही आया जा सकता। यह तो ईम्पलायड है, यह तो फैक्ट है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, आप हमारे राईट को प्रोटैक्ट करने के लिए अध्यक्ष है। बी0ए0सी0 की मीटिंग मे भी यह बात हुई थी कि सभी सदस्यो को सुखे पर बोलने का मौका दिया जाएगा। स्पीकर साहब, यह बात हुई थी कि जो सदस्य चाहे वह जितनी भी देर बोलना चाहे उनको पूरा समय बोलने के लिए दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री जी ने कही थी।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, अब आप बैठे। आपको बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः स्पीकर साहब, अगर आप यह कहें कि सूखे पर सभी मैम्बर्ज को बोलने का मौका मिलेगा तो हम बैठ जाते है।

श्री अध्यक्षः जो सिगनेटरीज है वे ही बोलेगे। इसलिए अब आप बैठिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः लेकिन स्पीकर साहब, सूखे पर तो हर मैम्बर बोलना चाहता है।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, जिम्मेदार सदस्य सदन मे बैठे है इनका रूल्ज के मुताबिक पता होना चाहिए कि कांलिंग अंटे ान मो ान पर केवल वही लोग अपने सवाल पूछे सकते है जिनके उस पर सिगनेचर है या जिन्होने कांलिंग अटें ान मो ान दिया है। इनका तो अध्यक्ष महोदय का आभारी होना चाहिए कि उन्होने सबको अलाऊ कर दिया वरना कायद्र कानून के मुताबिक एक ही मो ान अलाऊ

किया जाता है जबकि अध्यक्ष महोदय, ने तो सबको क्लब कर दिया। मै इनको बताना चाहता हू कि सबको मौका दिया जाएगा।

चौधरी भजन लालः आप बताए कि सवाल पूछने का मौका दिया जाएगा या बोलने का मौका दिया जाऐगा?

श्री ओमप्रका ा चौटालाः सवाल पूछने का मौका दिया जाएगा। यही तो रूल्ज मे है। अध्यक्ष महोदय, इनके पास कुछ कहने को तो होता नही। ये तो वाक आउट करने पर ज्यादा जोर देते है। हमे यह दिखाई दे रहा है कि ये भागेगे। अध्यक्ष महोदय, आप इनको रूल्ज समझा दे। ये बाहर तो अखबारो मे बयान दे देते है लेकिन सदन मे इनकी घिग्गी बंध जाती है। इसलिए ये यहां पर हाउस का समय बर्बाद करते है। अध्यक्ष महोदय, हाउस के कायदे कानून बने हुए है इसलिए ये कानून की उल्लघंना कैसे करेगे? वे रूल्ज विधान सभा ने ही बनाए हुए है।

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, हम गैर कानूनी बात नही करना चाहते लेकिन प्रदे ा मे अकाल पडा हुआ है इसलिए हमारा कहना यही है कि सूखे की डिस्क ान पर सबको बोलने का मौका दिया जाए।

श्री अध्यक्षः आप बैठे। अब बिसला की अपना सवाल पूछेगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः स्पीकर साहब, मेरे इस कांलिंग अटें ान मो ान का रिप्लाई देते हुए आदरणीय मंत्री जी ने बताया है। (विघ्न) भजन लाल जी, मैने यह मो ान मूव किया

है इसलिए मै इस पर अपने सवाल पूछने के लिए एनटायटल्ड हू मै सवाल पूछ सकता हू।

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि रूल्ज मे ऐसा प्रोविजन नही है ठीक है रूल्ज मे ऐसा नही है लेकिन यह भी अन प्रेसीडैन्टिक है कि इतना भारी अकाल जब से हरियाणा प्रदे ा बना है तब से लेकर आज तक नही पढा है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि सूखे पर डिबेट मे सभी मैम्बर्ज को बोलने का टाईम दे।

श्री अध्यक्षः आप यहां पर तो बोलते है लेकिन मो ान पर दस्तख्त करते नही है। आप दस्तख्त करने मे भी कजूंसी करते हो।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, एडजर्नमैन्ट मो ान पर चाहे एक आदमी के दस्तख्त हो या सात आदमियों के दस्तख्त हो लेकिन सब मैम्बर्ज इस पर बोल तो सकते है।

राव इन्द्ररजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पहले हम यह जानना चाहते है कि इस विशय पर आपने फेसला क्या किया है?

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। (ाोर एव व्यवधान) भजन लाल जी, आप भी बैठ जाइए।

वाक आउट्स

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने हमारी ऐडजर्नमैंट मो ान काल अटै ान मो ान मे कन्वर्ट कर दी है और उस पर भी आप हमारे सभी सदस्यो को बोलने का मौका

नही दे रहे है इसलिए ऐज प्रौटैस्ट हम सदन वाक आउट करते है।

(इस समय भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस के सदन मे उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के वो एम0एल0ए0 बोल सकते है जिन्होने साइन किये है। आप लोग सप्लीमैट्री पूछिए। भूमिका बनाकर आप पूछ सकते है। सात सदस्यो को बोलने का मौका दिया है।

श्री जगजीत सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः जगजीत सिहं सांगवान बगैर परमी ान लिये हुए बोल रहे है, इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए। बिसला जी, आप अपनी सप्लीमैट्री पूछे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, हमारे मंत्री जी ने बताया है कि (ाोर एवम व्यवधान)

श्री जगजीत सिंह सांगवानः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का मौका नही दे रहे है इसलिए मै ऐज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक अउाट करता हू।

(इस समय भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदस्य सदन मे उपस्थित एक मात्र विधायक श्री जगजीत सिंह सांगवान सदन से वाक आउट कर गए।)

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे अपनी बात कहने का मौका दे।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के दो विधायक कैप्टन अजय सिंह व डा0 रघुबीर सिंह कादयान वाक आउट करके नही गए है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह वाक आउट करके नही गए है। (ाोर एवम व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हम वाक आउट करके गए थे फिर वापस आ गए है।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः दोबारा वापस आए है। वाक आउट करके गए थे।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। नही तो आपके लिए डाक्टर बुलाने पडेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

वक्तव्य

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय,.....
....

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाइए, ये बगैर परमि ान बोल रहे है इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए, आपको सप्लीमैट्री का मौका दिया जाएगा, आप तीन बार मैम्बर बन

कर आ चुके है फिर भी आपको समझ नही आई। (ाोर एवम व्यवधान) ये मेरे से सीनियर है या जूनियर है। इस्तीफा दे दे या मै दे दूंगा। सीनियोरिटी का वहम है तो निकाल दे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः क्या इनको कहने का अधिकार है?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): हां, स्पीकर साहब, को कहने का अधिकार है, आपके खिलाफ एक ान लिया जाएगा। आपने स्वीकार की बेइज्जती की है, आप चेयर का सम्मान करना नही जानते है। इनके खिलाफ एक ान लिया जाए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः ले लीजिए एक ान।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। ये जो अनपार्लियामैन्टरी भाब्द कहे गए है, उन्हे रिकार्ड न किया जाये।

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः .....

श्री अध्यक्षः रघुबीर सिंह कादियान की कोई बात रिकार्ड न की जाए। आप बैठिए।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, हमारे मंत्री महोदय ने बहुत ही महत्वपूर्ण कांलिंग अटै ान नोटिस पर सारगर्भित वक्तव्य दिया है। सरकार ने पूर्ण ईमानदारी और निश्ठा के साथ किस प्रकार से सारे प्रदे ा के लोगो को ज्यादा से ज्यादा रिलीफ दिया जा सकता है, इस बारे मे सरकार के सारे प्रयासों के बारे मे सदन को अवगत कराया है। मै मंत्री जी से यह आग्रह करना चाहूंगा चूकि अध्यक्ष महोदय, आप भली भंति जानते

है कि हरियाणा एक कृशि प्रधांन दे ा राज्य है। सारे हिन्दुस्तान मे हरियाणा के लिए यह गौरव की बात है, हरियाणा जहां अपनी ऐतिहासिक परम्पराओं और उपलब्धियों के लिए माना जाता है, प ुधन के लिए हमारा प्रदे ा सारे हिन्दुस्तान मे नम्बर वन पर आता है। हरियाणा मे दुधारू प ु जैसे गाय भैंसे न केवल दे ा मे बल्कि दे ा से बाहर भी भेजी जाती है। जहां जहां सूखे का प्रभाव है वहा यह अनुभव किया गया है कि चारे की कमी होने की वजह से चारा बहुत ज्यादा महंगा हो गया है जो कि प ु पालक की आर्थिक क्षमता के बाहर है। 100 रूपये क्विंटल से ऊपर भूसे का रेट हो गया है। मेरा मंत्री जी से निवेदन है और प्र ान भी है कि जो गरीब आदमी, प ु पालक गांव मे है, वे मजबूर होकर अपने प ुओ को बेच न दे और मिल्क की प्रोडैक ान क्षमता कम न हो, प ु पालक गांव मे है, वे मजबूर होकर अपने प ुओ को बेच न दे और मिल्क की प्रोडैक ान क्षमता कम न हो, इसके लिए प्रयास किए जा रहे है, उनमे जोर दिया जाए। दूसरा इसके साथ साथ मै कहना चाहूंगा कि जहां जहा गन्ने की फसल होती है, वहा भी बारि ा न होने की वजह से किसानों पर बडी भारी मार पडी है। जहां गन्ना आज 6–7 फुट से ऊंचा होना चाहिएए वहा गन्ने की उचाई बहुत कम है, जितना भी भूगरकेन ग्रोइंग ऐरिया है वहां अब जितनी भी बिजली और पानी दिया जाए फिर भी भी नवम्बर दिसम्बर तक गन्ना अपने साइज का नही हो पाएगा। इसलिए मेरा निवेदन है मेरे इन दोनो सुझावो पर ध्यान दिया जाए ताकि प्रभावित किसानों को सहायत दी जा सके।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है जिन्होने सप्लीमैटरी देनी है वे अपनी अपनी सप्लीमैटरी दे दे मंत्री जी उनका इकटठा जवाब दे दे।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, आप सभी की सप्लीमैटरीज नोट कर ले। उसके बाद जवाब दे दे।

सदस्य का निलम्बन

वित मंत्री प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी 2–4 मिनट पहले जिस तरीके का व्यवहार हमारे आदरणीय साथी कैप्टन साहब, का रहा है वि ोकशकर चेयर के प्रति है। वे बडे अ ाोभनीय भाब्द कर रहे थे, मै उनको दोहराना नही चाहता। इन भाब्दो को देखते हुए ये इस लायक नही है कि ये विधानसभ की सिटिंग मे बैठ सके। इस बारे मै एक प्रस्ताव आपके सामने लाना चाहता हू। स्पीकर की चेयर सुप्रीम चेयर है। अगर आपकी चेयर की कोई इज्जत नही करेगा तो यह अधिवे ान एक सैकेड भी नही चल सकता। किसी भी पार्टी का मैम्बर हो चाहे रूंलिग पार्टी का मैम्बर हो, चाहे अपोजी ान का मैम्बर हो, सब का फर्ज बनता है कि चेयर की इज्जत करे और डेकोरम बनाये रखे ताकि पब्लिक इन्ट्रैस्ट की बातो का उठाया जा सके तथा सरकार उसका जवाब दे सके। हम सभी लोग आज हरियाणा की दो करोड से ऊपर जनंसख्या की सेवा के लिए यहां एकत्रित हुए है और जनता की भलाई के लिए ही यह अधिवे ान बुलाया गया है और विपक्ष के साथियों ने भी कहा था कि अधिवे ान बुलाया जाये लेकिन ये

लोग चेयर के प्रति व्यवहार ठीक नही रखते। इसलिए मै आपकी इजाजत से मो ान मूव करना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः ठीक है आप अपना मो ान मूव करे।

Finacne Minister (Prof Sampat Singh) Sir, I beg to move-

The Capt Ajay Singh Yadav be suspended from the service of the House for his misconduct, most irresponsible behaviour unbecomming of the Member of this august House and his grossly, disorderly, conduct in the House for the remiainder sitting of this week.

Mr. Speaker: Motion moved-

The Capt Ajay Singh Yadav be suspended from the service of the House for his misconduct, most irresponsible behaviour unbecomming of the Member of this august House and his grossly, disorderly, conduct in the House for the remiainder sitting of this week.

Mr. Speaker: Question is-

The Capt Ajay Singh Yadav be suspended from the service of the House for his misconduct, most irresponsible behaviour unbecomming of the Member of this august House and his grossly, disorderly, conduct in the House for the remiainder sitting of this week.

वाक आउट

डा0 रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मै कैप्टन अजय सिंह यादव की सस्पै ान के अगेस्टं एज ऐ प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

(इस समय इण्डियन नै ानल कांग्रेस पार्टी के सदस्य डा0 रघुबीर कादियान सदन से वाक आउट कर गये।)

वक्तव्य

नगर एवम ग्राम मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, क्या मुझे बोलने की इजाजत है?

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप कांलिंग अटै ांन मो ान पर सप्लीमैटरी पूछ सकते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, दूसरे विधायको ने भी कांलिंग अटै ांन मो ान और काम रोको प्रस्ताव सूखे के बारे मे दिया था इसलिए यह अकेले बिसला जी के नाम पर नही आना चाहिए था। इसमे मेरी भी और जिन दूसरे विधायको ने दिया था उनका भी नाम आना चाहिए।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आपने कांलिंग अटै ांन मो ान 27.8.2002 को दिया था और आपका नाम इसमे जोड दिया गया है इसी कारण तो आप सप्लीमैटरी पूछ रहे है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी धीरपाल जी ने कांलिग अटै ांन मो ान पर सरकार की तरफ से जो जवाब दिया है उस पर मुझे बेहद अफसोस है (विघ्न)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब आप सप्लीमैटरी पूछे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै सप्लीमैटरी पर ही आ रहा हू। चौधरी धीरपाल जी बहुत सीनियर सदस्य है और ये कई बार मंत्री भी रहे है। आज जो सूखे की वजह से हरियाणा प्रदे ा की हालत है वह सब जानते है कि हरियाणा के लोग सूखे से बहुत दुखी है। यह भी ठीक है कि सूखे की स्थिति कुदरत की देन होती है, इसे कोई टाल नही सकता। ऐसी स्थिति मे जनता यह उम्मीद रखती है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधी जो मौजूदा सरकार है उनका साथ देगी और उनके बीच आकर उनके दुख तकलीफो को देखेगी। लेकिन चौधरी धीरपाल जी ने सरकार की तरफ से जो जवाब पढा है उसे सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप सवाल पूछे। काफी देर से आप बोल रहे है लेकिन आपने अभी तक सवाल नही पूछा। दलाल साहब प्लीज आप मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उसमे आपको जो कमी महसूस हुई है उस बारे मे पूछे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै सवाल पर ही आ रहा हू और मै कोई गलत बात नही कर रहा, प्रदे ा के लोगो के हित की ही बात कर रहा हू। स्पीकर साहब, इनका कोई मंत्री और कोई अधिकारी सूखे के समय मे सूखे की स्थिति के सम्बन्ध मे सहानुभूति के तौर पर किसानों से मिलने के लिए उनके गावों

मे नही गया बल्कि स्वंय मुख्यमंत्री जी कुछ विधायको को लेकर विदे ा के दौर पर चले गए। अध्यक्ष महोदय, भारत के कृशि मंत्री चौधरी अजीत सिंह जी ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली मे पूरे भारत के राज्यो के कृशि मंत्रियों की बैठक बुलाई थी। मैने अखबारो मे पढा कि हरियाणा की तरफ से सूखे के बारे मे कोई जानकारी भारत के कृशि मंत्री को नही दी गई हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः क्या यह बात आप ओन ओथ कह रहे है। क्या आप भाोर है ?

श्री कर्ण सिंह दलालः मैने अखबारो मे पढा कि जो जानकारी कृशि मंत्री जी जानना चाहते है वह हरियाणा की तरफ से उन्हे नही दी गई।

श्री अध्यक्षः आप अखबारो की बात न करे। आप फैक्टस की बात करे। अखबारों मे क्या लिखा है, क्या नही लिखा इस बात को छोडे। आप केवल फैक्टस पर ही बोले।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, क्या केन्द्रीय कृशि मंत्री ने मीटिंग नही बुलाई। कृशि मंत्री जी ने जो बैठक 31 जुलाई को बुलाई थी उस मीटिंग को बुलाने से पहले सभी प्रदे ाो को अपने अपने प्रदे ाो की सूखे की स्थिति का आंकलन करने के लिए 10 दिन का समय दिया था। उस मीटिंग यह बात आई थी कि हिन्दुस्तान के राज्य अपने अपने राज्यो मे किसानो की फसलो के लिए क्रोप इन्- योरेंस स्कीम को लागू करे। उन्होने यह भी कहा कि इस वक्त कोई भी राज्य अपने स्तर पर सूखे की

स्थिति से निबटने मे समक्ष नही है क्योंकि राज्य सरकारे सूखे की स्थिति मे सरकार खजाने से बहुत ज्यादा भरपाई यानि मदद नही कर पायेगी। इसलिए किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए क्राप इन्‍ योरेस स्कीम को लागू किया जाये। अध्यक्ष महोदय, कृशि मंत्री जी ने उस बैठक मे सुझाव रखा कि इस स्कीम के अंतर्गत 75 प्रति ात पैसा केन्द्र सरकार देगी और 25 प्रति ात पैसा राज्य सरकार देगी। (विघ्न) दक्षिणी राज्यों के बारे मे उस बैठक मे मामला उठा था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः दक्षिणी राज्या कौन से है, आप उनके नाम बतांए।

श्री कर्ण सिंह दलालः महाराश्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडू आदि है।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, महाराश्ट्र दक्षिण मे नही है, वह तो पि चम है।

श्री कर्ण सिंह दलालः चलो आपके लिए नही होगा लेकिन इस दे ा के लोगो के लिए दक्षिण मे है। अध्यक्ष महोदय, मै कोई राजनीति की बात नही कर रहा। मेरा कहना यह है कि यदि सरकार क्रोप इन योरेंस स्कीम लागू करती है तो उससे राज्य सरकार के सरकारी खजाने पर भी कम बोझ पडेगा। मेरा कहना यह भी है कि यदि आज हरियाणा मे यह क्रोप इन्‍ योरेंस स्कीम लागू होती तो लोगो के नुकसान की भरपाई अच्छी तरह से हो सकती थी। अब मै आपके माध्यम से कुछ सवाल पूछना चाहता हू जिनका मंत्री जी जवाब दे। मंत्री जी ने अपने जवाब मे बताया

है कि इस सूखे की स्थिति को ध्यान से रखते हुए सरकार किसानों को आबियान माफ करेगी। अध्यक्ष महोय, इस संबधं मे मेरा कहना है कि आगरा नहर का आबियान माफ करने का इस जवाब मे कोई जिकर नही है क्योंकि आगरा नहर यू0पी0 सरकार की नहर है और जिला फरीदाबाद और गुडगांव के किसानो को यू0पी0 की सरकार आबियान भेजती है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इन जिलो का आबियान भी माफ करवाने पर विचार किया जाये ताकि वहां के किसानों को भी राहत मिल सके।

श्री अध्यक्षः आपकी यह बात ड्राउट के बारे मे नही है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, यहा सुखे की वजह से बिजली के बिल स्थगित करने की बात नही है। अध्यक्ष महोदय, पता नही कितने दिनों बाद यह सूखे की स्थिति आई है इस सूखे की स्थिति के कारण किसानो की कमर टूटी हुई है। इस हालत मे मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि किसानों के बिजली के बिल स्थगित करने की बात न करे बल्कि उन्हे माफ करने की बात करे। इसलिए इस संबध मे मेरा पुन अनुरोध है कि सूखे की हालत मे किसानों का जो नुकसान हुआ है उसको देखते हुए बिजली के बिल माफ करने चाहिए। यहा पर वि ोश गिरदावरी का भी जिकर किया गया है। पहले हरियाणा सरकार ने 19 जिलों को सूखा ग्रस्त घोशित किया था। मुख्यमंत्री महोदय ने अखबारो के माध्यम से यह कहा कि हरियाणा के तमाम 19 के 19 जिलें सूखाग्रस्त घोशित कर दिए गए है और हम तमाम किसानो को

मुआवजा देगे। अब इन्होने उस बात से पलट करके वि ोश गिरदावरी भाुरू करवा दी। इस सबंध मे मंत्री जी ने अपने जवाब मे यह कहा है कि 5.8.2002 से 20.8.2002 तक के समय की गिरदावरी होगी। अध्यक्ष महोदय, जब मुख्यमंत्री महोदय, का ब्यान आया था तो उसके बाद किसानों ने अपने खेत जोत दिए यानि जो फसल उग नही रही थी उस खडी फसल को किसानो ने जोत दिया। आज जब पटवारी गिरदावारी करने जाता है तो किसानो के खेत मे सूखे की वजह से फसल न होने की सूरत मे पटवारी कहता है कि मै तो इसकी गिरदावरी नही करूंगा क्योंकि इसमे कोई फसल नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से तमाम हरियाणा के लोगो की तरफ से सरकार से अनुरोध करता हू कि दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर के हरियाणा के तमाम जिलों की गिरदवारी करवाई जाए। जिन किसानो ने इन 2–3 महीने के दौरान अपनी फसल बोई और सूखे की वजह से वह फसल नही हो सकी उन सबको मुआवजा दिया जाये। (विघ्न) यहा पर एक बात आई कि भारत सरकार के जो नार्म्ज है उसके मुताबिक किसानो को मुआवजा दिया जायेगा । (विघ्न) मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि भारत सरकार के नार्म्ज तो उस समय के है जब भारत आजाद भी नही हुआ थो। (विघ्न) इन वि ोश हालात मे हरियाणा के किसानो की हालत को देखते हुए सरकार की तरफ से कहा गया कि यहां पर किसानों को ज्यादा बिजली दे रहे है। जहां तक ज्यादा बिजली देने की बात है उस बारे मे मै कहना चाहूगा कि लोगो को पूरी बिजली भी नही मिल पा रही। डाक्टर्ज ने तो मोमबती लगा लगा कर आप्रे ान किए है।

मेरे इलाके मे पीने के पानी का मटका 15–15 रूपये मे बिका है पेपरो मे भी यह बात आई है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, आप सही बात कहे। पेपर मे क्या लिखा है या क्या नही लिखा है वह तो लोगो ने पढ लिया।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपसे जानना चाहूंगा कि जिस मैम्बर ने कालिंग अटै ांन मो ान दिया है क्या वह उस कांलिग अटै ांन मो ान पर स्अेटमैंट दे सकता है या सवाल पूछ सकता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः सवाल पूछ सकता है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्अेटमैंट तो सरकार देगी, ये तो केवल सवाल पूछ सकते है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै तो सवाल ही पूछ रहा हू। बाकी सारे तो चले गए है अब तो मै अकेला ही विपक्ष का सदस्य रह गया हू और अपनी बात कह कर मै भी चला जांऊगा। अध्यक्ष महोदय, इनसे मेरा आखिरी सवाल यह है कि भारत सरकार के नार्म्ज को मानते हुए हरियाणा के किसानो की हालत को देखते हुए क्या यह सरकार, जो किसानो की हितेशी सरकार बनती है, इस सूखे की हालत मे हरियाणा के लोगो को वि ोश रियायते देगी जिसमे बिजली के बिल माफ करना, आगरा कैनाल समेत सबका आबियाना माफ करना और पीने के पानी तथा बिजली के जो प्रबन्ध है उनको करेगी। अध्यक्ष महोदय, पिछले

दिनो की सरकार की कारगुजारी आप देखे ताजेवाला हैड से यमुना मे पानी नही। (विघ्न)

वाक आउट

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अब आप बैठे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः दलाल साहब की और कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात नही सुन रहे है इसलिए मै एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करता हू।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी आफ इण्डिया के विधायक श्री कर्ण सिंह दलाल सदन से वाक आउट कर गए।)

वक्तव्य

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री द्वारा उपभोक्ता ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी (पुनरारम्भ)

नगर एवम ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): आदरणीय स्पीकर साहब, पहले तो चौधरी कर्ण सिह जी ने एक बात कि केन्द्रीय कृशि मंत्री जी ने मीटिंग बुलाई और उसमे हरियाणा प्रदे ा के कृशि मंत्री जी नही गए। स्पीकर साहब, बडे बडे अखबारो मे और टी0वी0 तथा सारे मीडिया ने हमारे प्रदे ा के कृशि मंत्री की बात को प्रकाि ात किया और साथ ही रैवैन्यू मिनिस्टर्ज की भी बैठक थी तथा मै भी उनके साथ उस मीटिंग

मे गया था। हमारे अधिकाारी भी गए थे तथा कृशि विभाग के अधिकारी भी गए थे। पता नही इनको क्या वहम हो रहा है, अखबरों मे क्या होता है क्या नही होता है। अखबार तो फोटो भी छाप रहा है और दूसरा अखबारा प्रकाि ात कर रहा है कि कृशि मंत्री हरियाणा ने अपने पक्ष को बहुत अच्छे ढंग से रखा हे इसके बावजूद दलाल साहब यह गैरजिम्मेदाना बात कर कर गए है। मैने अपने रिप्लाई मे आबियाना माफ माफ करने की बात कही तथा माननीय मुख्यमंत्री जी ने खुलेमन से कहा है इसमे आगरा कैनाल भी है, भाखडा सिस्टम भी है, डब्ल्यू0जे0सी0 भी है यह सब अलग अलग कहा से हो गया। कल तक तो ये आगरा कैनाल की बात करते थे। जब विपक्ष मे चौधरी बसी लाल जी के साथ थे तो कहा करते थे कि हमारी सरकार आने दो इस आगरा कैनाल का कब्जा तो हम लटठ से ले लेगे। जब इनकी सरकार आई तक मैने विपक्ष की तरफ बैठे हुए इनको याद भी करवाया था कि आपका यह लठ्ठ अब कहां है तो ये बोले कि उतर प्रदे ा की सरकार हमसे पूछती नही तथा हमारी वहां पर चलती नही। अध्यक्ष महोदय, ये तो केवल अखबारी राजनीति करते है और व्यवहारिकता से इनका कुछ भी लेना देना नही है। ये एक और बात कह गए कि मंत्री नही गया मुख्यमंत्री जी नही गए। हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी तो हर समय दौरे के लिए तैयार रहते है। चाहे दिन रात हो, बारि ा हो, गर्मी हो, सर्दी हो, जितना दौरा गांवो मे, भाहरो मे, वार्डो मे तथा चौपालो मे माननीय मुख्यमंत्री जी करते हैं मेरे ख्याल से आज तक किसी मुख्यमंत्री ने नही किया इसके बावजूद भी ये इस तरह की बात करते है। कर्ण सिंह

जी को तो केवल अखबारों की बात ही आती है और पता नही कहां से इस प्रकार की बाते ये उठा लाते है। वे गैर जिम्मेदाराना बात कर कर चले गए उनमे सुनने की हिम्मत नही। इसलिए मै हाउस से कहना चाहता हू कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले मीटिंग बुलाई। मीटिंग बुलाने के बाद केन्द्रीय कृशि मंत्री जी ने बैठक बुलाई और मीटिंग ने आने के बाद कृशि विभाग की तरफ से और रैवैन्यू विभाग की तरफ से जो भी सूखे से प्रभावति इलाके देखने मे आए उसकी रिपोर्ट तैयार की गई। जैसा मैने कहा कि 1100 करोड रूपये की हमने डिमाण्ड दे दी है। नौ लाख टन मस्टर्ड तथा गेहूं की मांग की है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, राजेन्द्र सिह बिसला जी ने सप्लीमैटरी पूछी। दूसरे मैम्बर्ज ने भी सप्लीमैटरी करी है। (ाोर एव व्यवधान)

एक आवाजः अध्यक्ष महोदय, ये बाय काट करके गए थे और फिर आ गए है।

चौधरी भजन लालः हम वाक आउट करके गए थे और फिर वाक आउट करेगे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक सदस्य तो बाय काट करके गया था और फिर सदम मे आ गया है। आप चाहे तो इस बारे मे रिकार्ड मंगवा कर देख ले। (ाोर एव व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिह ने ऐसा क्या कर दिया जो आपने उनको बाहर निकाल दिया। आपने उनको किस रूल के तहत निकाला है आप इस बारे मे भी हमे बता दे। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सब बैठ जाए। (ाोर एव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप हमे जवाब दे।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, अब जो आप बात कर रहे है यह बात आप पहले भी कर सकते थे। अब आप यहां पर आ गए है और प्रैस वालो को आपने अपनी बात कह दी कि हम वाक आउट करेगे। आपको उस वक्त मौके पर होना चाहिए था और सदन मे आपको अपनी सलाह देनी चाहिए थी। (ाोर एव व्यवधान) अब आप अपनी सीट पर बैठे और मंत्री जी का जवाब सुने। जवाब आने के बाद अब आप क्या बोलेगे।

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंहः): अध्यक्ष महोदय, इनसे रिक्वैस्ट की गई थी कि अपनी सप्लीमैटरी पूछे। श्री राजेन्द्र सिंह बिसला जी, श्री कर्ण सिंह दलाल जी ने अपनी अपनी सप्लीमैटरी पूछी थी। यहां पर यह बात आई थी कि सभी मैम्बर्ज को सवाल पूछने का मौका दिया जाएगा और सभी मैम्बर्ज बोल लिए लेकिन ये वाक आउट करके चले गए थे। अगर ये वाक आउट सिम्बोलिक कर लेते, थोडा सा बाहर जाकर वापिस आ जाते तब तो कुछ बात ठीक होती। लेकिन ये तो ड्राउट के बारे मे सीरियस ही नही थे। अब ये वाक आउट तो करके चले गए लेकिन बाहर जाने के बाद इन्हे किसी ने कहा कि वाक आउट करके आपने आपन सत्याना ।

कर लिया है। उसकी बात इनके समझ मे आ गई और अब ये अन्दर आ गए। अब तो मंत्री जी अपना फाईनल जवाब दे रहे है। (ाोर एव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी गलत बात कर रहे है।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप कैसे बोल रहे है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिह जी कैसे बोल रहे है।

श्री अध्यक्षः वे मन्त्री है और वे जवाब दे सकते है आप बैठ जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपने किस रूल के तहत कैप्टन अजय सिंह को सदन से स्टैट आफ दि सै ान निकाल दिया। उन्होने ऐसा क्या कर दिया था।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, उन्होने जो कहा था वह तो आपने कार्यवाही से निकाल दिया था। फिर आपने उनको क्यों सदन से निकाल दिया।

श्री अध्यक्षः उनकी एक बार की बात को कार्यवाही से निकाला था लेनिक वह बार बार पीछा करके बात कर रहा था। कभी राम कि ान फौजी से झगड रहा था तो कभी किसी से उसका तरीका ही गलत थां।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, आपने तो उनको रैस्ट आफ दि सै ान के लिए निकाल दिया है। आपसे हमारी रिक्वैस्ट है कि बाकी दिनों के लिए आप उनको सदन मे बुला ले।

श्री अध्यक्षः वह इसी के काबिल था। उसका सदन मे तरीका ठीक नही था।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः ये जो फसल काटने लग रहे है उसमे सबसिडी बीच मे दे रहे है।

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, इन्हे कहे कि ये चेयर ये बात करे डायेरैक्ट बात नही बोले।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये यहां पर कह कर चले गए कि किसान की फसल के साथ ज्यादती कर दी। ये साथी किसान है, हम भी किसान है और द र्ाक दीर्घा मे भी किसान भाई बैठे है। मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने जब बारि ा नही हो रही थी तभी कहा था कि स्पै ाल गिरदवारी की जाए। यह गिरदावारी 5.8.2002 को भाुरू की गई थी और बारि ा 13,14 और 15 को हुई है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, हमारे इलको मे तो अभी तक भी बारि ा नही हुई है। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, इनका एक साथी गैर जिम्मेदारान बात कह गया है इसलिए मै उसका जवाब तो दूंगा ही। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आप सभी बैठे। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, पांच तारीख को गिरदावारी हो गयी। सारे के सारे किसान इस बात को महसूस करते थे कि पांच तारीख को स्पै ाल गिरदावारी भाुरू हुई है इसलिए उन्होने जुलाई नही की। (विघ्न) इनका एक साथी जो जुताई की बात कह गया है उनकी यह बात बिल्कुल बेसलैस है। राजेन्द्र सिंह बिसला जी ने चारे की कमी के बारे मे सरकार की स्कीम जानना चाही है। स्पीकर साहब, माननीय मुख्यमंत्री जी ने चारे के बारे मे उन सभी उपायुक्तो को निर्दे ा दिए है जहां पर चारे की सभावना अच्छी है। उन्होने उनका कहहा कि चारे को बेकार न जाने दे। (विघ्न) स्पीकर साहब, करनाल, कुरूक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर और कैथल ये इलाके जीरी पैदा करने वाले इलाके है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इन इलाको के उपायुक्तो को निर्दे ा दिए है कि जंहा पर जीरी की खेती होती है। और जहा पर धान की कटाई के बाद किसान आपने धान की पुआल को जलाते है तो इस बार यह पुआल उनको न जलने दे। चूंकि इस बार कुछ इलाकों मे बारि ा नही हुई इसलिए आगे चलकर वहा पर चारे का अभाव हो सकता है तो इसी बात को ध्यान मे रखकर धान की पुआल नही जलाने को कहा गया है। स्पीकर साहब, ऐसे इलाके के किसान जहां बारि ा नही हुई जब चारे की डिमांड करेगे तो मै आपको बताना चाहूगा कि किस तरह से चारे का प्रबन्ध किया जाएगा।

चौधरी जय प्रका ा: स्पीकर साहब,.....................

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप बैठे। इनकी अब कोई बात रिकार्ड न करे।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब,.....

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, सिरसा जिले को जो चारे की सप्लाई होगी वह कुरूक्षेत्र जिले मे होगी, हिसार जिले को चारे की सप्लाई करनाल जिले से की जाएगी और भिवानी जिले को चारे की सप्लाई, सोनीपत, रोहतक एवम अम्बाला जिलों से की जाएगी।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप बैठ जाए।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ जिले मे अगर चारे की कमीहोगी तो वहां पर चारे की सप्लाई फरीदाबाद और यमुनानगर जिलो से की जाएगी। फतेहबाद जिले को चारे की सप्लाई कैथल, टोहाना एवम रतिया उप मंडल से की जाएगी। (विघ्न) धर्मबीर जी, आप हरियाणा की बात छोडिए हम तो राजस्थान को भी पानी और चारा देने लग रहे है। (विघ्न)

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मेरा हल्का बिल्कुल सूखा है। इसलिए आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप बैठिए। यह सरकार का काम है कि पुआली कहां जाएगी और किसको मिलेगी।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने दवाई के लिए पैसे दिये, पीने के पानी के लिए पैसे दिए और डी0सीज0 को आदे ा दिये कि जोहडो मे पानी डाला जाए और पानी डाला गया। धर्मबीर सिंह के यहां पानी या चारे के अभाव मे कोई जानवार मरा हो तेा अलग बात है वैसे किसी गरीब आदमी का, गरीब किसान का पानी या चारे के अभाव मे कोई जानवर नही मरा।

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः धर्मबीर सिह की कोई बात रिकार्ड न की जाए। धर्मबीर जी, आप बैठ जाइए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमने मुख्यमंत्री जी के निर्दे ा पर 16 करोड रूपये की रा ि ा जारी की है और पजांब मे कांग्रेस की सरकार ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए मात्र पाचं करोड रूपये की रा ि ा जारी की है व राजस्थान मे काग्रेंस की सरकार ने मात्र 10 करोड रूपये की रा ि ा जारी की है। मै कहना चाहता हू कि कांग्रेस की सरकारों ने सुखे की विकट स्थिति से निपटने के लिए किसानो को क्या इमदाद दी है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जगजीत सिंह, आप बैठ जाइए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने बताया है कि सूखे से निपटने के लिए किसानों को बिजली, पानी, दवाई, बीज इत्यादि सारी सामग्री दी है।(ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, क्या आपकी रिप्लाई कंप्लीट हो गई है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै कप्लींट करने जा रहा हू। हमारी सरकार किसान के प्रति पूरी तहर हमदर्द है और गिरदावारी के बाद किसान का जो हमसे बनेगा वह उसे पूरेा दिया जाएगा। (ाोर एवम व्यवधान)

(इस समय मेजे थपथपाई गई)

तुम्हारी तरह नकली गिरदावरी नही करते है असली करते है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा की कोई बात रिकार्ड न की जाए। ये बगैर परमी ान के बोल रहे है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इनको बार बार रूल्ज बताने पडेगे। फाइनल रिप्लाई के बाद कोई प्र ान नही पूछा जा सकता। जब इन लोगो को बोलने का अवसर दिया गया था तब ये लोग बाईकाट कर गए थे। (ाोर एवम व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, बाईकाट नही करके गए थे वाक आउट करके गए थे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, डां0 काद्यान से पूछे वे क्या कह के गया था। यह बात रिकार्ड मे है इन्होने कहा था कि बाईकाट करता है। मैने जाते जाते इनको कहना कहा भी था कि आप कम से कम साल लोग तो बोल ले उस वक्त थारे मे समझ नही थी। उस वक्त सात आदमी अपनी बात कह सकते थे। जो सात मे रह गए उनको अवसर दिया गया। डा तो बाईकाट करके गया है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः वाक आउट करके गए है बाईकाट करके नही गए है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः डां रघुबीर कादयान आपके साथ वाक आउट करके गए और फिर वापस आ गए मैने पूछा अब क्या करोगे तो कहने लगे कि अब बाईकाट करूंगा। अध्यक्ष महोदय, फाइनल रिप्लाई के बाद क्या कोई सप्लीमैटरी आ सकती है, नही आ सकती है।

Mr. Speaker: No farther discussion is allowed on Calling Attention Motion.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, हम मंत्री जी के जवाब से संतुश्ट नही है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार ईमानदारी से, गभीरता से किसानो के हक में है और हमने इस बात को ध्यान मे रखकर तहसीलदारो की डयूटी लगाई है तहसीलदार 100 परसैंट गिरदावरी की तहकीकात, एस0डी0एम0 25 परसैंट गिरदावरी की तहकीकात, डी0सी0 10 परसैंट गिरदावरी की और कमि ानर 2 परसैंट गिरदावरी की तहकीकात करेगा इनको पूरी तहकीकात करनी है इसलिए थोडी देरी हो रही है। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः जिस किसान की फसल बोई ही नही गइे उसको क्या दोगे। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः दक्षिणी हरियाणा मे तो सरसो की बिजाई के लिए साडू रखते है। (ाोर एवम व्यवधान) ये कभी खेत मे जाते नही, इनको हाली का नही पता। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि फसल बीमा योजना भारत सरकार की स्कीम है।

श्री धर्मबीर सिहः.....

चौधरी जय प्रका ाः .....

डा0 रघुबीर सिह कादियानः .....

श्री अध्यक्षः मंत्री के सिवाय और जो भी सदस्य बोल रहे है उनका रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान) आप सुने तो सही और पे ौस रखे।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिह दलाल और हुडा साहब गैर जिम्मेदारान आरोप लग रहे थे कि फसल

बीमा योजना लागू नही हुई इसलिए नुकसान हो गया। अगर यह फसल बीमा योजना लागू हुई होती तो लोगो को राहत मिल जाती। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी जो रिप्लाई आ रहा है, इसको इनको बडे सीरियस होकर सुनना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी जय प्रका ाः .....

श्री अध्यक्षः जो भी सदस्य बिना परमि ान के बोल रहे है, उनका रिकार्ड न किया जाए। बहस का मौका हो तो वाक आउट करके चले जाते हो। बहस नही सवाल पूछे। जय प्रका ा जी आपको अथोरिटी नही मिली हुई जो इस तरह खडे हुए है, आप बैठे जांए । (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, there is a matter of concern, बार बार पेपर्ज मे, हर प्लेटफार्म से, डिफरैंट पोलीटिकली पार्टियो ने अपने अपने प्लेटफार्म से, आज असैम्बली के प्लेटफार्म से सब से फसल बीमा योजना पर अपनी अपनी बात रखी। 2–3 माननीय सदस्यो ने अपनी बात रखी बीच मे हुडा साहब और डाक्टर कादियान साहब भी इस बारे मे कुछ कह रहे थे। यह बडी सीरियस बात है इसलिए मै कहना चाहूंगा कि फसल बीाम योजना के ऊपर रिवैन्यू मिनिस्टर का जवाब आ रहा है, उसे ध्यान से सुने ले क्योंकि बाद मे आप लोगो को भांका रह जाती है और बार बार अखबारो मे और आम लोगो मे बहम हो जाता है कि हरियाणा सरकार ने फसल बीमा योजना लागू नही की इसलिए नुकसान हो

गया। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मै आपके माध्यम से बराए मेहरबानी करके सारे हाउस को कहना चाहता हू कि फसल बीमा योजना एक महत्वपूर्ण पोलिसी है उसके बारे मे रिवैन्यू मिनिस्टर जी जवाब दे रहे है, इसको ध्यान से सुने ताकि इनको पता लगे कि यह पोलिसी है।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै भी सप्लीमैटरी पूछना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः नो सप्लीमैटरी, नो सप्लीमैटरी। (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, ...
....

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी जो कुछ बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथियो को बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने फसल बीमा स्कीम लागू क्यो नही की। फसल बीमा लागू न करने के कई कारण है। पहला कारण यह था कि जो बीमा फसल का होना था उसके रेट इनते ज्यादा थे कि साधारण, मीडियम और निम्न सत्र के किसान वह रेट नही दे सकते थे। (ाोर एवम व्यवधान) दूसरा कारण यह था कि एवरेज यील्ड का फार्मूला किसानो के हित मे नही था क्योकि पिछले तीन साल की फसल की एवरेज यील्ड के हिसाब से फसल का बीमा किया जाना था और हो सकता है कि पिछले तीन साल

मे सर्दी की मार की वजह से, बरसात कम होने की वजह से या किसी और कारण फसल कम हुई हो। तीसरा कारण था कोरपस फंड। इसका मतलब यह है फसल बीमा के लिए 50 प्रति ात पैसा केन्द्र सरकार देगी और 50 प्रति ात पैसा राज्य सरकार देगी। इस बात को केवल हम ही विरोध नही कर रहे थे बल्कि दूसरे प्रदे ाो के कृशि मंन्त्रियों ने भी इसका विरोध भारत सरकार के कृशि मंत्री श्री अजीत सिंह के सामने किया गया था। मेरे कहने का मतलब यह है कि विरोध करने वालो मे जिस राज्य मे काग्रेस की सरकार है उस राज्य के कृशि मंत्री भी भाामिल थे। पजांब की कृशि मंत्री भट्ठल मैडम ने भी इसका विरोध किया था। (ाोर एवम व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै हुडा साहब और चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहता हू कि इस बात का सभी राज्यो के कृशि मन्त्रियों ने अफसोस किया कि 50 प्रति ात केन्द्र सरकार का भोयर होगा और 50 प्रति ात राज्य सरकार का। हम चाहते है कि इसमे दो हिस्से केन्द्र सरकार के हो और एक हिस्सा राज्य सरकार का हो। (ाोर एवम व्यवधान) फसल बीमा स्कीम लागू न करने का चौथा कारण फसल की लोस प्रति ात अधिक होने का था। बीमै की भार्त अनुसार जिस फसल का बीमा हुआ हो वह तभी मिलेगा जब फसल का 90 प्रति ात नुकसान हुआ हो। स्पीकर साहब, कोई भी रूल किसानों के हक मे नही था यही कारण है कि हमारे नेता ने और हमने यह स्कीम लागू नही की। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, लेकिन विपक्ष के साथी तो अखबारो की सुर्खियो मे रहने के लिए ऐसे ही कुछ भी बोलते रहते है और इन्हे इतना मालूम नही है कि कौन सी स्कीम किसानों के हक मे

है और कौन सी नही है। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, हमारे कृशि विभाग ने और रैवेन्यू विभाग ने इस स्कीम की पूरी तहकीकत की है कि यदि यह बीमा स्कीम लागू कर दी जायेगी तो किसान बरबाद हो जायेगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार 50 प्रति ात हिस्सा नही बल्कि 75 प्रति ात हिस्सा देती है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मेरे माननीय साथी को बताना चाहूगा कि केन्द्र सरकार अब केवल 50 प्रति ात हिस्सा देती है।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी भजन लाल जी से पूछना चाहूंगा कि ये पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे। उस समय इन्होने यह स्कीम लागू क्यों नही की ? (ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि जिस समय मै केन्द्र मे कृशि मंत्री था उसी समय मैने यह स्कीम चालू करवाई थी।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम मान लेते है कि इन्होने यह स्कीम चालू करवाई होगीं जगननाथ जी यहां पर नही है वे कहते थे कि लाल किला भी बंसी लाल ने बनवाया और तो ाम का पहाड भी बसी लाल जी ने बनवाया। वैसे ही हम भी मान लेते है कि यह स्कीम आपने लागू करवाई होगी। उसके

बाद ये पांच साल तक मुख्यमंत्री भी रहे है उस समय इन्होनें यह स्कीम हरियाणा मे भुरू क्यों नही की।

18.00 बजे

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये कहते है (विघ्न) हमने यही कहा था कि 75 परसैन्ट पैसा भारत सरकार को देना चाहिए तक जा करके इस स्कीम को लागू किया जाये।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, ये कह रहे है कि यह स्कीम इन्होने लागू की थी। मै इनको बताना चाहता हू कि इनकी स्कीम के मुताबिक तो भारत सरकार ने 50 प्रति ात पैसा देना था तो फिर ये 75 प्रति ात पैसा भारत सरकार की तरफ से देने की बात कैसे कह रहे है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः अब तो सैन्टर मे आपकी सरकार है। अब 75 प्रति ात करा लो। (विघ्न) हमारे वक्त कुछ दूसरी स्टेट वाले नही माने थे।

श्री ओमप्रका ा चौटालाः कभी आप कहते है कि यह स्कीम मैने लागू की थी। (विघ्न) आपको ज्ञात कुछ है नही। आपको यह नही पता कि आपकी स्कीम 75 प्रति ात की थी या 50 प्रति ात की थी। आपको पहले भी जो मैम्बर बोल कर गए वे भी 75 प्रति ात बोल कर चले गए। इनकी हाउस को गुमराह करने की एक सोच पैदा हो गई है। धीरपाल जी ने खडे होकर के बता दिया कि यह जो बीमा स्कीम है यह किसानो के हित की नही है। (विघ्न)

चौधरी भजन लालः हम तो यही चाहते है कि 75 प्रति ात की जो परपोजल भारत सरकार की तरफ से है, वह लागू होनी चाहिए। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, जिस स्कीम की बात चौधरी भजन लाल जी कर रहे है उस स्कीम के मुताबिक तो इनकी स्कीम 90 प्रति ात नुकसान की थी, यानि किसान का 90 प्रति ात नुकसान होता है तो उस स्कीम का फायदा किसान का होगा। अगर 90 प्रति ात के हिसाब से पोलिसी लागू की जायेगी तो उससे किसान बर्बाद हो जाएंगे। हरियाणा सरकार ने, किसान नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने और हाउस के नेता ने किसानों का पूरा हित रखा है। स्पीकर साहब, जब ये केन्द्रीय कृशि मंत्री थे, उस वक्त जो ये स्कीम बना कर गए थे उसको हमने फाड करके एक तरफ रख दिया है। 90 प्रति ात खराबे वाली बात हम नही मानते। आप यह भी नीति बना करके गए थे कि जो रकबा किसी कारण से बिजाई नही होगा उसपर भी यह स्कीम लागू नही होगी। अगर सूखा पडता है, बाढ आती है या और कोई आपदा आती है तो.....

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात सुनिये... .....

श्री अध्यक्षः आप बगैर इजाजत के बोल रहे है, इसलिए इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मै उस स्कीम की बात कर रहा हू जो भजन लाल जी बना करके गए थे इनकी बनाई हुई

नीति किसानो के हित मे नही थी। हमारी सरकार ने प्रदे ा के किसानों को बचाने के लिए इस स्कीम को लागू नही किया, यह उल्लेख मैने अपने जवाब मे किया है।

घोशणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा –

(i) सभापतियों की सूची

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Hon'ble Spaeker nominated the following members to serve on the Panel of Chairpersons:-

1. Sh. Balwant Singh Maina, MLA

2. Sh. Rajinder Singh Bisla, MLA

3. Sh. Ajay Singh, MLA

4. Smt. Sarita Narain

(ii) याचिका समिति

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, under Rule 303 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislatie Assembly, the Hon'ble Speaker nominated the following members to serve on the Committee on Petitions:-

1	Sh. Gopi Chand Gahlot, Deputy Speaker	Ex-officio Chairperson

2	Sh. Lila Krishan	Member
3	Smt. Veena Chhibbar	-do-
4	Sh. Rajinder Singh Bisla	-do-
5	Sh. Zalir Hussain	-do-

(ख) सचिव द्वारा –

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सबंधी

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make a announcement.

सचिव: महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर, 2002 में हुए सत्र में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

September Session, 2002.

1. The Haryana Municipal (Second Amendment) Bill, 2002.

2. The Punjab Pasengers and Google Taxation (Haryana Amendment) Bill, 2002.

3. The East Punjab War Awards (Haryana Amendment) Bill, 2002.

4. The Haryana Apporpriation (No. 1) Bill, 2002.

5. The Haryana Civil Services (Executive Brach) and Allied Services and other Services Common/Combined Examination Bill, 2002.

6. The Haryana Appropriation Ownership (Amendment) Bill, 2002.

7. The Haryana Appropriation Ownership (Amendment) Bill, 2002.

8.. The Haryana Legislative Assembly (Amendment and Pension of Members) Amendment Bill, 2002.

9. The Haryana Salaries and Allowance of Minister (Amendment) Bill, 2002.

मान्यवर मैने सदन को सूचित करना है कि राश्ट्रपति ने ''हरियाणा लोकायुक्त विधेयक 1999 जिसे हरियाणा विधान सभा ने नवम्बर 1999 मे हुए अपने सत्र मे पारित किया था, अपनी अनुमति रोक ली है।

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various Business fixed by teh Business Advisory Committee.

The Commitee meet at 10.00 A.M. on Monday, the 2nd September, 2002 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in session, shall meet on 2nd September, 2002 at 2.00 P.M. and adjourn at 6.30 P.M. without question being put. On Tuesday, the 3rd September, 2002 shall meet at 9.30 A.M and adjourn after the conclusion of the Business entered in the List of Business for the day.

The Committee after some discussion also recommends that the business on 2nd to 4th September, 2002, be transacted by the Sabha as follows:-

Monday, the 2nd September ,2002 (2.00 P.M.)	1	Obituary Referecnes.
	2	Question Hour.
	3.	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5.	Presentation of four Premliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports thereon.
Tuesday, the 3rd September, 2002 (9.30 P.M.)	1	Question Hour.
	2	Presentation of

	(i)	Supplementary Estimates for the year 2002-2003 (first instalments) and the report of the Estmates Committee thereon.
	(ii)	Discussion and Votiong on Supplementary Estimates for the year 2002-2003 (first instalment.)
	4	Presentation, Disussion and Voting on Excess Demands Over Grants and Appropriations for the year 1997-98 and 1998-99
Tuesday, the 3rd September, 2002 (2.00 P.M.) (II sitting)	1.	The Haryana Appropriation Bill, 2002 in respect of Supplementary Estimates for the year 2002-2003 (first instalment.)

	2.	The Haryana Appropriation Bill, 2002 in respect of Excess Demands Over Grants and Appropriations for the year 1997-98 and 1998-99.
	3.	Legilative Business
Wednesday, the 4rd September, 2002 (9.30 A.M.)	1.	Question Hour.
	2.	Motion Under Rule 15 regarding Non Stop sitting
	3.	Motion Under Rule 16 adjornment of Sabha Sine die.
	4.	Legilative Business
	5.	Any other Business."

Mr. Deputy Speaker: Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

चौधरी भजन लालः नो नो ऐसा कोई फेसला नही हुआ। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिहं हुडाः अध्यक्ष महोदय, हुआ। (ाोर एवम विघ्न)

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): अध्यक्ष महोदय, इनसे कहिए कि वे मूव तो होने दे।

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, पहले पार्लियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर को रिपोर्ट मूव तो कर लेने दे आप उसके बाद ही तो बोलेगे। क्या आपको बहुत ज्यादा जल्दी हो रही है कि आप मूव करने से पहले ही बोल रहे है। इन्होने तो एक ही बात सीख रखी है, नो। इनको पता ही नही कि नो किस वक्त बोलना है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, बडे अफसोस की बात है भूतपूर्व विपक्ष के नेता भी बैठे हुए है और मौजूदा विपक्ष के नेता भी बैठे हुए है। लेकिन इनको यह मालूम नही है कि किस टाईम क्या बात करनी है। पहले मूव तो करने दे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः हुडा साहब, क्या आप मूव करने मे भी नो करते है। (ाोर एवम व्यवधान) आपको पता ही नही किस वक्त क्या बोलना है? आप मूव ही नही होने दैते और पहले ही नो कहते है।

प्रो0 सम्पत सिंहः हुडा साहब, पहले आप ट्रेनिंग ले। हमने तो यह सोचा था कि आप बहुत ट्रेनिंग ले कर आए है। विपद्वा के नेता के रूप मे आपके ब्यान अखबारो मे आए थे कि इस बार देखना कि विपक्ष का नेता कैसा होता है। बार बार आपके

ब्यान आ रहे है आप थोडी बहुत ट्रेनिंग ले लेते कि क्या करना चाहिए।

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That this House agrees with the recommendations contianied inthe First Reoport of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agrees with the recommendations contianied inthe First Reoport of the Business Advisory Committee.

डा0 रघुवीर सिंह काद्यान (बेंरी): अध्यक्ष महोदय, बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की जो रिपोर्ट इस समय इस हाउस मे रखी गई है इसमे दो सिटिग्ंज मार्निग इवनिंग 3 सितम्बर के लिए रखी है। स्पीकर साहब, जैसा कि आप कहते है कि इस समय काम नही है लेकिन आपको मालूम है आज प्रदे ा मे सूखे की स्थिति है और सूखे की मार लोगो पर पडी है। आज खेतो की सिचांई के लिए पानी नही है और लोगो के लिए पीने का पानी नही है। इसके लिए ऐडजार्नमैंट मो ान भी रखा गया था। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: रघुवीर सिंह जी आपकी एडजर्नमैंट मो ान को कार्लिग अटैं ान मो ान मे कन्वर्ट कर दिया गया है। (ाोर एवम व्यवधान) आप बैठ जाए मैने तो पेपर अब देखा है। आप अपनी सीट पर बैठ जांए।

डा0 रघुवीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि यह जो सदन है इसका समय आपने बहुत कम रखा है आप इसको एक्सटैंड करके कम से कम 10 दिन तक बढा दे। अध्यक्ष महोदय, प्रजातंत्र मे लोकतंत्र मे एक चुने हुए नुमायंदे के लिए यही एक जगह है जहां वह अपनी बात कर सकता है.....

श्री अध्यक्षः आप बैठ जांए। अब मिनिस्टर बोलेगे। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडा (किलोई): अध्यक्ष महोदय, हमने आपसे बी0ए0सी0 मीटिंग मे भी निवेदन किया था कि सदन मे सबको बोलने का मौका मिलना चाहिए और आज के बाद सदन की दो दिन की ही बैठक है। कल आपने डबल सीटिंग कर दी है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि सदन को 5 तारीख तक बढाया जाए ताकि सभी को यहां पर बोलने का मौका मिले।

श्री अध्यक्षः जब बोलने का मौका आया था तो आपकी सारी पार्टी वाक आउट करके चली गई थी तो मै किसको बोलने के लिए कहता। क्या बैंचो को बोलने के लिए कहता।

श्री भूपेन्द्र सिह हुडाः अध्यक्ष महोदय, आपने कैप्टन को रैस्ट आफ दि सै ान के लिए सस्पैड कर दिया है। वे सदन मे अपनी बात बोलना चाहते थे और अपने उन्हे और हमे भी अपनी बात बोलने के लिए मौका नही दिया। जब वे अपनी बात कहना चाहते थे तो आपने उनको सस्पैंड कर दिया।

श्री अध्यक्षः उनका व्यवहार ही ऐसा था इसलिए मुझे उनको सस्पैंड करना पडा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, आप उनको आज के लिए सस्पैड कर दे लेकिन बाकी दिनो के लिए तो उनको बुला ले। रैस्ट आफ दि सै ान के लिए सस्पैड करना यह ठीक बात नही है। आप इस बारे मे दोबारा से विचार करे तथा सै ांन को भी 5 तारीख तक बढा दे।

Mr Speaker: That this House agrees with the recommendations contianied inthe First Reoport of the Business Advisory Committee.

The motione was carried.

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to move-

The Haryana Murrah Buffalo and other Milch Animal Breed (Preservation and Development of Animal Husbandry and Dairy Development Sector) Amendment Ordiance, 2002.

Sir, I also beg to re-lay on the Table-

The Education and Languages Departement Notification No. S.O 38/H.A 12/1599/Ss. 8 and 24/2001, dated the 29th March, 2001 regarding Haryana Aided Schools (Special Pension and Copntributory Provident Fund) Rules,

2001, as required under Section 24(3) of the Haryana School Education Act, 1995.

Sir, I also beg to lay on the Table-

The Gerneral Administration Departement (General Services) Notification No. G.S.R 9 Const/Art. 320 Amd, (1) 2002, dated the 30th May, 2002 regarding the Haryana Publice Service Commission (Limitation of Functions) Amedmnet Regulatison, 2002, as required under Ariticle 320(5) of Constitution of India.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. S.O 169/H.A 20/1973/S. 64/2001, dated 31st October, 2001, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 58/H.A 20/1973/S. 64/2002, dated the 22 July, 2001, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Animal Husbandry Department Notification No. S.O 56/H.A 6/1973/S. 17/2002, dated the 10th July, 2002, as requried under Sections 17(3) of the Haryana Murrah Buffalo and Other Milch Animal Breed (Preservation and Development of Animal Husbandry and Dairy Developments Sector) Act, 2001.

The Annual Report of Haryana State Pollution Control Board fot the year 1998-1999, as required under Section 39(2) of Water (Preservation and Control of Pollution) Act, 1974.

The Annual Report of Haryana State Pollution Control Board fot the year 1999-2000, as required under

Section 39(2) of Water (Preservation and Control of Pollution) Act, 1974.

The Annual Statement of Acconts of the Housing Board, Haryana, for the year 1999-2000, as required under Section 19-A (3) of the Comptroller and Auditor Gerneral's (Duties, Powers and Conditions of Services) Act, 1971.

The Annual Report of Haryana Vidyut Prasaran Nigam Limited fot the year 1998-1999, as required under Section 619A (3) of of the Companies Act, 1956.

The 3rd Annual Reports of the Haryana Vidyut Prasaran Nigam Limited for the year 1999-2000, as required under Section 619A (3) of of the Companies Act, 1956.

The 29th Annual Reports of the Haryana Tanneries Limited, Jind for the year 2000-2001, as required under Section 619A (3) of of the Companies Act, 1956.

The 34th Annual Reports of the Haryana Agro Industries Corporation Limited fot the year 2000-2001, as required under Section 619A (3) of of the Companies Act, 1956.

विशेशाधिकार मामलों के संबंध में विशेशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रति4वेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री रघुबीर सिंह, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of

Privilege given notice of by Dr. Sita Ram, MLA and Sh. Shri Jasbir Mallour, MLA against Dr. Raghubir Singh, MLA for coming to/remaining to the well of the House, tearing the book of Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House 5th March, 2002.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, (Chairperson Privileges Committee): Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr. Sita Ram, MLA and Sh. Shri Jasbir Mallour, MLA against Dr. Raghubir Singh, MLA for coming to/remaining to the well of the House, tearing the book of Rules of Procdure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House 5th March, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Sh. Rajinder, MLA and Sh. Karan Singh, Dalal MLA for obstuting and makingu called for remakrs against. His Excllling the Governor on 4th March 2002, and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala, MLA in taking mock chair in the well of the House at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of Sh. Rajinder, MLA and Sh. Karan Singh, Dalal MLA for obstuting and makingu called for remakrs against. His Excllling the Governor on 4th March 2002, and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala, MLA in taking mock chair in the well of the House at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002.

Speaker Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iii) कैप्टन अजय सिंह यादय, श्री धर्मबीर सिंह तथा श्री जगजीत सिंह सांगवान, एम.एल.एज. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Sh. Bahagi Ram , MLA and Sh. Pawan Kumar MLA for coming to/remaining to the well of the House, trying of manahandle the Watch and Ward Staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Aajy Singh Yadav, M.L.A breaking a light box while rushing to the well of the House, caushing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh, M.L.A and using unparlimamentary words and uncalled for remarks etc. in the House by Shir Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on 5th March, 2002

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by

Sh. Bahagi Ram , MLA and Sh. Pawan Kumar MLA for coming to/remaining to the well of the House, trying of manahandle the Watch and Ward Staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Aajy Singh Yadav, M.L.A breaking a light box while rushing to the well of the House, caushing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh, M.L.A and using unparlimamentary words and uncalled for remarks etc. in the House by Shir Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on 5th March, 2002

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iv) श्री जय प्रका ा बरवाला, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of

Privilege given notice of by Sh. Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh Dahiya MLA against Sh. Jai Parkash Barwala, MLA regarding taking of mock Chair in the well of the House and showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the chair and challenging on 5th March, 2002 .

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Sh. Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh Dahiya MLA against Sh. Jai Parkash Barwala, MLA regarding taking of mock Chair in the well of the House and showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the chair and challenging on 5th March, 2002

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker: Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 3rd September, 2002.

18.23 hrs.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. otomorrow, the 3rd September, 2002.